धनबाद
बुधवार 11.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-287 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

राज्य के विकास में सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका अहम : सीएम

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को संबोधित किया. हेमंत सोरेन ने सबसे पहले रविंद्र नाथ महतो को फिर से स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि पंचम झारखंड विधानसभा में रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सदन सफलतापूर्वक चला. आगे कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भूमिका अहम है. विपक्ष से आग्रह किया कि इस चुनाव के दौरान राज्य की जनता ने जो निर्णय सुनाया है, उस निर्णय का सम्मान करें. उन्होंने कहा कि महान विभूतियों के सपने को सकार करने में भूमिका निभानी चाहिए.

ये लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर

रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद सीएम ने उन्हें बधाई दी. कहा कि मैं अपनी पार्टी और सत्ता पक्ष की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएं देता हूं. आगे कहा कि ये लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है. यह देश के महान विभूतियों के समर्पण और त्याग का परिणाम है. कहीं न कहीं हमारे इस लोकतंत्र का लोहा पूरी दुनिया मानता है. अलग-अलग रंग, बोली, सभ्यता-संस्कृति एक साथ मिलकर एक समूह में रहकर अपनी हर समस्या का समाधान करते हैं. आज उन महान विभूतियों के विचारों को देश आजाद होने से अब तक सम्मान करते आये हैं. उनके विचारों को अपने कंधों पर लेकर निरंतर इस लोकतंत्र को और मजबूत करने में लगे हैं.

राज्य के बेहतरी के लिए मिलकर आगे बढ़ने का करेंगे प्रयास

सीएम ने रवींद्र नाथ महतो को बधाई देते हुए कहा कि आपकी अध्यक्षता में पंचम विधानसभा सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. आपने बहुत ही सहनशीलता और संवेदनशीलता के साथ सदन को चलाया. सदन में पक्ष-विपक्ष होते हैं. दोनों की बीच आपने संतुलन और गरिमा को बनाये रखा. निश्चित रूप से आपने सदन की गरिमा को और मजबूत रखने में अहम भूमिका अदा की है. इसके लिए उन्होंने स्पीकर के प्रति अभार प्रकट किया. आगे कहा कि इसी प्रकार सबने सर्वसम्मति से आपको षष्टम विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना है. उम्मीद और भरोसा है कि षष्टम विधानसभा भी पूर्व सत्रों की तरह हम सब मिलकर इस राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए इस मंदिर में एकत्रित होंगे और हम सब मिलकर इस राज्य के बेहतरी के लिए मिलकर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे.

11 को सदन में पेश होगा अनुपूरक बजट

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन यानि ११ दिसंबर को दिन के ११-३० बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष २०२४-२५ का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा. १२ दिसंबर राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

एअर इंडिया के छोटे आकार के विमानों में शुरू की गयी वायरलेस मनोरंजन सेवा

नई दिल्ली (ईएमएस): टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया एयरलाइन ने अपनी वायरलेस मनोरंजन सेवा का विस्तार छोटे आकार वाले विमानों के बेड़े में कर दिया है।

इस सेवा में १६००+ घंटे से अधिक प्रीमियम क्यूरेटेड कंटेंट शामिल हैं, जिसमें बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर और हॉलीवुड हिट से लेकर मनमोहक डॉक्यूमेंट्री, क्लासिक धुनें और क्यूरेटेड बच्चों के कार्यक्रम शामिल हैं।

रवींद्रनाथ महतो निर्विरोध चुने गये स्पीकर

स्पीकर ने सदस्यों से कहा, सदन पक्ष और विपक्ष दोनों से मिलकर चलता है...

रांची (एजेंसी): रवींद्रनाथ महतो लगातार दूसरी बार झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष बने. वे इस पद पर निर्विरोध चुने गये. सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो के नाम का प्रस्ताव रखा. इसका मथुरा महतो ने समर्थन किया. ध्वनि मत से रवींद्रनाथ महतो को स्पीकर चुना गया. सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रवींद्र नाथ महतो को आसन तक लेकर आये और उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया.

नाला से विधायक रवींद्रनाथ महतो दूसरी बार स्पीकर बनते ही एक नया इतिहास रच दिया है. वे पहले ऐसे विधायक हैं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार स्पीकर का दायित्व संभाला है.

रवींद्रनाथ महतो ने विधानसभा चुनाव में चौथी बार जीत हासिल की है. स्पीकर बनते ही उन्होंने इस मिथक को तोड़ दिया, जिसमें हमेशा यह देखा जाता रहा है कि कोई भी स्पीकर रहते दोबार विधायक नहीं बनता. सिर्फ सीपी सिंह ने ही स्पीकर रहते दोबारा जीत हासिल की थी. लेकिन रवींद्र नाथ महतो दोबारा स्पीकर बन गये.

रवींद्रनाथ महतो कब-कब चुनाव जीते

रवींद्रनाथ महतो सबसे पहले नाला सीट से २००५ में जीत हासिल की थी. २००९ में रवींद्रनाथ महतो को शिकस्त मिली थी. २०१४, २०१९ और २०२४ में रवींद्रनाथ महतो ने लगातार जीत हासिल की.

बांग्लादेशी बोले- भारत की जेल में रह लेंगे, बांग्लादेश नहीं जाएंगे

अगरतला (ईएमएस): बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए। इस्कॉन के धर्मगुरु चिन्मय प्रभु को गिरफ्तार कर लिया गया। बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले में ३० नवंबर को त्रिपुरा से ढाका होते हुए कोलकाता जा रही एक बस पर हमला किया गया। इसके बाद त्रिपुरा में बांग्लादेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। अगरतला में बांग्लादेशी हाई कमीशन में तोड़-फोड़ की गई। त्रिपुरा के होटल एसोसिएशन और एक हॉस्पिटल ने बांग्लादेशियों के लिए सेवाएं बंद कर दीं। बांग्लादेश ने भी अगरतला में अपनी वीजा सेवाएं रोक दीं और त्रिपुरा से अपने डिप्लोमैट्स वापस बुला लिए हैं।

बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में छेड़छाड़ मामला मुख्य प्रबंधक और कर्मी पर कार्रवाई

देवघर (एजेंसी): देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में छेड़छाड़ और मरम्मति कार्यों से जुड़े मामले में मुख्य प्रबंधक और कर्मी पर कार्रवाई की गयी है. डीसी विशाल सागर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की है. डीसी ने मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त के सभी वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है. वहीं मंदिर कर्मी हरिलाल पाडेय को निलंबित कर दिया है.

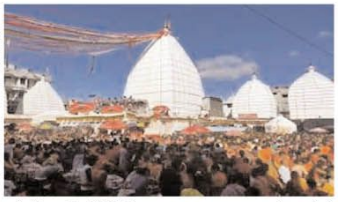

गर्भगृह में कथित छेड़छाड़ फोटो हुआ था वायरल

जानकारी के मुताबिक, गर्भगृह में कथित छेड़छाड़ का फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था. इसके बाद डीसी ने मंदिर प्रभारी सह एसडीओ को २४ घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट मांगी थी. जांच रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया यह बात सामने आयी है कि गर्भ गृह में सीमेंट से मरम्मति का कार्य किया गया है. इसी दौरान सीमेंट का कुछ अंश भगवान में लग गया. संभवतः यहीं पर चूक हुई है. सूचना यह भी है कि डीसी, एसडीओ और पुरोहित को संज्ञान में दिये बिना ही यह कार्य शुरू किया गया था, जो अनुशासनहीनता है.

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा का निधन

पीएम मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया

बेंगलुरु (ईएमएस): कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता एसएम कृष्णा का मंगलवार सुबह उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि ९२ वर्षीय एसएम कृष्णा लंबे समय से बीमार थे। परिवार ने जानकारी दी कि उन्होंने रात २ बजकर ४५ मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी प्रेमा और दो बेटियां शांभवी एवं मालविका हैं। उनके निधन से कर्नाटक और भारतीय राजनीति में गहरा शोक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएम कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक कद्दावर नेता थे, जिन्होंने देश और कर्नाटक के विकास में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। वे एक विचारक और प्रेरणादायक नेता थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कृष्णा का योगदान बेंगलुरु को टेक्नोलॉजी हब बनाने में अमूल्य था। ▶▶ 8

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके 15-17 तक भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर

नई दिल्ली (ईएमएस): श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके १५ से १७ दिसंबर तक भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। सितंबर में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा होगी। यह घोषणा श्रीलंका के कैबिनेट प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिसा ने की। उन्होंने पुष्टि की कि राष्ट्रपति दिसानायके द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने और उन्हें बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

जयतिसा ने कहा, राष्ट्रपति के साथ विदेश मंत्री विजिता हेराथ और वित्त उप मंत्री अनिल जयंता फर्नांडो भी होंगे। बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति को विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने कोलंबो यात्रा के दौरान भारत आने का निमंत्रण दिया था। ४ अक्टूबर को कोलंबो की अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की थी । इस दौरान उन्होंने भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और सागर विजन के आधार पर द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता जाहिर की थी।

अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या और देश के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के साथ भी मुलाकात की थी। राष्ट्रपति दिसानायके की भारत यात्रा से भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस दौरान आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और द्वीप राष्ट्र में सुलह प्रयासों पर चार्च के केंद्रित रहने की संभावना है।

विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सत्ता पक्ष और विपक्ष पर जमकर बरसे

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद में रोज हो रहे हंगामे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष को जमकर बरसे। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। बिरला ने कहा कि मुझे अफसोस है कि विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो सभी दल के लोग संसद की गरिमा, परंपरा और मर्यादा को बनाए रखें।

ओम बिरला ने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल है। इस भवन की उच्च गरिमा, प्रतिष्ठा और मर्यादा है। बिरला ने कहा कि मर्यादित गरिमा आचरण रखेंगे तो जनता में अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था है। जो भी विषय और मुद्दे हैं आप आकर चर्चा करें। सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में चर्चा करें। बता दें कि राहुल गांधी पिछले दो दिन से संसद भवन परिसर में मोदी-अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि प्रश्न काल एक अहम समय होता है। उन्होंने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल और ▶▶ 8

गगनयान के लिए इसरो ने भारतीय नौसेना के साथ 'वेल डेक' रिकवरी ऑपरेशन ट्रायल किये

विशाखापत्तनम (ईएमएस): भारत के पहले मानव मिशन गगनयान के लिए इसरो ने भारतीय नौसेना के साथ 'वेल डेक' रिकवरी ऑपरेशन ट्रायल किये हैं। क्रू मॉड्यूल के वेल डेक रिकवरी ट्रायल पूर्वी नौसेना कमान में विशाखापत्तनम के तट पर वेल डेक शिप का उपयोग करके किए गए। गगनयान के लिए चल रही तैयारियों के तहत अभी और रिकवरी ट्रायल होंगे।

इस ट्रायल में रिकवरी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो मिशन के सुरक्षा प्रोटोकॉल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत का लक्ष्य २०२५ तक ४०० किमी. ऊपर अंतरिक्ष यात्री भेजने का है। इसरो के 'मिशन गगनयान' की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच को कोच्चि में नौसेना की जल जीवन रक्षा प्रशिक्षण सुविधा (डब्ल्यूएसटीएफ) में नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की एक टीम ने विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में प्रशिक्षित किया है।

इसरो के अनुसार गगनयान परियोजना में तीन सदस्यों के एक दल को तीन दिवसीय मिशन के लिए ४०० किमी. की कक्षा में लॉन्च करके और भारतीय समुद्री जल में उतरा जाएगा। इसके बाद उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाकर मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करने की परिकल्पना की गई है। यह प्रशिक्षित टीम इसरो के 'मिशन गगनयान' की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी। इसरो ने मंगलवार को बताया कि भारतीय नौसेना के साथ मिलकर गगनयान के लिए महत्वपूर्ण 'वेल डेक' रिकवरी ट्रायल ०६ दिसंबर को किये गए, जो भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में एक मील का पत्थर है। इसरो के अनुसार एक अच्छी डेक वाला जहाज अपने डेक पर पानी भरने की सुविधा देता है, जिससे नावों, लैंडिंग क्राफ्ट और अंतरिक्ष यान की सुरक्षित डॉकिंग और रिकवरी संभव हो जाती है।

इस व्यापक प्रक्रिया में रिकवरी बॉय को जोड़ने, क्रू मॉड्यूल को खींचने, वेल डेक जहाज में प्रवेश करने, क्रू मॉड्यूल की सटीक स्थिति निर्धारित करने तथा वेल डेक से पानी निकालने के परीक्षण शामिल थे। इसरो ने कहा कि इस ट्रायल का प्राथमिक उद्देश्य रिकवरी समय को कम करना और क्रू मॉड्यूल के समुद्र में उतरने के बाद चालक दल के लिए कम से कम परेशानी न होने देना है। इन जटिल युद्धाभ्यासों का अभ्यास करके इसरो और भारतीय नौसेना का लक्ष्य सामान्य और अप्रत्याशित दोनों स्थितियों के लिए अपने मानक ▶▶ 8

विचारों को लेकर हम एक-दूसरे के विरोधी हैं लेकिन राष्ट्र पर आंच आए तो हम एक हैं : ममता बनर्जी

कोलकाता (ईएमएस): भारत और बांग्लादेश के रिश्ते इस समय सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं। इसी बीच वहां की एक कट्टरपंथी पार्टी बीएमपी के नेता ने कहा कि वे लोग भारत के हिस्से वाले पश्चिम बंगाल, बिहार तक को अपना क्षेत्र बना लेंगे। उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भड़क गई और चेतावनी दे डाली। हम भारतीय विचारों के स्तर पर भले ही एक दूसरे का विरोध करते हैं लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हम सब एकजुट हैं।

दरअसल, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाषण दे रही थीं। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले की निंदा की और सभी समुदायों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह के उकसावे की कार्रवाई नहीं करने की अपील है।

उन्होंने बांग्लादेश की बीएमपी पार्टी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने बिहार और पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश का हिस्सा बनाने की बात कही थी। ममता ने कहा- जब कोई बाहरी ताकत हमारी जमीन हथियाने की कोशिश करेगी तो क्या भारतीय बैठे रहेंगे और लॉलीपॉप खा रहे होंगे? उन्होंने कहा कि ▶▶ 8

काउंसिल ने जिला एसोसिएशन से मांगे 50 रुपए प्रति वकालतनामा, जेएसबीसी सदस्य मनोज सिंह ने किया विरोध

रांची (एजेंसी): झारखंड स्टेट बार काउंसिल (जेएसबीसी) द्वारा जिला बार एसोसिएशन को प्रति वकालतनामा में ५० रुपए काउंसिल के लिए इक्ट्ठा करने के आदेश को लेकर किचकिच शुरू हो गयी है. स्टेट बार काउंसिल के सदस्य मनोज सिंह ने काउंसिल की ओर से वकालतनामा में ५० रुपए का इजाफा करने के आदेश पर अपना विरोध जाहिर करते हुए जेएसबीसी को पत्र लिखा है. काउंसिल अध्यक्ष को लिखे गये अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि जिला बार एसोसिएशन से प्रत्येक वकालतनामा में काउंसिल के लिए ५० रुपए इक्ट्ठा करने का आदेश नियमसंगत नहीं है. इससे वित्तीय अनियमितता होने की आशंका है. साथ ही इससे जिला बार एसोसिएशन के साथ-साथ आम लोगों पर भी बोझ पड़ेगा.

प्रत्येक वकालतनामा में लिये जाने वाले शुल्क में काउंसिल के लिए भी ५० रुपए लेने का आदेश दरअसल झारखंड स्टेट बार काउंसिल की ओर से २२ नवंबर को एक पत्र जारी किया गया था. झारखंड के सभी जिला बार एसोसिएशन को जारी किये गये पत्र में काउंसिल की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि प्रत्येक वकालतनामा में लिये जाने वाले शुल्क में काउंसिल के लिए भी ५० रुपए लिए जायें. यह आदेश २ जनवरी से प्रभावी होना है. लेकिन उससे पहले ही इस आदेश का विरोध शुरू हो गया है.

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम को मिली जान से मारने की धमकी

अमरावती (ईएमएस): बॉलीवुड अभिनेता सलमान-शाहरुख और कई बड़े लोगों को जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है जिसकी जांच भी चल रही है। वहीं अब आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनके ऑफिस में कॉल और मैसेज के जरिए दी गई। इस घटना की जानकारी पवन कल्याण के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर दी और एक बयान जारी किया है।

अधिकारियों के मुताबिक एक अज्ञात व्यक्ति ने पवन कल्याण के कार्यालय को कॉल किया और पवन को जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा उसने अपमानजनक भाषा में टेक्स्ट मैसेज भी भेजे हैं।

दहेज मामलों में कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए अदालतों को सावधानी बरतनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में अहम फैसला सुनाया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए अदालतों को दहेज मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए. अदालत ने कहा कि यह एक सर्वमान्य तथ्य है, जो न्यायिक अनुभव से प्रमाणित है कि वैवाहिक कलह के कारण उत्पन्न घरेलू विवादों में प्रायः पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की प्रवृत्ति होती है.

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने तथा पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए.

जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवाद से उत्पन्न आपराधिक मामले में परिवार के सदस्यों के नामों का उल्लेख मात्र, बिना उनकी सक्रिय संलिप्तता के स्पष्ट आरोपों के, शुरू में ही रोक दिया जाना चाहिएठोस साक्ष्यों से समर्थित न होने वाले ऐसे सामान्यीकृत और व्यापक आरोप या विशिष्ट आरोप आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बन सकते.

पीठ ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा ४९८-ए का प्रावधान पत्नियों/उनके रिश्तेदारों के लिए पति/उनके परिवार के साथ अपना हिसाब बराबर करने का कानूनी हथियार बन गया है, जबकि वे प्रावधान पति और उसके परिवार द्वारा महिलाओं पर की जाने वाली क्रूरता को रोकने के लिए लाए गए हैं, ताकि राज्य द्वारा त्वरित हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सके.

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया मामला

पति और पत्नी के ससुराल वालों के खिलाफ आईपीसी की धारा ४९८-ए (क्रूरता) के तहत दर्ज मामले को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला दिया है.

साथ ही कोर्ट ने पति और उसके परिवार के खिलाफ व्यक्तिगत प्रतिशोध को बढ़ावा देने के लिए आईपीसी की धारा ४९८-ए जैसे प्रावधानों का दुरुपयोग करने की बढ़ती प्रवृत्ति की आलोचना की.

राजस्व वसूली में तेजी लाने का आयुक्त ने दिए निर्देश

धनबाद (कासं) : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग के आयुक्त पवन कुमार ने मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में जिला आंतरिक संसाधन समिति तथा जिला टास्क फोर्स की समीक्षा की। उन्होंने खनन, कमर्शियल टैक्सेस, निबंधन, परिवहन, वन विभाग, मत्स्य विभाग तथा नगर निगम सहित अन्य विभागों की समीक्षा की।

समीक्षा के क्रम में आयुक्त ने सभी विभागों को शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करने तथा राजस्व बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने का निर्देश दिए। खनन विभाग की समीक्षा के क्रम में आयुक्त ने खनिज संपदा के अवैध कारोबार पर त्वरित कार्रवाई करने तथा विभिन्न कोलियरियों में कोयले के भंडारण का औचक वॉल्यूमैट्रिक जांच करने के निर्देश जिला प्रशासन के संबंधित पदाधिकारियों को दिए।

एक्साइज विभाग की समीक्षा के क्रम में उन्होंने अवैध शराब निर्माता पर कड़ी कार्रवाई करने तथा लाइसेंसी बार में औचक जांच करने को कहा गया है। कमर्शियल टैक्सेस की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने डिफॉल्टरों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा मोबाइल चेकिंग कर राजस्व बढ़ाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए।

बैठक में उत्तरी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा सहित सभी अंचल अधिकारी व अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे।

समीक्षा बैठक के बाद आयुक्त ने जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक कर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने उप विकास आयुक्त से विभिन्न परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी परियोजनाओं का कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिये।

बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जीटी रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान आज से

गोविंदपुर (ससे) : एनएचएआई के अधिकारियों ने मंगलवार को अमीन लेकर गोविंदपुर में जीटी रोड के दोनों और अपनी जमीन की मापी कर उसे चिन्हित किया। अधिकारियों ने कहा कि बाजार क्षेत्र में डिमार्केशन का काम पूरा कर लिया गया है। अब बुधवार को अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे जेसीबी के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करेंगे। ऐसे प्रशासन की चेतावनी के बाद ७५ अतिक्रमण हटा लिया गया है। शेष अतिक्रमण अंचल अधिकारी की देखरेख में हटाया जाएगा। अंचल अधिकारी ने कहा कि छोटेमोटे दुकानदारों को माडा मैदान में प्रवेश कर दिया जाएगा। माडा मैदान के बाहर कोई भी दुकान नहीं लगेगी।

माडा मैदान की साफसफाई भी करा दी जाएगी और सभी को पांचपांच फीट की दुकान माडा ग्राउंड में दी जाएगी। उन्होंने कहा कि निरसा की ओर जाने वाली टेंपो और गाड़ियों का स्टैंड गोविंदपुर थाना के अपोजिट सर्विस लेन के बाद जीटी रोड की खाली जमीन पर लगेगा। इसी तरह धनबाद की ओर जाने वाली टेंपो का स्टैंड ठाकुरबाड़ी के पास सर्विस लेन से हटकर जीटी रोड की जमीन पर लगेगा। इस तरह की व्यवस्था गोविंदपुर ऊपर बाजार में भी की जाएगी। अंचल अधिकारी ने भी जीटी रोड में अतिक्रमण का जायजा लिया और चेतावनी दी की जो भी अतिक्रमण रह गया है उसे बुधवार सुबह तक हर हाल में हटा ले अन्य था बुधवार ११:०० बजे से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जाएगा और जेसीबी से सारा अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही से मंगलवार को गोविंदपुर जीटी रोड पर दिल्ली लेन में सड़क जाम लगा। बाद में ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह पहुंचे और उन्होंने खुद मोर्चा संभाला तथा जीटी रोड को जाम से मुक्त किया। सुरक्षा के लिए एनएचएआई ने फकीरी साहिबगंज चौक के दोनों रंबल स्ट्रिप लगा दिया है, ताकि वाहनों की गति कम हो सके हैवी इंजीनियर एलजी सिंह ने बताया कि सुरक्षा के और उपाय किए जाएंगे इधर, जीटी रोड सुभाष चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने १०० से अधिक वाहनों का चालान काटा नागरिकों ने इसकी शिकायत अंचलाधिकारी से की है।

अंचलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले में ट्रैफिक डीएसपी से बात करेंगे अंचलाधिकारी को नागरिकों ने बताया कि गोविंदपुर में अभी सर्विस लेन का काम हो रहा है और सारे क्रॉसिंग बंद कर दिए गए हैं। इस स्थिति में लोग रॉन्ग साइड चलेंगे और कुछ दूरी पर ही रॉन्ग साइड चलने से चालान काटना अनुचित है नागरिकों ने शिकायत की है कि दो पहिया वालों को ८००० तक का चालान काट दिया गया है जो गलत है उन्होंने कहा कि इसका विरोध किया जाएगा उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस वाहन नियंत्रण की बजाय चालान काटने में व्यस्त रहती है इस स्थिति में ट्रैफिक पर कंट्रोल कैसे होगा। यही कारण है कि बारबार सड़क जाम लग जा रहा है। अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था पीयूष कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम ने मंगलवार शाम को भी गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में जीटी रोड का निरीक्षण किया तथा कार्य प्रगति की समीक्षा की।

श्री सिन्हा ने अंचल अधिकारी एवं एनएचएआई के अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गोविंदपुर थाना के आगे वर्षों से खड़ी शेष गाड़ियों को भी बुधवार तक हटा लेने का निर्देश दिया तथा एनएचएआई से बाजार क्षेत्र में काम यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने २० दिसंबर तक गोविंदपुर के दोनों सर्विस लेन का काम हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया और इस कार्य में गोविंदपुर वासियो से सहयोग की अपील की।

विराजपुर में मानवाधिकार संरक्षण की बैठक

धनबाद (कासं) : गोविंदपुर प्रखंड के विराजपुर स्थित श्री राम कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस स्वरूप सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण प्रदेश इकाई झारखंड की बैठक भगवत प्रसाद पांडे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि आरके मिश्रा, विशिष्ट अतिथि हिमांशु शेखर, रिचा झा, संतोष कुमार, प्रदेश अध्यक्ष भगवत प्रसाद पांडे मंचासिन हुए।

बैठक का संचालन सुरेश चंद्र तिवारी ने किया। स्कूल के बच्चे बच्चियों के द्वारा सभी अतिथियों को माल्यार्पण व स्वागतगान से स्वागत किया गया। सुरेश चंद्र तिवारी ने सभी प्रदेशवासियों को विश्व मानवाधिकार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा और समानता का आधार है, जो एक सशक्त और समावेशी समाज की नींव रखता है।

यह दिवस हमें मानवाधिकारों के महत्व को समझने और उसके संरक्षण और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। सभी अतिथियों ने भी बारी बारी से मानवाधिकार दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि आरके मिश्रा ने सर्वोच्च मानवाधिकार सर्वेक्षण के पदाधिकारी स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा बच्चियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक की समापन पर स्कूल के विद्यार्थियों व अतिथियों समेत अन्य पांच सौ लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। बैठक में सुरेश चंद्र तिवारी, मिथिलेश कुमार पांडे, तुल्सी कुमार दास, स्वीटी कुमारी, जोगनी देवी, स्नेहा कुमारी, किरण कुमारी, रितु कुमारी, रोहित कुमार साव, सुरेश कुमार महतो, विकास प्रसाद साव समेत सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सड़क दुघर्टना में एक की मौत, दो घायल

बलियापुर (ससे) : भिखराजपुर भूईफोड़ हीरक रोड पलानी के पास सोमवार की रात दो बाइक के बीच हुई टक्कर में २१ वर्षीय गणेश कर्मकार की मौत हो गई। वह आमझर का रहने वाला था। जबकि स्वपन मुर्मू व सूरज हांसदा गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों कालुबथान का रहने वाला है। इलाज शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल धनबाद में भर्ती हैं।

झारखंड के आंदोलनकारी की पहचान करें : वालिया

धनबाद (कासं) : झामुमो (यू) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने धनबाद उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन को पत्र प्रेषित कर झारखंड आंदोलन में हिस्सा लेने वाले वास्तविक नेताओं की पहचान करने की मांग की है।

झारखंड अलग राज्य के लिए चलाए गए आंदोलन में जिन लोगों ने हिस्सा लिया है वैसे लोगों को नजर अंदाज किया जा रहा है।

दलालों द्वारा वैसे लोगों को झारखंड के आंदोलनकारी बताकर सरकार एवं प्रशासन को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे गलत लोगों को झारखंड आंदोलनकारी को बताकर असली आंदोलनकारी को अपमान कर रहा है। उन्होंने इसकी उच्चस्तरीय जांच कराएं जाने की मांग की है।

आईआईटी (आईएसएम) में माइक्रोबियल व केमिकल रिस्क असेसमेंट फ्रेमवर्क पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में माइक्रोबियल और केमिकल रिस्क असेसमेंट फ्रेमवर्क पर ४ दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, शोध विद्वानों और बीटेक और एमटेक छात्रों सहित ७५ प्रतिभागियों ने भाग लिया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह से हुई, जो ज्ञान और बुद्धि के ज्ञान का प्रतीक है। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में मुख्य अतिथि -प्रो. प्रेम व्रत, अध्यक्ष, बीओजी, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, विशिष्ट अतिथि -प्रो. सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, आमंत्रित विशेषज्ञ - डॉ. रजत नाग, सहायक प्रोफेसर, यूसीडी स्कूल ऑफ बायोसिस्टम्स एंड फूड इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड, प्रो. सुनील कुमार गुप्ता, एचओडी (सीडी), ईएसई विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और प्रो. एस. आर. समद्दर, प्रोफेसर, ईएसई विभाग, आईआईटी (आईएसएम) और कार्यशाला के संयोजक शामिल थे। दीप प्रज्वलन के बाद कार्यशाला संयोजक प्रो. एस आर समद्दर ने सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्यों का एक व्यावहारिक परिचय दिया। प्रो. समद्दर ने खतरे की पहचान, जोखिम आकलन, खतरे की विशेषता और जोखिम की विशेषता पर ध्यान केंद्रित करते हुए सूक्ष्मजीव और रासायनिक जोखिम मूल्यांकन के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। प्रो. समद्दर ने बताया कि कार्यशाला में गुणात्मक, अर्ध-मात्रात्मक और संभाव्य मॉडल शामिल होंगे, जो डॉ. रजत नाग के शोध से वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करेंगे। प्रो. समद्दर ने जलवायु परिवर्तन और मानव और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बीच अंतर्संबंधों की कार्यशाला की खोज पर प्रकाश डाला, जो मिशन लाइफ: पर्यावरण के लिए जीवन शैली के साथ संरक्षित है, जो टिकाऊ जीवन और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथाओं की वकालत करता है।

इसके बाद आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के ईएसई विभाग के एचओडी (सीडी) प्रो. सुनील कुमार गुप्ता ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने विभाग की चल रही पहलों और पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग में अनुसंधान और शिक्षा को आगे बढ़ाने में इसकी उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस तरह की बहुविषयक कार्यशालाओं की मेजबानी के पीछे की दृष्टि पर जोर दिया। अनुसंधान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए विभाग के समर्पण पर प्रकाश डाला। प्रो. गुप्ता ने मिशन लाइफ अभियान के साथ विभाग के संरक्षण को भी रेखांकित किया। प्रो. रिया दत्ता, सहायक प्रोफेसर, ईएसई विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने आमंत्रित विशेषज्ञ, डॉ. रजत नाग का परिचय दिया, जिसमें उन्होंने माइक्रोबियल और रासायनिक जोखिम मूल्यांकन, पूर्वानुमान मॉडलिंग और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में उनके अकादमिक योगदान और विशेषज्ञता का अवलोकन प्रदान किया। उनके परिचय ने कार्यशाला की अकादमिक गहराई और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए माहौल तैयार किया।

आमंत्रित विशेषज्ञ, डॉ. रजत नाग, सहायक प्रोफेसर, यूसीडी स्कूल ऑफ बायोसिस्टम्स एंड फूड इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड ने एक संक्षिप्त और आकर्षक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन और उसके स्कूल ऑफ बायोसिस्टम्स एंड फूड इंजीनियरिंग का परिचय दिया। उन्होंने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के साथ सहयोग करने के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया और १० से १३ दिसंबर तक निर्धारित कार्यशाला के दौरान खोजे जाने वाले प्रमुख विषयों की रूपरेखा प्रदान की। डॉ. रजत ने कार्यशाला को मिली मजबूत प्रतिक्रिया पर भी प्रसन्नता व्यक्त की, जिसमें लगभग ६० प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जो विषय में महत्वपूर्ण रुचि को दर्शाता है।

एनएसयूआई ने कतरास कॉलेज प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

धनबाद (कासं) : एनएसयूआई कतरास इकाई ने कतरास कॉलेज के प्रचार्य से मुलाकात कर पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपते हुए अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम का नेतृत्व शाहबाज खान ने किया। शाहबाज खान ने छात्र हित में मांग रखते हुए अपनी बात को प्राचार्य के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कतरास कॉलेज मे विभिन्न तरह की समस्याएं है, जिनमें मुख्य रूप से ५ समस्याएं प्रमुख है। जिनमे पहली मांग लड़की के लिए जितना कॉमन रूम आवश्यक है उतना लड़कों के लिए भी कॉमन रूम की आवश्यकता है। लड़के आते हैं तो कहीं बैठने का एक स्थान नहीं होने के कारण बहुत परेशानी होती।

दूसरी मांग कॉलेज कैंपस में लाइब्रेरी को सुचारू रूप से खोला जाए। लाइब्रेरी खुला नहीं होने के कारण कॉलेज के बाहर एक प्राइवेट लाइब्रेरी है, जिसमें छात्रछात्रा आर्थिक कमजोर होने के कारण नहीं जा पाते है। तीसरी मांग कॉलेज के शौचालय एवं कैंपस को साफ सफाई की जाए। चौथी मांग कॉलेज के छात्रछात्राओं के साथ कॉलेज के प्राचार्य व स्टाफ के द्वारा दुर्व्यवहार करना बंद किया जाए। पांचवी एवं अंतिम मांग परीक्षा खत्म होने के पश्चात क्लास नियमित रूप से सभी विषयों का हो।

वहीं मुख्य रूप से उपस्थित एनएसयूआई के प्रदेश सचिव आकाश कुमार प्रमाणिक ने प्राचार्य को बताया कि उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की भी आवश्यकता होती है, जिसमें कहीं ना कहीं कतरास कॉलेज चुक रही है। नियमित क्लास के साथसाथ सुविधा देने का भी कार्य किया जाना चाहिए। छात्रों के इन मांगों पर जल्द से जल्द कॉलेज प्रशासन अमल करें अन्यथा छात्राओं द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

मौके परएनएसयूआई के प्रदेश सचिव आकाश प्रमाणिक, शाहबाज खान, अमन अंसारी, अहान खान, आशीष महतो, अनीस अंसारी, करण पाण्डेय, रोहित कुमार, अजय दास, अरुण महतो, अक्षय कर्मकार, सैफ अंसारी, आसिफ अंसारी, मोहम्मद तथा साबी इमरान खान उपस्थित रहे।

श्रम बल सर्वेक्षण का अवलोकनात्मक विश्लेषण

धनबाद (ससे) : महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और समग्र आर्थिक समावेशिता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह शोध पत्र २०१७१८ से भारतीय राज्यों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में उल्लेखनीय पुनरुत्थान को उजागर करते हुए कठोर अर्थमितीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अनुभवजन्य विश्लेषण के लिए तीन व्यापक विषय हैं।

महिला एलएफपीआर में हालिया रुझान, एलएफपीआर पर वैवाहिक स्थिति और मातृत्वपितृत्व का प्रभाव और भारत के सभी क्षेत्रों और राज्यों में उम्र और लिंग के साथ एलएफपीआर में भिन्नता।

इस अध्ययन में इस्तेमाल किया गया डेटा सभी उपलब्ध (२०१७१८ से २०२२२०२३) में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से लिया गया है। पीएलएफएस २.५ मिलियन से अधिक व्यक्तियों के लिए विस्तृत रोजगार और जनसांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है, जिससे राष्ट्रीय, राज्य और ग्रामीण/शहरी स्तरों पर रुझानों और विविधताओं का विश्लेषण संभव हो पाता है। एलएफपीआर की गणना १५ वर्ष और उससे अधिक आयु की कुल आबादी के सापेक्ष नियोजित और बेरोजगार व्यक्तियों (काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) के प्रतिशत के रूप में की जाती है।

राष्ट्रीय स्तर पर, ग्रामीण महिला एलएफपीआर २४.६ से बढ़कर ४१.५ (६९ वृद्धि) हो गई, जबकि शहरी एलएफपीआर मामूली रूप से २०.४ से बढ़कर २५.४ (२५ वृद्धि) हो गई। महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, झारखंड (२३३ वृद्धि) और बिहार (६ वृद्धि) जैसे राज्यों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। पूर्वोत्तर राज्यों ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई (उदाहरण के लिए, नगालैंड: १५.७ से ७१.१) की वृद्धि। राष्ट्रीय स्तर पर, शहरी क्षेत्रों में कुल मिलाकर मामूली वृद्धि देखी गई।

परिणामों का दूसरा सेट, आयु, वैवाहिक स्थिति और घरेलू संरचना, विशेष रूप से १४ वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति के आधार पर महिला एलएफपीआर प्रस्तुत करता है।

सामान्य रुझान दर्शाते हैं कि लगभग सभी राज्यों में महिला एलएफपीआर में वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है। हमने यह भी पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं ने अविवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक भागीदारी वृद्धि दिखाई है।

राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों ने विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाई। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। उत्तरी राज्यों में, पंजाब और हरियाणा में महिला एलएफपीआर कम रही। पूर्वी राज्यों में, ग्रामीण बिहार में देश में सबसे कम एलएफपीआर था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

पूर्वोत्तर राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश सबसे आगे हैं। पूर्वोत्तर के शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के बीच मध्यम वृद्धि देखी गई है। जबकि देश के अन्य हिस्सों में शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के लिए मामूली वृद्धि देखी गई है। पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में एलएफपीआर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाओं के बीच केंद्रित है, जबकि शहरी क्षेत्रों में केवल मामूली वृद्धि देखी गई है। आंध्र प्रदेश में बच्चों वाली शहरी महिलाओं की एलएफपीआर में बड़ी गिरावट आई है।

परिणामों का तीसरा सेट लिंग और आयु के आधार पर एलएफपीआर में अंतर प्रस्तुत करता है। इसमें पाया गया कि वैवाहिक स्थिति और बच्चों की उपस्थिति प्रत्येक श्रेणी के लिए कैसे अंतर लाती है। कुल मिलाकर परिणाम दर्शाते हैं कि महिला एलएफपीआर एक घंटी के आकार का वक्र बनाती है, जो ३०४० वर्ष की आयु में चरम पर होती है और उसके बाद तेजी से घट जाती है। दूसरी ओर, पुरुष एलएफपीआर ३०-५० वर्ष की आयु से उच्च (१००) रहता है, उसके बाद धीरेधीरे घटता है। महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए वैवाहिक स्थिति एलएफपीआर का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। विवाहित पुरुष लगातार राज्यों और आयु समूहों में उच्च एलएफपीआर प्रदर्शित करते हैं, जबकि विवाह महिला एलएफपीआर महत्वपूर्ण रूप से कम होता जाता है।

भारत ने २०१७१८ से २०२२२३ तक विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में पर्याप्त वृद्धि देखी है। पिछले दस वर्षों में सरकार की कई योजनाएं हैं, विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को लक्षित करते हुए। इनमें मुद्रा ऋण, ड्रोन दीदी योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत जुटाए गए एसएचजी ग्रामीण महिलाओं के लिए कुछ प्रमुख पहलों के नाम हैं। ऐसी कई अन्य पहलें हैं जिन्हें पूरे भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया है। हमारा शोध पत्र इन पहलों के अंतिम परिणाम को भारत भर में और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में संचयी और महत्वपूर्ण वृद्धि की पड़ताल करता है। हालांकि, इन कार्यक्रमों के प्रभावों का मूल्यांकन करने और भारत की महिला एलएफपीआर में लगातार अंतरराज्यीय और ग्रामीण-शहरी असमानताओं का पता लगाने के लिए गहन शोध की आवश्यकता है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

केंद्रीय वित्त मंत्री से मिले सांसद ढुल्लू मूहतो

धनबाद (कासं) : भाजपा सांसद ढुलू महतो ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर महत्वपूर्ण समस्याओं पर उनका ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने वित्त मंत्री को एक पत्र सौंपते हुए टुण्डू क्षेत्र में बंद की गई स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर की शाखा को पुनः खोलने का आग्रह किया।

सांसद श्री महतो ने बताया कि टुण्डू क्षेत्र में एसबीबीजे शाखा बंद होने से स्थानीय निवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में स्थित कोलियरियों के हजारों कर्मचारियों, पेंशनधारकों, विधवा पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं और छात्रों को बैंकिंग सेवाओं के लिए चार किलोमीटर दूर एसबीआई बिलबेरा शाखा जाना पड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि बुजुर्ग और महिलाओं को विशेष रूप से आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

ढुलू महतो ने वित्त मंत्री से आग्रह किया कि टुण्डू में पुनः एसबीबीजे शाखा और एटीएम की सुविधा बहाल की जाए। ताकि स्थानीय जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यह निर्णय क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को सरल बनाएगा।

असंगठित मजदूरों का थाना के समक्ष प्रदर्शन

केंदुआ (ससे) : असंगठित लोडिंग मजदूरों की मांग नहीं मिलने पर उपेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में आंदोलन किया गया था। बीसीसीएल प्रबंधन न्यू गोधर कुसुंडा के द्वारा उपेन्द्र शर्मा के विरुद्ध केंदुआडीह थाना में दर्ज एफआईआर किया गया था। केन्दुआडीह थाना के द्वारा परेशान करने और सहयोग नहीं करने को लेकर मंगलवार को केन्दुआडीह थाना के समक्ष आमरण अनशन धरना प्रदर्शन किया गया।

इस मामले को लेकर श्री शर्मा ने बताया कि आज लगातार ३ वर्षो में हमारा इस आंदोलन को पूरी समाज समझ नहीं पाया और ऐसी मांग धनबाद की धरती पर कोई नही मांगा था न कोई भविष्य में मांगेगा। उन्होंने आमरण अनशन धरना प्रदर्शन के माध्यम से कहा कि अलकुसा कोलियरी में मैनुअल ट्रक लोडिंग होती है जिसमे ७८ मजदूर कार्यरत है।जो ट्रक उक्त मजदूरों से नही होती है उन ट्रकों की लोडिंग के लिए स्थानीय मजदूरों को भी शामिल कर लें जिसे इनकार कर दिया गया। उसी बीच एसडीएम साहब का करवाई के लिए जारी आदेश पत्र पुटकी सीओ एवं थाना प्रभारी केंदुआडीह को अग्रसारित किया गया परन्तु करवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इसके अलावे मुख्यमंत्री महोदय मुख्य सचिव महोदय झारखण्ड सरकार रांची एवं उपयुक्त महोदय वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय धनबाद जिला दण्डाधिकारी महोदय धनबाद का चार चार आरटीआई सूचना अधिकार अधिनियम के तहत बीसीसीएल प्रबंधन को करवाई के लिए अग्रसारित किया गया। किन्तु सभी पत्रों को प्रबंधन के द्वारा फाड़कर फेंक दिया गया। जिससे हमारी मांगे पूरी नही हो रही है।

उन्होंने वरीय अधिकारियों के आदेश को उल्लंघन को लेकर प्रबन्धन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज का कॉपी की मांग को लेकर मंगलवार से आमरण अनशन धरना पर बैठे है। जबतक मजदूरों की मांगे पूरी नही होती है। तबतक थाना के समक्ष आमरण अनशन आंदोलन जारी रहेगा।

मौके पर उपेन्द्र शर्मा,सुखदेव पासवान,शिव कुमार पासवान, शिला देवी, नीलू बाउरी, मुस्कान खातून, चन्द्रशेखर चौबे, छोटू खान, राजकुमार चौहान, विजय चौहान, रीता देवी, सुनीता देवी, पिंकी कुमारी, साबो देवी, राकेश बाउरी, लखु वर्मा, सुभाष चौहान, उदय कुमार, दीपक कुमार, प्रेम कुमार, काशी कुमार,छोटू महतो,संजय भुइयां, मंजय कुमार,पवन कुमार,विजय चौहान, बैजनाथ पासवान, संजय कुमार पासवान, चन्दन चौहान, जगदीश भुईयां, प्रहलाद कुमार, मुकेश कुमार, करेंद्र भुईयां, बिरजू पासवान, तुलसी भुईयां, शोभी दास, बंटो भुईयां, चन्दन चौहान, राहुल वर्मा, छोटू राय और सोमर भुईयां आदि उपस्थित थे।

आरोपी के घर पुलिस ने इस्तेहार

पुटकी (ससे) : फरार अभियुक्त मनोज सिंह के बरडुभी स्थित घर पर मंगलवार को मुनीडीह ओपी प्रभारी संतोष कुमार महतो के नेतृत्व में गाजे बाजे के साथ न्यायालय से निर्गत इस्तेहार चिपकाया गया। अभियुक्त के परिजनों को मनोज सिंह को जल्द से जल्द न्यायलय में आत्मसमर्पण कराने का निर्देश दिया गया। बता दें कि अवैध शराब फैक्ट्री के भंडाफोड़ के मामले में मनोज सिंह आरोपी है।

आज से भुख हड़ताल करेंगे पति व पत्नी

पुटकी (ससे) : सौ प्रतिशत विकलांग सह अरलगड़िया बस्ती के विस्थापित मनोज कुमार सिंह (४०) अपनी पत्नी एवं भाई को इगलदीप आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन की मांग को ले पीबी प्रोजेक्ट गेट के पास आज से अनिश्चितकालीन भुख हड़ताल पर बैठेंगें। इस संबंध में श्री सिंह ने कई दिन पूर्व इगलदीप पीबी आउटसोर्सिंग कम्पनी के जीएम समेत धनबाद सांसद, उपायुक्त व अन्य को ज्ञापन सौंपा था। पत्र में श्री सिंह ने पत्र में लिखा है कि वह १०० प्रतिशत विकलांग हैं। उसने २० सितम्बर एवं १३ नवम्बर २०२४ को इगलदीप आउटसोर्सिंग कम्पनी के जीएम को आवेदन देकर अपनी पत्नी आरती देवी एवं भाई सरोज सिंह का ईगल दीप आउटसोर्सिंग कम्पनी में नौकरी देने का आग्राह किया था, परंतु प्रबंधन की ओर से पहल नहीं किया गया। जबकि हमारे गाँव अरलगड़िया के बहुत सारे व्यक्ति को नौकरी दिया गया।

बिजली के करंट से राहगीर घायल

झरिया (ससे) : धर्मशाला रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला के नजदीक स्थित विद्युत पोल पर बिजली का करंट आ जाने के कारण बीते शाम एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

झरिया विधायक रागिनी सिंह की पहल पर तत्काल अस्पताल ले जाकर उसे उचित इलाज कराया गया। वहीं झरिया विधायक रागिनी सिंह के निर्देशानुसार आज भाजपा का एक विशेष प्रतिनिधि मंडल ने केडी पांडेय के नेतृत्व में बिजली विभाग के कनीय अभियंता सतीश कुमार के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर तत्काल प्रभाव से उक्त जर्जर बिजली पोल को बदलने की मांग की। जिसपर कनीय अभियंता ने अपनी सहमति जताते हुए शीघ्र बिजली पोल को हटाए जाने और नए पोल लगाए जाने की बात कही। इस दौरान स्वरूप भट्टाचार्य संजय यादव, रघुराम सेलों पासवान, सौरभ शर्मा, सतीश गुप्ता तथा अजय पासवान आदि मौजूद रहे।

अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा थाने व ओपी का स्वागत कक्ष

कतरास (ससे) : आइए थाने में आपका स्वागत है। हम आपकी क्या मदद कर सकते हैं। सुनकर थोड़ा अटपटा लगेगा, लेकिन जब अपनी फरियाद लेकर थाने में लोग पहुंचते हैं तो इधरउधर झांकने पर पता चलता है कि कहीं बैठने के स्थान सुरक्षित नहीं किया गया है, जो की पूर्व के थानेदार द्वारा स्वागत कक्ष बनाया गया था, ताकि उस

स्थान में बैठ सके, आवेदन लिख सके। पानी पी सके, गर्मी में पंखे कि हवा ले सके, ठंड में बच सकें, गर्मी में धूप से बच सके।

लेकिन थाने में यदि कोई महिला फरियादी पहुंचती है तो महिला पुलिसकर्मी कुछ इन्हीं शब्दों के साथ उसका स्वागत करते है। दरअसल, डीजीपी के आदेश के बाद थानों में महिला हेल्प डेस्क शुरू की गई है। जिसका इंचार्ज एएसआइ रैंक की महिला पुलिस अधिकारी होते है। इसके अलावा हेड कांस्टेबल समेत तीन अन्य महिला पुलिसकर्मियों का स्टाफ तैनात किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि महिला हेल्प डेस्क थाने में आने वाली महिला फरियादी की शिकायत सुनेंगी। प्रयास किया जाता है कि काउंसिलिग कर उसका समाधान मौके पर ही करा दिया जाए। यदि समाधान नहीं होता तो महिला हेल्प डेस्क की इंचार्ज संबंधित थाना प्रभारी को मुकदमा दर्ज करने के लिए सिफारिश करेंगी। जो कि सूत्रों से जानकारी में आज के समय में आरोपी कर्ता को डरा धमका कर दलालों कि माध्यम से मुद्रा कि बात किया जाता हैं, जो परिवार के बीच खाई बन जा रहा है। इसमें वरीय अधिकारी को संज्ञान लेने की जरूरत है।

जमीन को लेकर ग्राम स्वराज का धरना फिर शुरू

कतरास (ससे) : ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले अंचल कार्यालय बाघमारा में दर्जनों मालिकों ने अपनी जमीन का म्यूटेशन, ऑनलाइन प्रविष्टि, रसीद कटवाने, जमीन विवाद के लिए मापी कर सीमांकन आदि के लिए अनिश्चितकालीन सत्याग्रह धरना प्रदर्शन फिर शुरू कर दिया है। सभी रैयतों ने बाघमारा सीओ को आरटीआई आवेदन देकर अपनी शिकायत पर हुई कार्यवाई की रिपोर्ट मांगी है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जोगीडीह निवासी रैयत कमल महतो ने बताया कि विगत एक दो वर्षों से अपने पुश्तैनी जमीन का ऑनलाइन प्रविष्टि करने और अद्यतन रसीद कटवाने के लिए सीओ कार्यालय का चक्कर काट रहें है। रैयत बाणेश्वर महतो ने बताया की २९ जून से अब तक अर्थात ५ महीना से उसका म्यूटेशन का आवेदन कर्मचारी के आई डी में लंबित है।

धरना को ग्राम स्वराज अभियान के प्रमुख जगत महतो ने संबोधित करते हुए कहा की अंचल कार्यालय में भ्रष्ट्राचार व्याप्त है, जिसके कारण आम रैयत की जमीन संबंधी शिकायत का निवारण अधिकारी नहीं

करते हैं।

धरना में मुख्य रूप से विभिन्न गांव के रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैंलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम महतो आदि अनिश्चितकालीन धरना पर बैठें है।

अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि कतरास मौजा अंतर्गत आकाश किनारी कांटा के समीप उसकी पुश्तैनी जमीन है। जिसका खतियान उसके दादा भोला प्रसाद लाला के नाम पर है। उक्त जमीन पर अशोक चौरसिया नामक भूमाफिया अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य कर रहा है। सरकारी अमीन से २ बार मापी कर सीमांकन करवाने का कोशिश किया लेकिन अशोक चौरसिया के द्वारा बाधा उत्पन्न किया जा रहा है। मामले की शिकायत उपायुक्त धनबाद, वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद, डीएसपी बाघमारा, अंचल अधिकारी बाघमारा, थाना प्रभारी कतरास से भी की गई है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नही की गई है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस कार्यकारिणी समिति गठित

धनबाद (कासं) : नेताजी सुभाष चन्द्र बोस समिति भूली श्याम नगर जो रक्तदान शिविर लगाने के साथ साथ हर महीने के प्रत्येक रविवार को जरूरतमंदों

के बीच भोजन बांटने का काम करती है। संस्था के श्री राकेश कांति विश्वास का कहना है कि संस्था बीते ५ सालों से सामाजिक कार्य करते आ रही है। अब इस समिति को एक प्रारूप तैयार करके सामाजिक सुरक्षा के साथ कार्य करने की तैयारी में जुटी हुई है। संस्था प्रत्येक वर्ष २ बार रक्तदान शिविर एवं पूरे साल हर जरूरतमंदों की सहायता के लिए हर पल तत्पर रहती है। समिति के गठन होने से संस्था को एक नई ऊर्जा के साथ साथ बल प्राप्त होगी। जिससे संस्था किसी भी सामाजिक कार्य मे बढ़ चढ़कर हिस्सा ले सकेगी। नई समिति में राजेन्द्र प्रसाद साव एवं गुरुदेव सिंह को संयोजक, राकेश कांति विश्वास को अध्यक्ष, रमेश यादव एवं मिंटू साव को कार्यकारी अध्यक्ष, रिंकू साव एवं गणेश रवानी को उपाध्यक्ष, दिलबाग सिंह को सचिव, सहायक सचिव में शोमेश साव, दीपक रवानी, सूरज प्रसाद, गोपाल डें, संदीप साव को संयुक्त सचिव, गोपाल बैनर्जी को कोषाध्यक्ष एवं मुन्ना साव को सहायक कोषाध्यक्ष चुना गया हैं। साथ ही विश्वजीत मुखर्जी, सुजल साव, शुभम साव, रिंकल सिंह, प्रदीप बाउरी, सोनू कुमार एवं शिवा कुमार को संस्था के सक्रिय सदस्य मनोनीत किए गए।

साइबर अपराधी ने बैंक खाते से उड़ाए 8 हजार

पुटकी (ससे) : एटीएम में फ्रॉड कर जालसाजी का नया मामला प्रकाश में आया है। मंगलवार शाम को प्रभु महतो चौक पुटकी मोड़ के पास एक प्राइवेट बैंक के एटीएम से एक व्यक्ति से साइबर अपराधियों नें धोखाधड़ी कर ८ हजार निकासी कर लिया। जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति पैसे निकालने के लिए प्रभु महतो चौक पुटकी मोड़ के समीप एटीएम में गया और एटीएम कार्ड डाला। कुछ नहीं बताने पर एटीएम पर लिखे हेल्प लाइन नम्बर पर कॉल किया। हेल्प लाइन द्वारा पूछने पर उस व्यक्ति अपना एटीएम कार्ड नम्बर, सीवी-वी नम्बर, पासवर्ड आदि बता दिया। कुछ समय बाद मोबाइल में ८ हजार रूपये निकासी का मैसेज आया। तब उस व्यक्ति को समझ में आया कि वह ठगी का शिकार हो गया है और एटीएम में लिखा हेल्प लाइन नम्बर, साइबर ठगी वालों ने चिपकाया है। जिसका वह शिकार हो गया। सूचना पाकर पुटकी पुलिस एटीएम के अंदर जाकर जांच की। इसके पश्चात एटीएम का शटर गिरा दिया।

थाना परिसर में जमीन मापी कार्य रोका

बलियापुर (ससे) : बलियापुर थाना परिसर की चारदीवारी निर्माण के मद्देनजर अंचल अधिकारी बलियापुर के निर्देश पर अंचल अमीन अंगद पंडित अपने कार्यालय कर्मियों के साथ मंगलवार को बलियापुर थाना परिसर की जमीन की मापी करने पहुंचे। इस दौरान थाना परिसर के दक्षिण दिशा की मापी करने के बाद जब अंचल अमीन परिसर के उत्तर दिशा की जमीन की मापी करने लगे तो गांव के कई रैयत थाना परिसर की चारदीवारी निर्माण के मद्देनजर अंचल अधिकारी बलियापुर के निर्देश पर अंचल अमीन अंगद पंडित अपने कार्यालय कर्मियों के साथ मंगलवार को बलियापुर थाना परिसर की जमीन की मापी करने पहुंचे।

शांति पुरस्कार के वर्षगांठ पर दलाई लामा की हुई पूजा

धनबाद (कासं) : रेलवे स्टेशन चिल्ड्रन पार्क स्थित न्यू स्टेशन कॉलोनी पुराना बाजार में तिब्बतियन रिफ्यूजी वूलन गारमेंट्स एग्जिबिशन कम सेल में आए हुए तिब्बतियों ने दलाई लामा को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के ३५वें वर्ष पर तिब्बती विधि विधान से दीप प्रज्वलित कर पूजाअर्चना की। शरणार्थी टाशी थुप्तन ने बताया कि हम सारे तिब्बती इस दिन को बहुत हर्षोल्लास से मनाते आ रहे है। हम सभी तिब्बती अपने परम पवन दलाई लामा की दीर्घायु के लिए मनोकामना कर रहे है और विश्व शांति के लिए पूजाअर्चना की जा रही हैं। विगत १९८२ से हम लगातार धनबाद के रेलवे स्टेशन के निकट न्यू स्टेशन चिल्ड्रन पार्क में वूलन गारमेंट्स का मार्केट लगा कर धनबाद वासियों की सेवा करते आ रहे हैं। हर वर्ष १० दिसंबर को दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए पूजाअर्चना करते हैं। कहां की भारत सरकार धनबाद प्रशासन और धनबादवासियों का भरपूर सम्मान और प्यार हमें हमेशा मिला है। जिसका हम सभी तिब्बतियन आभार व्यक्त करते हैं। संस्था के अध्यक्ष लेंडिन शेरिंग ने तिब्बती लोगों के लिए १० दिसम्बर के महत्त्व के संदर्भ में बताया कि विश्व भर में दो कारणों से १० दिसंबर का दिन तिब्बतियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। एक

यह कि १० दिसम्बर १९८९ को उनकी अहिंसा के प्रति प्रतिबद्धता तथा तिब्बत समस्या के समाधान हेतु दूरगामी सुझावों के उपलक्ष्य में परम पावन दलाई लामा जी को नोबेल शान्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तब से लेकर संसार भर में तिब्बती लोग १० दिसम्बर को तिब्बत की खोई हुई स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए तथा तिब्बती संघर्ष के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण दिन के रूप में मना रहे है।

परम पावन दलाई लामा जी को नोबेल शान्ति पुरस्कार दिया जाना अन्तर्राष्ट्रीय सतर पर तिब्बत के स्वतंत्रता संघर्ष को मान्यता देने का प्रतीक है तथा इस बात का संकेत भी है कि अन्तरर्राष्ट्रीय समाज अहिंसा पर आधारित इस संघर्ष की सराहना करता है। तिब्बती लोगों के लिए १० दिसम्बर का महत्व इसलिए भी है कि यह दिन अन्तरर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस है। चीन के अधिकार में तिब्बती लोगों के मूलभूत मानवीय अधिकारों को पुनः वापस दिलाना तिब्बती स्वतंत्रता संघर्ष का एक आधारभूत सिद्धांत है। १९४९ में चीन के तिब्बत पर आक्रमन तथा १९५९ में उस पर पूर्णरूप से कैंजा कर लेने के उपरान्त चीन द्वारा उन सभी मानवाधिकारों का तिब्बत में हनन् हुआ है जो कि संयुक्त राष्ट्र की सार्वभौम मानवाधिकार घोषणा पत्र में निहित है। तिब्बतियों के मानवाधिकारों के हनन के अतिरिक्त चीन द्वारा तिब्बती लोगों की विशिष्ट संस्कृति तथा राष्ट्रीय पहचान को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट करने के लिए नया अभियान शुरू किया गया है। विश्व भर को यह स्मरण कराने के लिए कि चीन द्वारा तिब्बती लोगों के मानवाधिकारों का हनन् किया गया है तथा यह क्रम अब भी जारी है। इसी संदर्भ में संसार भर में तिब्बती लोग इस महत्त्वपूर्ण दिन को याद करते है।

इलाज के दौरान घायल युवक की मौत

पुटकी (ससे) : पुटकीमुनीडीह सड़क पर रविवार रात हुई सड़क हादसे में घायल युवक ने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया। मृतक युवक का नाम विक्की बहादुर (३०) है जो पूर्व में मुनीडीह के डीएम कॉलोनी में रहता था। घटना के दिन विक्की मुनीडीह से रात करीब दस बजे पावर हाउस लोयाबाद अपने घर स्कूटी से अकेले जा रहा था। तभी धोबनी मंगलम के पास पीछे से आ रही एक एक्सयूवी कार से चकमा खाकर सड़क किनारे मुनीडीह ओपी पुलिस के बैरियर (स्टॉप बोर्ड) से जा टकराया।

घटना में विक्की गम्भीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया था। स्थानीय लोगों की मदद से उसे बेहोशी की हालत में बीसीसीएल के मुनीडीह अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्रारंभिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसे धनबाद रेफर कर दिया। वहीं इलाज के क्रम में सोमवार को विक्की की मौत हो गई।

बुधवार व शनिवार को मुफ्त गाइनोकोलॉजी सेवाएं

धनबाद (कासं) : एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल धनबाद ने इस दिसंबर माह में हर बुधवार और शनिवार को मुफ्त गाइनोकोलॉजी ओपीडी शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेषज्ञ सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराना है। हॉस्पिटल की प्रमुख गाइनोकोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि सिन्हा और डॉ. दुर्गा मोदी, जो धनबाद की सबसे प्रसिद्ध और अनुभवी गाइनोकोलॉजिस्ट हैं, इस ओपीडी में मरीजों को मुफ्त परामर्श देंगी। दोनों डाक्टरों ने जटिल और गंभीर मामलों में सफलता प्राप्त की है और उनकी विशेषज्ञता को इलाके में काफी सराहा जाता है।

एसजएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ, डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। गाइनोकोलॉजी के क्षेत्र में डॉ. रश्मि सिन्हा और डॉ. दुर्गा मोदी का अनुभव अद्वितीय है। हम इस पहल से उम्मीद करते हैं कि यह महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें सही समय पर उपचार उपलब्ध कराएगा। यह मुफ्त ओपीडी सेवा दिसंबर २०२४ के हर बुधवार दोपहर १२ से २ और शनिवार को सुबह १० बजे से दोपहर २ बजे तक उपलब्ध होगी।

संपादकीय | जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को क्षमादान

संयुक्त राज्य अमरीका में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान अक्सर विवादास्पद रहा है। फिर भी, राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे हंटर को क्षमादान देने जैसे कुछ निर्णयों ने अन्य की तुलना में अधिक आलोचना की है।क्षमादान का अर्थ है कि हंटर को उसके अपराधों के लिए सजा नहीं दी जाएगी और वह जेल नहीं जाएगा। उसके मामलों को संभालने वाले न्यायाधीश संभवतः बंदूक मामले के लिए 12 दिसंबर और कर मामले के लिए 16 दिसंबर को निर्धारित सजा सुनवाई को रद्द कर देंगे। संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति क्षमादान दे सकते हैं; पिछले राष्ट्रपतियों ने इस शक्ति का उपयोग किया है। परंपरागत रूप से, अमरीकी राष्ट्रपति पद छोड़ते समय क्षमादान देते हैं। हालांकि, जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को 'पूर्ण और बिना शर्त' क्षमादान देने से इस मुद्दे में जटिलता और सार्वजनिक जांच की एक परत जुड़ गई है। यह समझना आवश्यक है कि जो बाइडेन ने ऐसा क्यों किया। वह अपने बेटे को बचाने और सार्वजनिक आलोचना के बीच फंस गए थे। हर कोई जानता है कि वह अपने परिवार के प्रति वफादार हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। उनकी छोटी बेटी और पहली पत्नी की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई, जिसमें उनके बेटे ब्यू और हंटर भी घायल हो गए। हंटर बाइडेन को भी अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। बाइडेन चाहते थे कि ब्यू राष्ट्रपति बनें, लेकिन दुर्भाग्य से 2015 में ब्यू की ब्रेन कैंसर से मृत्यु हो गई। बाइडेन परिवार के संघर्षों पर इस फोकस का उद्देश्य जनता से सहानुभूति पैदा करना है। अमरीकी मीडिया के अनुसार, बाइडेन की पत्नी ने जो को अंतिम निर्णय लेने के लिए राजी किया। बाइडेन की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते हैं। अमरीकी मीडिया भी इसी तरह की मिश्रित प्रतिक्रिया प्रदर्शित करता है। बाइडेन के समर्थक इसे उचित ठहराते हैं, हालांकि उनकी पार्टी के कुछ सहयोगी नाराज हैं। दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है। जॉर्ज वाशिंगटन ने कुछ लोगों को क्षमा करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल किया। 1992 के अंत में, राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने ईरान-कॉन्ट्रा मामले में फंसे 6 लोगों को माफ कर दिया, जिनमें पूर्व रक्षा सचिव वेनबर्गर भी शामिल थे। बिल क्लिंटन, जिन्होंने यह कहने के बावजूद कि वे ऐसा नहीं करेंगे, अपने सौतेले भाई रोजर को पिछले कोकीन के आरोपों के लिए माफ कर दिया। इसी

तरह, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जेरेड कुशनर के पिता को कर चोरी और सहयोगी गवाह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए माफ कर दिया। दोनों ने पहले ही अपनी जेल की सजा काट ली थी। अपने पहले कार्यकाल के उत्तरार्ध के दौरान, ट्रम्प ने गलत काम करने वाले विभिन्न व्यक्तियों को माफी जारी की। राहत महसूस कर रहे हंटर ने एक बयान में कहा, ''मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों के दौरान अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी जिम्मेदारी ली है ऐसी गलतियां जिनका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को राजनीतिक खेल के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और शर्मिंदा करने के लिए किया गया है।'' हंटर बाइडेन के खिलाफ मामला कई सालों तक चला, जिसमें कर अपराधों और बंदूक की बाड़ के आरोप शामिल थे। उन्हें जून में दोषी ठहराया गया और सितंबर में कर चोरी के लिए दोषी ठहराया गया।बाइडेन ने कहा कि हंटर पर 'चुइक्षनदा और अनुचित तरीके से मुकद्दमा चलाया गया' और बताया कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। माफी का तत्काल प्रभाव यह है कि बाइडेन की माफी से डैमोक्रेट के लिए ट्रम्प की आलोचना करना मुश्किल हो जाता है। राष्ट्रपति-चुनाव में ट्रम्प ने 6 जनवरी की घटनाओं के लिए आरोपित लोगों को माफ करने की योजना बनाई है। बाइडेन ने हंटर को माफ न करने की घोषणा करने के बाद अपने मन में जो बदलाव किया, उसके पीछे उनके अपने कारण थे। उनमें से एक उनकी पत्नी थीं, जिन्होंने बाइडेन को ऐसा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि हंटर को सिर्फ इसलिए चुना गया क्योंकि हंटर उनका बेटा था। विश्लेषकों का यह भी दावा है कि इससे अमरीकी लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो सकती है। राष्ट्रपति अक्सर अपने मित्रों और सहयोगियों के लिए अपनी क्षमा शक्तियों का उपयोग करते हैं। एक विवादास्पद मामला पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का था, जिन्हें गेराल्ड फोर्ड ने 8 सितंबर, 1974 को माफ कर दिया था। निक्सन को वाटरगेट कांड के लिए संभावित अभियोजन का सामना करना पड़ा।

सरकारी स्कूलों में मिल रहा जोखिम भरा भोजन

देश के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत विषाक्त या दूषित भोजन खाने से बच्चों के बीमार पड़ने, यहां तक कि मर जाने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। विडंबना है कि इतना संवेदनशील मामला होने के बावजूद किसी घटना से सबक लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि एक घटना के कुछ दिनों बाद वैसा ही दूसरा मामला सामने आता रहता है और फिर संबंधित महकमे की ओर से जांच और कार्रवाई के भरोसे के साथ शांत पड़ जाता है। ताजा घटना महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के सावली तहसील के एक विद्यालय में संदिग्ध विषाक्त भोजन के सेवन के बाद सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को पेट दर्द की शिकायत और उल्टी की वजह से अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गनीमत है कि इलाज के बाद बच्चों की स्थिति स्थिर बताई गई, लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि भोजन में विषाक्तता अगर थोड़ी ज्यादा होती, तो इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के साथ क्या हो सकता था। सवाल है कि देश भर के सरकारी विद्यालयों में बच्चों को कुपोषण की समस्या से बचाने के उद्देश्य से चल रही इस योजना में इस व्यापक खामी को दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं किए जाते। क्या वजह है कि हर कुछ समय के बाद देश के अलग-अलग इलाकों से इस तरह की घटना सामने आती रहती है, जिनमें विद्यालयों में मिले मध्याह्न भोजन से कई बच्चों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है? ऐसे हर मामले के बाद भविष्य में सब कुछ ठीक करने का सरकारी भरोसा जरूर आता है, मगर इसे सुनिश्चित करने की हकीकत यही है कि कुछ समय बाद फिर किसी स्कूल में वैसी ही घटना हो जाती है। यह समझना मुश्किल है कि मध्याह्न भोजन की योजना में इस तरह की गड़बड़ियों के मामलों की अनदेखी या फिर एक दुरुस्त व्यवस्था करने को लेकर लापरवाही क्यों दिखती है! क्या ऐसा इसलिए है कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे आमतौर पर समाज के कमजोर तबकों से होते हैं? यह अफसोसनाक है कि अभाव से जूझते परिवारों के बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के मकसद से लागू इस महत्त्वाकांक्षी योजना में कई स्तर पर मौजूद गड़बड़ियों को दूर करने को लेकर सरकार के भीतर इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है।

आज का कार्टून

भाजपा में मोदी युग के बाद का नेतृत्व तैयार करने में जुटा संघ

संघ अब भारतीय जनता पार्टी में मोदी के आगे के युग की तैयारी में जुट गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भाजपा के सर्वोच्च नेता हैं और जब तक वह प्रधानमंत्री हैं वही सर्वोच्च रहेंगे, लेकिन उनकेक पंक्ति संघ तैयार कर रहा है। इन नेताओं में प्रमुख रूप से गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ही अब नया नाम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणनवीस का भी जुड़ गया है। जहां तक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की भूमिका का सवाल है तो संघ के मुताबिक ये मोदी युग के ही महारथी हैं। संघ को 2029 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद की राजनीति के लिए भाजपा नेतृत्व विकसित करना है। ऐसे में भाजपा अध्यक्ष की भूमिका खासी अहम होगी और जो भी नया अध्यक्ष होगा उसे भी भाजपा की अगली पंक्ति के नेता के रूप में देखा जाएगा और उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह पार्टी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके।संघ वैसी गलती दोहराना नहीं चाहती है जैसी कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार जाने के बाद हुई और पार्टी लाल कृष्ण आडवाणी मुरली मनोहर जोशी जैसे पुराने दिग्गजों के भरोसे ही ही रही और दस साल तक उसे केंद्रीय सत्ता से वंचित रहना पड़ा।

विनोद अग्निहोत्री

पहले हरियाणा में हार को जीत में बदल कर तीसरी बार सरकार बनाने और फिर महाराष्ट्र में आशा के विपरीत एकतरफा तूफानी बहुमत हासिल करके भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए ने लोकसभा चुनावों में मिले खासे झटके के सदमे को नए हौसले में बदल दिया है। हालांकि, इसी दौर में जम्मू कश्मीर और झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन की भी जीत हुई है, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र की जीत के जश्न और शोर में इन दोनों राज्यों में भाजपा की नाकामयाबी की चर्चा दब गई है।

भाजपा की इस जीत का श्रेय यूं तो हर बार की तरह पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति को दे रही है, लेकिन दूसरी तरफ इन दोनों राज्यों की सफलता को भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने हजारों स्वयंसेवकों की मेहनत का नतीजा बताया है। आमतौर पर संघ पर्दे के पीछे रहकर ही काम करता है और चुनावी सफलता का श्रेय संघ कभी सीधे नहीं लेता है, लेकिन पहली बार उसने खुलकर इसका श्रेय अपने स्वयंसेवकों को दिया है। इसके साथ ही संघ अब मोदी युग के बाद भाजपा के नेतृत्व को गढ़ने में जुट गया है।

संघ के इस रुख के कई संकेत हैं। पहला ये कि लोकसभा चुनावों में जब भाजपा के 370 और एनडीए के चार सौ पार के नारे की हवा निकली और भाजपा बमुश्किल 240 सीटें ही जीत पाई और तीसरी बार उसे अपनी सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के समर्थन पर निर्भर होना पड़ा है। तब संघ की तरफ से यह संदेश दिया गया कि ऐसा इसलिए हुआ कि लोकसभा चुनावों में आरएसएस के स्वयंसेवक उदासीन हो गए और संघ ने इन चुनावों को पूरी तरह मोदी शाह और भाजपा के भरोसे छोड़ दिया था।नतीजा ये कि भाजपा को अपने बलबूते बहुमत के आंकड़े के भी लाले पड़ गए।यह एक तरह से चुनावों के बीच में एक अखबार को दिए गए इंटरव्यू में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान कि भाजपा अब अपने पैरों पर खडी हो गई है और उसे अब संघ के सहारे की जरूरत नहीं है,का संघ की तरफ से दिया गया जवाब भी माना जा सकता है।

लोकसभा चुनावों के झटके के बाद भाजपा ने हरियाणा महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों के लिए संघ की तरफ देखा और संघ ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। संघ के हजारों स्वयंसेवक इन राज्यों में फैल गए। बताया जाता है कि अकेले हरियाणा में संघ ने छोटी बड़ी सब मिलाकर करीब बीस हजार बैठकें कीं। यह संख्या महाराष्ट्र में और भी ज्यादा थी। इन विधानसभा चुनावों के पूरे सियासी विमर्श को संघ ने ही गढ़ा। सबसे पहले उत्तर प्रदेश में संघ के चहेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नया नारा दिया बटेंगे तो कटेंगे जो लोकसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा सामाजिक न्याय के नाम पर किए गए जातीय ध्रुवीकरण की काट के तौर पर दिया गया था। योगी के इस नारे पर संघ प्रमुख सर संघ चालक मोहन भागवत ने मुहर लगाई और फिर नारा विधानसभा चुनावों में भाजपा का चुनावी नारा बन गया। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे थोड़ा परिष्कृत करके कहा एक हैं तो सेफ हैं। इन दोनों नारों का संदेश साफ था कि हिंदुओं जातियों में न बंट कर एकजुट होकर भाजपा के लिए मतदान करो। हरियाणा में जहां इस नारे के जरिए जाटों के वर्चस्व के जवाब में गैर जाटों का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण किया गया वहीं महाराष्ट्र में विपक्ष के मुस्लिम और जातीय ध्रुवीकरण के जवाब में यह नारा हिंदू ध्रुवीकरण का मंत्र बन गया। कोशिश झारखंड में भी की गई लेकिन वहां हेमंत सोरेन के आदिवासी ध्रुवीकरण ने बटेंगे तो कटेंगे को बेअसर कर दिया।

इस नारे से बने चुनावी विमर्श और उससे आए महाराष्ट्र के नतीजों ने भाजपा पर संघ की पकड़ को फिर से मजबूत कर दिया है, जो 2019 के बाद धीरे धीरे कमजोर हो चली थी। इसका सबसे बड़ा परीक्षण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के चयन सामने आया जब करीब दो सप्ताह तक चली भारी कशमकश के बाद आखिरकार देवेंद्र फडणनवीस के नाम पर ही पार्टी ने मुहर लगाई। हालांकि, लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में भाजपा को मिली करारी हार से देवेंद्र फडणनवीस के करिश्मे पर भी ग्रहण लग गया था और उन्होंने अपनी जिम्मेदारी लेते हुए उप मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के पेशकश भी की थी, लेकिन उसे नामंजूर करते हुए पार्टी ने उन्हें विधानसभा चुनावों के लिए जुट जाने को कहा और देवेंद्र फडणनवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन की जीत के लिए रणनीति बनाने से लेकर प्रत्याशी चयन,सीटों के बंटवारे और प्रचार अभियान का नेतृत्व करते हुए जी तोड़ मेहनत की और महायुति की महाजीत का श्रेय भी सबसे ज्यादा उन्हें ही मिला। इसलिए जब मुख्यमंत्री के नाम पर अटकलें लगीं तो सबसे ऊपर उनका ही नाम था। इसके बावजूद करीब 13 दिनों तक भाजपा उनके नाम की घोषणा इसलिए नहीं कर सकी, क्योंकि पार्टी में ही एक धड़ा उनका विरोध कर रहा था और फडणनवीस के विरोधियों ने निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तक को भी इसके लिए इस्तेमाल किया कि फडणनवीस का रास्ता रोका जा सके, लेकिन आखिरकार विरोधी नाकाम हुए और संघ के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन ने देवेंद्र फडणनवीस को फिर से महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री पद सौंप दिया।

लोकसभा चुनावों के बाद घटे इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम ने भाजपा की राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को फिर सत्ता के एक निर्णायक केंद्र की भूमिका में ला दिया है। संघ का अगला मिशन भाजपा के संगठन को फिर अपने प्रभाव में लेने का है, जो पिछले कुछ वर्षों में उसके हाथ से काफी हद तक फिसल गया था। इसके लिए अब संघ भाजपा अध्यक्ष पद पर किसी ऐसे नेता को बिठाने की कवायद में है जो संघ निष्ठ होने के साथ साथ पार्टी संगठन को भी संघ के विचारों संस्कारों और कार्यशैली में ढाल सके।

हालांकि, अपनी इस कवायद में संघ अपने परिवार के सबसे लोकप्रिय चेहरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नाराज और अनदेखा नहीं कर सकता है, इसलिए उसकी कोशिश है कि अध्यक्ष पद पर किसी ऐसे नेता के नाम को आगे बढ़ाया जाए जिस पर मोदी को भी कोई खास एतराज न हो, लेकिन साथ ही संघ की कोशिश है कि अध्यक्ष भले ही प्रधानमंत्री के साथ तालमेल बिठाकर चले लेकिन वह पूरी तरह सरकार और उसके सत्ता केंद्रों के आगे नतमस्तक भी नहीं होना चाहिए।

संघ अब भारतीय जनता पार्टी में मोदी के आगे के युग की तैयारी में जुट गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भाजपा के सर्वोच्च नेता हैं और जब तक वह प्रधानमंत्री हैं वही सर्वोच्च रहेंगे, लेकिन उनकेक पंक्ति संघ तैयार कर रहा है। इन नेताओं में प्रमुख रूप से गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ही अब नया नाम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणनवीस का भी जुड़ गया है।

जहां तक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की भूमिका का सवाल है तो संघ के मुताबिक ये मोदी युग के ही महारथी हैं। संघ को 2029 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद की राजनीति के लिए भाजपा नेतृत्व विकसित करना है। ऐसे में भाजपा अध्यक्ष की भूमिका खासी अहम होगी और जो भी नया अध्यक्ष होगा उसे भी भाजपा की अगली पंक्ति के नेता के रूप में देखा जाएगा और उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह पार्टी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सके।संघ वैसी गलती दोहराना नहीं चाहती है जैसी कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार जाने के बाद हुई और पार्टी लाल कृष्ण आडवाणी मुरली मनोहर जोशी जैसे पुराने दिग्गजों के भरोसे ही ही रही और दस साल तक उसे केंद्रीय सत्ता से वंचित रहना पड़ा।

मदद करने पर मिलती है अलग तरह की खुशी...

मदद और ईर्ष्या रहित भावना से मिलने वाली खुशी ही सच्ची खुशी है। हमारे स्वास्थ्य पर इस बात का बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है कि हम अपने रिश्तों से कितने खुश हैं। जितना जरूरी अपने शरीर की देखभाल करना है, उतना ही रिश्तों को संभालना भी है। पैसे या शोहरत से ज्यादा खुशी हमें करीबी रिश्तों से मिलती है। ये रिश्ते हमारी शारीरिक और मानसिक गिरावट को टालने में मदद करते हैं। रिश्ते ही लंबे और खुशहाली खुशहाल जीवन के बेहतर संकेतक हैं। जाहिर है, रिश्ते सुलझे हुए और मददगार लोग ही निभा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने आंकड़ों का अध्ययन और सैकड़ों व्यक्तियों से बातचीत करने के बाद पाया कि समृद्ध जीवन का गहरा संबंध परिवार, दोस्तों और समाज के साथ हमारे मधुर रिश्तों से है। रिश्तों से संतुष्टि मिलने पर कोलेस्ट्राल का स्तर भी सही रहता है।

शिखर चंद जैन

जीना तो है उसी का, जिसने ये राज जाना/ है काम आदमी का, औरों के काम आना।' इस लोकप्रिय गाने में सुखी, स्वस्थ, समृद्ध और सफल जीवन का गहरा राज छिपा हुआ है। हमारे बड़े बुजुर्ग सदा से हमें सामाजिक, मिलनसार, परोपकारी और दरियादिल होने की सलाह देते रहे हैं। वे कहते थे कि समझदार लोगों के दो हाथ होते हैं। एक हाथ अपनी मदद करने के लिए और दूसरा औरों की मदद के लिए। व्यवहार विशेषज्ञ, समाजशास्त्री और आध्यात्मिक गुरु कहते हैं कि मदद करने से सिर्फ दूसरों को ही लाभ नहीं होता, बल्कि यह प्रवृत्ति हमारे लिए भी फायदेमंद होती है। दुनिया की तमाम संस्कृतियां और धर्म-दर्शन तो ये बातें कहते ही रहे हैं, विज्ञान भी इसे मानता है। कहीं लिखा था, हमारी जिंदगी के कई स्तर और तरीके हैं। यहां एक दूसरे से टकराए बिना मिलजुल कर भी जिया जा सकता है। जैसे संगीत की आर्केस्ट्रा में भिन्न-भिन्न साज अलग-अलग सुरों में बजकर एक सुरीला संगीत तैयार करते हैं, वैसे ही इंसान भी कर सकता है। किसी के संघर्ष में खुद का योगदान देकर देखा जा सकता है कि कितनी खुशी और आत्मसंतुष्टि मिलती है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की समाजशास्त्री क्रिस्टीन का मानना है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा के बाद कई लोगों को मदद करने की इच्छा क्यों होती है! इसकी एक वजह यह है कि हमारा विकास समूहों में हुआ है, न कि अकेले। एकजुट होने से हमें अकेलेपन का अहसास कम होता है। जब हमारे जीवन पर खतरा आता है, तो हम अपने आसपास के लोगों से संबंध मजबूत करने लगते हैं। हम उदारता और दया दिखाते हैं, क्योंकि ये भावनाएं हमें एक-दूसरे से जोड़ती हैं।

कई बार किसी के द्वारा मदद या मार्गदर्शन मांगने पर ईर्ष्या के वशीभूत लोग यह सोचते हैं कि मैं जिन कठिन हालात से गुजरा हूं, दूसरों को भी उस चीज का अनुभव होना चाहिए। यह एक आम प्रवृत्ति है। ऐसी छोटी-छोटी ईर्ष्या ने ही हमारे पूरे समाज पर कब्जा कर लिया है। दोस्त या किसी स्वजन के पद, प्रतिष्ठा या संपत्ति में इजाफा होने से कई बार इंसान को ऐसा एहसास होता है जैसे खुद की शांति और खुशी छीन ली गई हो। रिश्तेदार के बच्चे अच्छी डिग्री या नौकरी हासिल कर लें, कार या मकान खरीद लें तो मन बुझ-सा जाता है। जबकि मदद करने और दूसरों की खुशी में खुश रहना मनुष्य के लिए अत्यधिक लाभकारी होता है। मददगार और बड़ा दिल रखने वालों के दिल और दिमाग को सुकून मिलता है, स्वास्थ्य अच्छा रहता है, वे सफल भी होते हैं। मनोवैज्ञानिकों ने इस संबंध में अध्ययन किया तो सामने आया कि मदद करने वाले के दिमाग पर तीन तरह के सकारात्मक असर होते हैं। पहला, दिमाग के दाएं भाग में तनाव पैदा करने वाली गतिविधियों में कमी आती है। दूसरा, दिमाग में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार पाने जैसी भावना आती है और तीसरा, देखभाल करने में सक्षम होने की अनुभूति होती है, जो आत्मविश्वास बढ़ाती है। कुछ शोधों के अनुसार, सहयोग देने से आयु भी बढ़ती है। मृत्यु-दर में कमी आती है। सप्ताह में पांच बार किसी भी तरह की मदद करने से मन-मिजाज बेहतर होता है। वहीं पचास वर्ष पार के लोगों में दूसरों की मदद का भाव उनमें रक्तचाप से जुड़ी समस्याओं की आशंका को चालीस फीसद तक कम कर देता है। अवसाद दूर रहता है। दर्द से उबरने में मदद मिलती है।

मदद और ईर्ष्या रहित भावना से मिलने वाली खुशी ही सच्ची खुशी है। हमारे स्वास्थ्य पर इस बात का बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है कि हम अपने रिश्तों से कितने खुश हैं। जितना जरूरी अपने शरीर की देखभाल करना है, उतना ही रिश्तों को संभालना भी है। पैसे या शोहरत से ज्यादा खुशी हमें करीबी रिश्तों से मिलती है। ये रिश्ते हमारी शारीरिक और मानसिक गिरावट को टालने में मदद करते हैं। रिश्ते ही लंबे और खुशहाली खुशहाल जीवन के बेहतर संकेतक हैं। जाहिर है, रिश्ते सुलझे हुए और मददगार लोग ही निभा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने आंकड़ों का अध्ययन और सैकड़ों व्यक्तियों से बातचीत करने के बाद पाया कि समृद्ध जीवन का गहरा संबंध परिवार, दोस्तों और समाज के साथ हमारे मधुर रिश्तों से है। रिश्तों से संतुष्टि मिलने पर कोलेस्ट्राल का स्तर भी सही रहता है।

दूसरों की मदद या दान करने से संतोष और खुशी का अहसास होता है। यह भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक, तीनों तरह के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। हावर्ड बिजनेस स्कूल ने दो हजार से भी ज्यादा लोगों पर एक अध्ययन किया। इसमें पता चला कि जिन लोगों ने दूसरों को वक्त जरूरत पर पैसे दिए, उनकी मदद की उन्हें अधिक खुशी महसूस हुई। जबकि जिन्होंने खुद पर खर्च किया, उनकी संतुष्टि का स्तर वैसा नहीं रहा। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, आर्थिक मदद देने, दान देने या किसी भी प्रकार की मदद देने से दीर्घकाल तक खुशी मिलती है। जो लोग नियमित सेवा कार्य करते हैं, लोगों की मदद करते हैं वे खुद को समाज का महत्त्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं, जिससे उनके आत्मसम्मान में भी बढ़ोतरी होती है। यों भी, यह देखा गया है कि जो लोग दान करते हैं, उन्हें अवसाद बहुत कम परेशान करता है। इससे सामाजिक संबंध भी मजबूत होते हैं और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आता है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ की ओर से किए गए शोध में पाया गया कि जब लोग दूसरों की मदद करते हैं तो उनके मस्तिष्क में 'रिवार्ड सिस्टम' सक्रिय हो जाता है, जिससे वे ज्यादा सकारात्मक महसूस करते हैं। जब हम मुसीबत में दूसरों की मदद करते हैं, उनके लिए किनारे हटकर रास्ते छोड़ते हैं या उन्हें सुगम मार्ग देते हैं, तो हम एक अच्छा लचीला सद्भावनापूर्ण समाज तैयार कर रहे होते हैं। यह भी एक बहुत बड़ा और संतुष्टि देने वाला कार्य है।

डीडीसी ने की कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग कार्यो की समीक्षा

बोकारो (ससे): उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद द्वारा सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी एवं जॉइंट वर्किंग कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें उन्होंने निदेश दिया कि कम्प्यूट्राईजेशन ऑफ पैक्स अन्तर्गत सभी चयनित पैक्सों में सी.एस.सी. आई.डी. प्रदान करने, सभी भवन रहित पैक्सों को नजदिकी पंचायत भवन / सामुदायिक भवन/अन्य खाली सरकारी पड़े भवन में एक कमरा आवंटित करने का प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया। साथ ही सभी पंचायतों में मत्स्यजीवी सहयोग समिति एवं दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का निबंधन करना अनिवार्य है।

उन्होंने आगे सभी अंचलाधिकारी को पैक्सों के भवन निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध कराने का निदेश दिया। वहीं कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में समेकित बिरसा ग्राम योजना -सह-कृषक पाठशाला योजना अन्तर्गत सूचीबद्ध एजेंसी, आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के कार्यों एवं भुगतान की समीक्षा की गई। इस दौरान निदेश दिया कि सभी संबंधित विभाग इनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन की जाँच करेंगे एवं अगली बैठक में तत्संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। साथ ही कृषक पाठशाला जरीडीह के डीपीआर का अनुमोदन संबंधित समीक्षा भी की गई, जिसमें उन्होंने निर्देश दिया कि अगली बैठक में कमिटी के माध्यम से इनका प्रतिवेदन प्राप्त करते हुए इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उप विकास आयुक्त श्री गिरजा शंकर प्रसाद ने भूमि संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई एवं इसका अनुमोदन भी किया गया।

बैठक के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, जिला मत्स्य पदाधिकारी परीशेट्टी भार्गवी, जिला पशुपालन पदाधिकारी श्री, जिला गव्य विकास पदाधिकारी त्रिदेव, डी०डी० एम०, नाबार्ड श्री सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, बेरमो अंचल, तेनुघाट एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही कृषक पाठशाला एवं आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

संभल हिंसा के बाद पुलिस लगातार दे रही दबिश

संभल(ईएमएस): यूपी के संभल में २४ नवंबर को हुई हिंसा की घटना में शामिल उपद्रवियों की तलाश में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई और एडिशनल एसपी के साथ पुलिस की तीन अलग-अलग टीमों ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास के आसपास के इलाके में हिस्ट्रीशीटर बदमाशों के घर समेत कुल १३ घरों में दबिश दी है। पुलिस के इस एक्शन से इलाके में हड़कंप मच गया।

इस दौरान २ हिस्ट्रीशीटर बदमाश मुल्ला अशद और मुल्ला आसिम के घर में भी दबिश दी गई। जहां मुल्ला अशद के घर में दबिश के दौरान स्मैक की ९३ पुड़िया बरामद हुई। इसके अलावा दो अलग-अलग घरों में दबिश के दौरान ३१५ बोर के दो तमंचे और जिंदा कारतूस बरामद हुए।

बीएसएल में वित्त व वाणिज्यिक क्विज का आयोजन

बोकारो (ससे): सेल -बीएसएल अधिकारियों को लागत, वित्तीय विवरण, कॉर्पोरेट वित्त, बजट तथा वाणिज्यिक संबंधित समसामयिक विषय से अवगत कराने के उद्देश्य से आज दिनाँक १० दिसंबर को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - २०२४ कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य महा प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री सुजय कुमार मुख्य अतिथि रहे.

वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - २०२४ में सेल - बीएसएल के विभिन्न विभागों से कुल १८ टीमें शामिल हुई. ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की महाप्रबंधक सुश्री नीता बा एवं सहायक महा प्रबंधक श्री अमित आनंद के मार्गदर्शन में क्विज मास्टर के रूप में वित्त एवं लेखा प्रभाग के उप महाप्रबंधक श्री अनुराग सिंघल तथा उप प्रबंधक श्री निशांत कुमार ने अहम् योगदान किया. वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - २०२४ में स्टील रिफ्रैक्टरी यूनिट के वरीय प्रबंधक श्री अमरेंद्र कुमार तथा श्री अभिमन्यु कुमार की टीम को प्रथम तथा स्टील रिफ्रैक्टरी यूनिट से ही सहायक महाप्रबंधक श्री काशीनाथ गोराई एवं वरीय प्रबंधक श्री विपिन कुमार की टीम को द्वितीय स्थान एवं बीएसएल के सिंटर प्लांट के वरीय प्रबंधक श्री खख सी सी एस के वरीय प्रबंधक श्री रवि शंकर की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ.

मुख्य अतिथि श्री सुजय कुमार ने ऐसे कार्यक्रमों को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के क्विज कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही. वित्त एवं वाणिज्यिक क्विज - २०२४ को सफल बनाने में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के श्री ऋषिकेश रंजन, श्री संजीव कुमार सिंह तथा श्री एस सी मुर्मू का अहम् योगदान रहा.

सब जूनियर कराटे प्रतियोगिता में मिली सफलता

डुमरी (ससे): गणपत राय इंडोर स्टेडियम मेगा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स खेलगांव रांची में ७ एवं ८ दिसंबर को आयोजित राज्य स्तरीय सब जुनियर कराटे प्रतियोगिता में अंडर ३० केजी ग्रूप में डुमरी आइबीपी निवासी रंजीत कुमार विश्वकर्मा एवं उषा देवी का ०८ वर्षीय पुत्र अर्पण राज आदित्या ने तीसरे स्थान हासिल किया।अर्पण राज अभी कैम्ब्रिज अकेडमी गांधी नगर डुमरी में कक्षा ०४ में अध्ययनरत है।पढ़ाई के साथ साथ इन्होंने कराटे का भी प्रशिक्षण अपने विद्यालय में ही लिया।अर्पण राज इसके पूर्व गिरिडीह जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किये थे और गोल्ड मेडल से नवाजा गया था।और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरे स्थान प्राप्त किया जहां ब्रॉज मेडल व प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया।

अर्पण राज को इस मुकाम तक पहुंचाने में कोच ममता कुमारी एवं इंद्र कुमार रिषि विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का अहम योगदान रहा।सफलता पर सामाजिक कार्यकर्ता धानेश्वर महतो,शिवेश भगत उर्फ नाजू भगत,गंगाधर महतो,शिवकुमार जायसवाल,देवेश कुमार देव, गुड्डु मलिक, संतोष शर्मा,राजू शर्मा,महेन्द्र मंडल, जगरनाथ ठाकुर आदि ने बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कोर्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में सिमेटिक एस-०७-१५०० कोर्स पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक १०-१४ दिसम्बर तक के लिए सीमेंस के विशेषज्ञ और अनुभवी फ़ैकल्टी ए वी संतोष राव के सहयोग से किया जा रहा है. कार्यक्रम में बीएसएल के विभिन्न विभागों से लगभग १५ प्रशिक्षणार्थी शामिल हो रहे हैं. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के महाप्रबन्धक डी आर टोप्पो एवं एस के मगत उपस्थित थे.

सर्वप्रथम एस के डी भौमिक, कनीय प्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी.

उन्होंने सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम को अन्त: क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया.कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) एस के डी भौमिक ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव राकेश कुमार, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा इंस्ट्रक्टर अर्जुन प्रसाद बाउरी का योगदान सराहनीय रहा.

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक

कोडरमा (ससे): कोडरमा समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुआ। बैठक में विभिन्न विभागों, प्रखंड/अंचल, स्वास्थ्य विभाग व आमजनों से प्राप्त योजना के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित करना, लाइब्रेरी निर्माण, विद्यालय में बाउंड्री वॉल निर्माण, स्ट्रीट लाइट लगाने, चेक नाका पर शेड निर्माण, पीसीसी सड़क निर्माण, नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था हेतु डीप बोरिंग करने, सड़क निर्माण और मरम्मती, सांस्कृतिक भवन का जीर्णोद्धार, दीदी किचन, ओपन जिम व पार्क, शेड निर्माण समेत अन्य योजनाओं के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया।

उपायुक्त महोदया के द्वारा की योजनाओं पर स्वीकृति प्रदान किया गया। उपायुक्त ने कहा कि आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए योजना का चयन करें। मुख्य चौक चौराहों के विकास एवं सौंदर्यकरण करने को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिये।उपस्थिति बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार,जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजूर, जिला सहकारिता पदाधिकारी रूमा झा कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग व अन्य मौजूद रहे।

सास,ससुर,पति व देवर पर हत्या का आरोप

कोडरमा (ससे): कोडरमा सतगावां थाना क्षेत्र के ग्राम चाँदडीह में मंगलवार की सुबह में एक २५ वर्षीय विवाहिता की रहस्यमय मौत हो जाने का मामला सामने आया है।घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी विजय गुप्ता दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुँच कर पूरी घटना की जानकारी ली।

वहीं पुलिस ने शव को अपने कब्जे लेकर थाना लाया गया। जहाँ से पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया गया।वहीं घटना को लेकर मृतका के पिता गावां थाना क्षेत्र अंतर्गत पिहरा बाजार निवासी राजकुमार गुप्ता ने थाने में आवेदन देकर सास ललीता देवी,ससुर कौलेश्वर साव ,पति शंकर साव व देवर छोटन साव पर रहस्यमय तरीके से हत्या करने आरोप लगाया है।आवेदन में उन्होंने कहा कि अपनी पुत्री प्रियंका कुमारी का विवाह चाँदडीह निवासी कौलेश्वर साव के पुत्र शंकर साव के साथ वर्ष २०१९ में हिन्दू रीति रिवाज के साथ हुई थी।शादी के बाद बाकी रहे दहेज की रकम की मांग की गयी। जिसे हम देने में असमर्थ थे।इसी को लेकर मेरी पुत्री को मानसिक तनाव के साथ साथ मारपीट कर असहनीय पीड़ा परिजनों के द्वारा दिया जाने लगा।मामले को लेकर मौखिक रूप से कई बार समझौता किया गया। समझौता के तीन महीने में बाद मेरी पुत्री की रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गयी।आवेदन में मृतका के पिता ने डेढ़ वर्षीय नाती सिदार्थ कुमार व ननती श्रिष्टि कुमारी की रहस्यमय तरीके से हत्या की आशंका जताई है। वहीं घटना को लेकर मृतका की ४ वर्षीय पुत्री से पूछे जाने पर दादी व पिता के द्वारा डंडा से मां को मारने की बात कही। पुलिस घटना की हर पहलुओं पर गहन जांच में जुटी है।

सघन जांच अभियान, 3 वाहन जब्त

बोकारो (ससे): उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न स्थानों पर खनिज लदे वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया गया, जिसमें कई वाहनों की जांच की गई, जिसमें चंद्रपुरा थाना अंतर्गत झरनाडीह के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का परिवहन करते हुए ०२ ट्रैक्टर एवं स्टेट बैंक, शांति चौक के समीप ०१ हाईवा को पकड़ा गया, जिसे विधिवत जप्त कर चंद्रपुरा थाना को सुपुर्द किया गया।

चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

बोकारो (ससे) : उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने दिनांक १० दिसंबर २०२४ दिन मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग* अंतर्गत बाल संरक्षण इकाई में संविदा के आधार पर चयनित *आंकड़ा विश्लेषक, सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीसीपीयू), सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (जेजेबी), आउटरेज वर्कर (डीसीपीयू) आदि पद पर ०५ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देते हुए उनके बेहतर काम की अपील की ताकि बोकारो जिला अग्रणी जिलों में समकक्ष पहुंच सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने सभी युवक एवं युवतियां को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का झारखंड कॉलेज में कार्यशाला

डुमरी (ससे): झारखंड कॉलेज में मंगलवार को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रो.डॉ जोशुआ एन होर्न का आगमन हुआ।उन्होने एक कार्यशाला के माध्यम से कॉलेज के छात्र छात्राओं को कैसे पर्सनैलिटी में सुधार लाकर हम प्रतियोगिता पास कर सकते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को बोलने की शैली,तार्किक क्षमता आदि में सुधार लाने का गुर बताया।साथ ही कॉलेज के साथ भविष्य में भी ऐसे ऑनलाइन कार्यक्रम करने पर उन्होंने सहमति दी।

पूरे कार्यक्रम के सूत्रधार आइक्यूएसी समन्वयक डॉ सुजीत माथुर थे।इसके पूर्व डॉ जोशुआ एन होर्न के कॉलेज पहुंचने पर उन्हें बुके देकर स्वागत किया गया। मौके पर कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर प्रमोद कुमार सिन्हा डॉ मुनिलाल ठाकुर, प्रो बद्री नारायण, प्रो मनोज सिंह, प्रो तालेश्वर नायक, प्रो.आरके सिंह, प्रो शंकर ठाकुर, प्रो उमाशंकर राय,प्रो राजेश प्रसाद,कैलाश चौधरी, रवि सिन्हा आदि उपस्थित थे।

चास नगर निगम के सभी कार्य के लिए टीम गठित

बोकारो (ससे) : चास नगर निगम सभागार में सहायक नगर आयुक्त जयपाल सिंह, सुश्री प्रियंका कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। मौके पर नगर प्रबंधक,सिटी मिशन मैनेजर, सहायक अभियंता , एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे। इस बैठक में चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत ३५ वार्डों में साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचड़ा का उठाव से संबंधित चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों

के बीच वार्डो का बँटवारा किया गया एवं सभी को निर्देश दिया गया कि प्रतिदिन कम से कम ५० घरों में डोर-टू-डोर कचड़ा का उठाव से संबंधित सर्वेक्षण/ फीडबैक फार्म भरकर कार्यालय में जमा करेंगे, जिसमें शहरी सुविधाओं से लेकर सभी कर्मी के द्वारा सफाई / जलापूर्ति/अवैध निर्माण/ होल्डिंग टैक्स/ ट्रेड लाइसेंस/ यूजर चार्ज/संपूर्ण वार्डों में साफ-सफाई की व्यवस्था/ की जानकारी लिखित रूप में देना है एवं प्रत्येक दिन डोर टू डोर किए गए विजिट का रिपोर्ट नगर निगम में प्रस्तुत करना हैं सभी के द्वारा दिया गया रिपोर्ट पर अपर नगर आयुक्त के द्वारा प्रत्येक सप्ताह रिव्यू किया जाएगा ताकि शहर में साफ सफाई की व्यवस्था सुचारू रूप से हो। साथ ही उन्होंने शहर में अवैध जलापूर्ति कनेक्शन को बंद कराने हेतु गठित धावा टीम को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया ।

मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी प्रशिक्षण

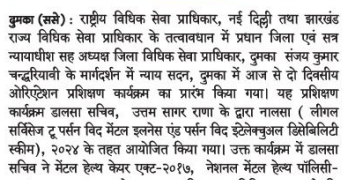

दुमका (ससे) : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली तथा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका संजय कुमार चन्द्रियावी के मार्गदर्शन में न्याय सदन, दुमका में आज से दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डालसा सचिव, उत्तम सागर राणा के द्वारा नालसा (लीगल सर्विसेज टू पर्सन विद मेंटल इलनेस एंड पर्सन विद इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी स्कीम), २०२४ के तहत आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में डालसा सचिव ने मेंटल हेल्थ केयर एक्ट-२०१७, नेशनल मेंटल हेल्थ पॉलिसी-२०१४ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना है कि मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाओं को प्राथमिकता देना है और वह सुलभ और प्रभावी होनी चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवानिवृत न्यायिक पदाधिकारी, सियाराम सिंह, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, सिकंदर मंडल, सरोज गोंन के अलावा पैनल अधिवक्ता तथा अधिकार मित्र उपस्थित थे। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रशिक्षण दिया।

सीट शेयरिंग पर राजद को कांग्रेस का दो टूक जवाब

पटना (एजेंसी): बिहार में विधानसभा चुनाव अगले साल होना है, लेकिन सीट शेयरिंग को लेकर इंडिया ब्लॉक में अभी से घमासान देखने को मिल रहा है. विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि बिहार प्रदेश में महागठबंधन के अंदर कोई बड़ा या छोटा भाई नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि सीट शेयरिंग लोकसभा चुनाव में स्ट्राइक रेट के आधार पर होगा. कांग्रेस नेता ने ये बातें खगड़िया में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहीं.कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा आप सभी को स्पष्ट करना चाहूंगा कि बिहार के गठबंधन में कोई बड़ा भाई-छोटा भाई या पतला भाई और टेढ़ा भाई नहीं है. बिहार कांग्रेस के प्रभारी ने कार्यकर्ताओ को कहा की विपक्षी पार्टियों का गठबंधन विचारधारा के आधार पर बना है.

क्रेशर में पर्यावरण से लेकर सभी नियमों की उड़ायी जा रही धज्जी

दुमका (ससे): दुमका रामपुरहाट राष्ट्रीय उच्च पथ के किनारे महज १०० फीट की दूरी पर बगैर सी टी ओका शिकारीपाड़ा अंचल कार्यालय से महज ७ किलोमीटर पूरब दलदली मौजा में एक अनूठा क्रेशर चल रहा है क्रेशर चल रहा है जिसमें जिसमें केवल जीएस बी का उत्पादन किया जाता है।

इस क्रेशर में पर्यावरण से लेकर सभी नियमों का धज्जी उड़ाया जा रहा है। इस क्रेशर में केवल लाल पत्थर से जीएसबी तैयार किया जाता है। क्रेशर मालिक रानीश्वर थाना क्षेत्र के आसान बने गांव के रहने वाले हैं उनसे संपर्क

करने पर उन्होंने बताया कि सी टी ओके लिए चार महापूर्व आवेदन किया था लेकिन सड़क से नजदीक अवस्थित होने के कारण मेरा आवेदन खारिज कर दिया गया अब मैं जिस जगह पर क्रेशर संचालित है उससे काफी ऊपर ले जाकर स्थापित करूंगा और वहीं पर चलाऊंगा। लेकिन वर्तमान समय में भी यह प्रेशर संचालित है जिसका अवलोकन राजस्व कर्मचारी से लेकर अंचल अधिकारी तक कर चुके हैं या तो उनकी अनदेखी कहीं जाए या उनकी संगीता से यह कार्य चल रहा है।

इस संबंध में जानकारी के लिए अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। जबकि जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने कहा कि इसकी मुझे जानकारी नहीं थी जांच किया जाएगा अगर सही पाया गया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

लालू व तेजस्वी के पैंतरे के बाद राहुल अब पड़ गए अलग थलग

पटना (एजेंसी): समय समय की बात है. कभी गांधी परिवार और खासतौर से राहुल गांधी को अपने हाथों से मटन खिलाते लालू प्रसाद खुद को गौरवशाली समझ रहे थे, भारत जोड़ो यात्रा पर बिहार से गुजरे राहुल गांधी के ड्राइवर बनकर तेजस्वी यादव खुद को सारथी समझ बैठे थे,

आज बुरे समय में राहुल गांधी अकेले पड़ते दिखाई दे रहे हैं. एक एक कर सहयोगियों ने किनारा करना शुरू कर दिया है. इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व के बहाने एक तरह से गांधी परिवार खासतौर से राहुल गांधी पर सहयोगी दलों का वार थोड़ा तेज होता दिख रहा है. समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शरद पवार वाली एनसीपी के बाद अब राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने देने के लिए हामी भर दी है.

लालू प्रसाद यादव का यूटर्न कांग्रेस और खासतौर से गांधी परिवार के लिए बड़ा झटका है. जो कांग्रेस लालू प्रसाद यादव की राय के बिना अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त नहीं करती, कोई प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाती, पार्टी में शामिल हुए लोगों को निकाल बाहर करती है, उस कांग्रेस को लालू प्रसाद यादव ने एक तरह से औकात दिखा दी है. खुद लालू प्रसाद यादव पहले अपने हाथों से मटन बनाकर राहुल गांधी को खिला चुके हैं.

भारत जोड़ो यात्रा पर जब राहुल गांधी बिहार से गुजरे थे और तेजस्वी यादव उसमें शामिल हुए थे, तब वे ड्राइवर की भूमिका में थे. आज राहुल गांधी अलग थलग पड़ गए हैं. जबकि कांग्रेस दावा कर रही थी कि २०२४ के लोकसभा चुनाव में वे मजबूत बनकर उभरे हैं और भाजपा को २४० सीटों पर रोकने के लिए धुरी बनकर खड़े रहे.

कांग्रेस के दावों के उलट २०२४ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दावों का बुलबुला अब फूटता नजर आ रहा है. यह सही है कि इंडिया ब्लॉक चुनाव में मोदी सरकार और भाजपा को चुनौती देता नजर आया पर लोकसभा में एनडीए के सीटों की संख्या अब भी ३०० के आसपास हैं और मोदी सरकार उतनी निर्भीक होकर चल रही है, जैसे कि २०२४ से पहले चल रही थी. इसका मतलब यह हुआ कि लोकसभा में कुछ सीटें कम होने से मोदी सरकार की रफ्तार पर कोई असर नहीं पड़ा. जबकि कांग्रेस चुनाव के बाद पीएम मोदी को हारा हुआ बता रही थी. वह खुद की ९९ सीटों को भाजपा के २४० सीटों से ज्यादा मानकर चल रही थी. मीडिया में कांग्रेस प्रवक्ता ऐसे बात कर रहे थे, जैसे कांग्रेस ने कोई बड़ी जंग जीत ली है.

लेकिन जैसे ही कांग्रेस हरियाणा और महाराष्ट्र हारी है, कांग्रेस के खुद का बनाया बुलबुला भी फूट गया और उसके दावों की धज्जियां भी उड़ गईं. उल्टे अब इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व छिनने की नौबत आन पड़ी हैं. तृणमूल कांग्रेस की ओर से सबसे पहले इसकी आवाज उठी और उसके बाद समाजवादी पार्टी, एनसीपी शरद पवार गुट, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और अरविंद केजरीवाल की पार्टी आदि ने इसका समर्थन कर दिया. रही सही कसर लालू प्रसाद यादव ने पूरा कर दिया,

जब उन्होंने भी ममता बनर्जी के पक्ष में आवाज बुलंद कर दी. कांग्रेस इसे सहयोगी दलों के नेताओं की अपनी निजी राय बताकर इसकी गंभीरता को कम करना चाहती है पर लगता है वह अब ऐसा कर ही नहीं पाएगी. अब कांग्रेस के सामने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व छोड़ने के सिवा कोई रास्ता बचा ही नहीं है.

केंटर ने मारी मैजिक को टक्कर, 7 लोगों की मौत

हाथरस (ईएमएस) : यूपी के हाथरस जिले के मथुरा-बरेली राजमार्ग पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। गांव जैतपुर के निकट केंटर व मैजिक की भिडंत साढे. तीन माह के बच्चे सहित सात की मौत हो गई।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोडर व अन्य वाहनों की मदद से घायलों को उपचार के लिए बागला जिला अस्पताल पहुंचाया। इधर, लोडर वाहनों व एंबुलेंस से मृतकों के शवों को लाया गया।

जानकारी के मुताबिक सवारी मैजिक वाहन में क्षमता से अधिक सवारियां भरी हुई थीं। सवारी मैजिक में करीब २१ लोग बैठे हुए थे। यह मैजिक हाथरस से सिकंदराराऊ की ओर जा रही थी। वहीं केंटर सिकंदराराऊ से हाथरस की ओर आ रहा था। आमने सामने की भिड़त में दोनों वाहन पलट गए।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।
(जिला परिवहन शाखा :– डी०एम०एफ०टी० कोषांग)

–:: Very Short Request for Proposal ::–

बोकारो जिला अन्तर्गत Supply of learning Kits in Multiple Government Anganwadi & Primary Schools in Bokaro District, Jharkhand से संबंधित Request for Proposal इच्छुक प्रतिष्ठित फार्म/संस्थान से दर आमंत्रित किया जाता है।

इच्छुक संस्थान दिनांक–19.12.2024 के अप0 1:00 बजे तक डी०एम०एफ०टी० कोषांग, बोकारो (समाहरणालय, बोकारो) में Request for Proposal जमा कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत विवरणी बोकारो जिला के वेबसाईट http:/bokaro.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला परिवहन पदाधिकारी
–सह–
प्रभारी पदाधिकारी,
डी0एम0एफ0टी0, बोकारो।

PR 341645 (District) 24-25 (D)

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार,
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडाभवन, बालीडीह, बोकारोस्टील सिटी–827014.
Gmail : mdbiadabokaro@gmail.com

पत्रांक– 572 दिनांक– 09.12.2024

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैकि सर्वश्री जगदम्बा टायर रिटेडिग कं0 प्लॉट नं0– II/C-1 –ii/C-3 रकवा–0.50 एकड सिन्द्री औद्योगिक क्षेत्र, डोमगढ, धनबाद के साझेदार श्री धनजय कुमार, संजय सिंह, सुरेन्द्र कुमार सिंह एंव मुकेश कुमार सिंह द्वारा प्राप्त पत्र के आलोक में सूचित किया है कि अपने अन्य व्यवसाय में व्यस्त रहने के कारण इकाई को सुचारू रूप से चलाने में समय नहीं दे पा रहे है । इकाई को सुचारू रूप से चलाने हेतु सर्वश्री केमेस्टिक सोलूशन्स प्रा0 लि0 के निदेशक श्री अंसुल कुमार एंव श्री मनु बोध पिता डा0 जगदीश के पक्ष में किया जाना है । इकाई का नाम सर्वश्री जगदम्बा टायर रिटेडिग कं0 से सर्वश्री केमेस्टिक सोलूशन्स प्रा0 लि0 के नाम से निदेशक परिवर्तन किया जाना है ।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई अपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें, अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेत्तर कार्रवाई किया जाएगा।

ह0/–
क्षेत्रीय निदेशक जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र।

PR.NO.341638 Industries(24-25):D

Government of Jharkhand, Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

Very Short Notice Inviting Tender

Reference No. - CMC/EOI-09/2024-25

Group No.	Name of work	Completion period
01	Hiring an agency to provide services for complete inspection and testing of 1.6 MVA 33/11 KV Transformer (02 Nos.).	07 Days.
A	प्रकाशन की तिथि	10/12/2024
B	आवेदन प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं समय	17/12/2024 up to 02:00 PM
C	आवेदन आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.
E	आवेदन आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का सं0	6206457301

NOTE :
- The hired agency after complete inspection and testing work should provide the inspection report and details of the repair works required to make both transformers operational.
- Inspection report should be given within two working days

प्रशासक
–सह–अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम।

PR 341622 (Urban Development) 24-25 (D)

कार्यालय, बड़की सरैया नगर पंचायत,(गिरिडीह)
Email – eo.badakasarai@gmail.com

अति अल्पकालीन बन्दोबस्ती निविदा सूचना संख्या–10/2024–25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 (01.01.2025 से 31.03.2025), वर्ष 2025–26 (01.04.2025 से 31.03.2026) एवं वर्ष 2026–27 (01.04.2026 से 31.03.2027) तक के लिए बड़की सरैया नगर पंचायत क्षेत्र में प्रवेश करने वाले वाहनों की बन्दोबस्ती हेतु आम डाक की निम्नवत् तिथि निर्धारित की जाती हैः–

क्र०सं०	सैरात का नाम	डाक का स्थान	डाक की तिथि एवं समय	न्युनतम डाक की राशि	जमानत की राशि
01	प्रवेश शुल्क	बड़की सरैया नगर पंचायत कार्यालय।	18.12.2024 अपराहन् 2:00 बजे	79,38,000.00	7,93,800.00

नोट–बन्दोबस्ती में भाग लेने हेतु कार्यालय में आवेदन पत्र दिनांक–11.12.2024 से 17.12.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक प्राप्त किया जायेगा। बन्दोबस्ती के नियम एवं शर्ते की विस्तृत जानकारी बड़की सरैया नगर पंचायत कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

ह०/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
बड़की सरैया नगर पंचायत

PR 341603 Urban Development and Housing(24-25).D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
जिला गव्य विकास कार्यालय, बोकारो

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

"इच्छा की अभिव्यक्ति"

बोकारो जिला अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रो के इच्छुक व्यक्तिगत लघु उधमी/युवा शिक्षित बेराजेगार/स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालकों को वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2025–26 की अवधि में सरकारी अनुदान –सह–बैंक ऋण/ लाभुक अंशदान (सामान्य जाति के लिए 25% अनुदान तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए 33.33% अनुदान) पर दुधारू मवेशी वित्त पोशण की दो चरणों में कार्यान्वित किये जाने वाले कामधेनु डेयरी फार्मिग योजना के लिए आवेदन पत्र प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों तक आमंत्रित किये जाते है। जिले में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्यक्षेत्र में चिन्हित दुग्ध पथो के इर्द गिर्द इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर कियान्वित किया जायेगा।

आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, बोकारो से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते है भरे हुये फोटोयुक्त आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक खाता एवं भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र (SC/ST के लिए) संलग्न करना अनिवार्य होगा।

विभिन्न योजना का विवरणी निम्नवत् हैः–

क्र0	योजना का नाम	परियोजना लागत	अनुदान प्रतिशत	बैंक ऋण	लाभुक की अहरतायें
1	50 गायों/भैंसो की कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना	3976250/– रूपये।	25% सामान्य जाति 33.33% अनुसूचित जाति एवं जनजाति	75% सामान्य जाति 66.67% अनुसूचित जाति एवं जनजाति	इच्छुक व्यक्तिगत लघु उधमी/युवा शिक्षित बेराजेगार/स्वयं सहायता समूह के सदस्य/प्रगतिशील पशुपालकों

नोटः– विशेष जानकारी के लिए कार्य दिवस में जिला गव्य विकास कार्यालय, बोकारो में स्वयं आकर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
बोकारो

PR 341629 (Animal Husbandry)24-25*D

झारखण्ड सरकार
वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल।

अल्पकालिन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल के अन्तर्गत अंतिम रूप से अधिहरित (CONFISCATED) वाहनो की जहाँ हैं, जिस स्थिति में है, के आधार पर बिक्री हेतु मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक–23.12.2024 को 10.30 बजे पूर्वा0 से 3.00 बजे अप0 तक प्राप्त की जायगी। निविदा उसी दिन प्रमण्डलीय कार्यालय में निविदा–दाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष 3.30 बजे अप0 में खोली जायगी। निविदा–दाताओं को प्रत्येक वाहन के लिए 5000/–(पाँच हजार) रूपये मात्र अग्रधन की राशि अलग–अलग वाहन के लिए अलग–अलग मुहरबन्द लिफाफे में निविदा के साथ बैंक ड्राफ्ट जो भारतीय स्टेट बैंक, गिरिडीह शाखा में भुगतेय हो, Divisional Forest Officer, Giridih East Forest Division के पदनाम से जमा करना होगा। निविदा में उच्चतम डाक वाले निविदा–दाताओं को स्वीकृत राशि की 20% जमानत की राशि तत्काल जमा करना होगा। सफल निविदा–दाताओं को नियमानुसार पूरी राशि 18% GST सहित 21 दिनों के अन्दर जमा करना होगा। निविदा के अन्य शर्त कार्यालय, वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल के सूचना–पट्ट एवं गिरिडीह जिला के वेवसाईट तथा वन विभागीय वेवसाईट पर देखा जा सकता है।

वाहनों की सूची जिसके लिए निविदा आमंत्रित है :–

क0	अधिहरण वाद संख्या	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन संख्या	वर्त्तमान में जहाँ वाहन उपलब्ध है
1	2	3	4	5
1	05/13	टेम्पु	JH-11C-9599	गिरिडीह प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
2	05/12	टाटा मैजिक	JH-11E-5773	प्रमण्डलीय कार्यालय परिसर
3	26/18	मोटर–साइकिल	BR-20C-2768	डुमरी प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
4	13/19	टाटा 407 ट्रक	JH-11C-0307	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
5	25/19	टेम्पु	JH-17J-1440	प्रमण्डलीय कार्यालय परिसर
6	22/21	टेम्पु	Eng.No. R7E0401532	खुरचुट्टा प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
7	18/20	ट्रक	JH-10S-5550	प्रमण्डलीय कार्यालय परिसर
8	55/19	टेम्पु	JH-11Q-6655	प्रमण्डलीय कार्यालय परिसर
9	01/17	ट्रैक्टर ड्रील मशीन सहित	HMT-3522	गावां थाना परिसर
10	45/19	ट्रक	JH-02K-8384	देवरी थाना परिसर
11	20/20	HMT-3522 ट्रैक्टर ट्रेलर	Chassis No. C-47506, Engine No. 64022	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
12	36/20	महिन्द्रा ट्रैक्टर ट्रेलर	Model-Shaktiman, Chassis No. S-3501803103, Engine No. S-3501803103	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
13	54/20	407 ट्रक	UP-30A-6351	प्रमण्डलीय कार्यालय परिसर
14	55/20	सोनालिका ट्रैक्टर ट्रेलर	Eng. No. A58795, Chassis No- SL0606SA59569	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
15	56/20	HMT-3522 ट्रैक्टर ट्रेलर	Eng. No. 20434, Chassis No. 17450	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
16	21/14	10 चक्का ट्रक	JH-11G-5086	बिरनी थाना
17	21/14	10 चक्का ट्रक	JH-10G-2385	बिरनी थाना
18	14/20	ट्रक	JH-12B-0074	प्रमंडलीय कार्यालय परिसर
19	33/20	ट्रैक्टर ट्रेलर	Eng.No-39.1311/01L07696 Chassis No- QWTL30600014878	प्रमंडलीय कार्यालय परिसर
20	37/20	ट्रैक्टर ट्रेलर	Eng.No-0324302276NM Chassis No- ANN3035002269	पारसनाथ प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
21	18/21	ट्रैक्टर ट्रेलर	HMT-2522, E-12214 पीला रंग एवं ट्रेलर हरा रंग	खुरचुट्टा वन क्षेत्र कार्या0 परिसर
22	18/21	ट्रैक्टर ट्रेलर	HMT-3522 EDI	खुरचुट्टा वन क्षेत्र कार्या0 परिसर
23	21/21	सोनालिका ट्रैक्टर ट्रेलर	Eng.No-B33961 & SL04035A41521	नारोटांड़ सी0आर0पी0एफ0 कैम्पस
24	26/21	टाटा 407	अज्ञात माईका लदा हुआ	गावां प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल।

PR 341614 (Forest, Environment and Climate Changes) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल, धनबाद

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–13/2024–25

1.	विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :–	दिनांक – 26.12.2024 को कार्यालय अवधि तक
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :–	दिनांक – 27.12..2024 को 3:00 बजे अपराहन् तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–	दिनांक – 27.12..2024 को 3:30 बजे अपराहन्
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :–	मुख्य अभियंता (या0), पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉची। अधीक्षण अभियंता, प0नि0वि0, पथ अंचल, हजारीबाग। कार्यपालक अभियंता,प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, धनबाद।
6.	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :–	क्रमांक 5 में उल्लेखित स्थानों पर।

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	"डी0एम0एफ0टी मद अन्तर्गत लाल बंगला डुगरी से उपर डुगरी को जोड़ने वाले पथ पर कलभर्ट एवं पहुंच पथ का निर्माण कार्य।	24.99995	50,000.00	5,000.00	2 माह

7.निविदा की शर्ते :–
कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,धनबाद

PR 341662 (Road)24-25*D

उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो
(जिला नजारत शाखा)

-:: अति अल्पकालीन निविदा ::-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के ज्ञापांक–627/नजा0, दिनांक–07.10.2024 के द्वारा वित्तीय वर्श 2024–25 हेतु बोकारो परिसदन के दोनों भवनों के सभी कमरों तथा सम्पूर्ण परिसर की देखभाल, वार्शिक रख–रखाव, कैटरिंग एवं सुचारू रूप से संचालन के लिए किसी संस्थान/प्रतिशठान मे न्यूनतम दो वर्शों का कार्य अनुभव रखने वाले इच्छुक निविदादाता **Request For Proposal (RFP)** के विहित प्रपत्र में उल्लेखित शर्तो के अधीन दर निर्धारण हेतु अति अल्पकालीन निविदा दिनांक–16.10.2024 को आमंत्रित किया गया परन्तु आसन्न विधानसभा चुनाव–2024 के कारण निविदा का निस्तारण नही किया जा सका।

अतएव अति अल्पकालीन निविदा का पुनः आमंत्रण **Request For Proposal (RFP)** में उल्लेखित कंडिकाओं/शर्तो के तहत् विहित प्रपत्र में आवेदन कर सकते है। इच्छुक निविदादाता निविदा प्रकाशन की तिथि से दिनांक– 18.12.2024 के 1:00 बजे अपराहन तक जिला नजारत शाखा, बोकारो में रखे गए सील बन्द बॉक्स में निविदा संबंधी सभी वांछित कागजातों के साथ समर्पित कर सकते है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक–18.12.2024 को 4:00 बजे अपराहन से निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोला जाएगा।

निविदा की नियम एवं अन्य शर्ते बोकारो जिला के वेबसाइट www.bokaro.nic.in पर देखी जा सकती है अथवा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्य दिवस पर पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

उपायुक्त, बोकारो।

PR.NO.341657 District(24-25):D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

Very Short Notice Inviting Tender

Reference No. - UDD/CMC/08/2024-25

Group No.	Name of work	Tender Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period
01	OPERATION AND MAINTENANCE OF SURYA COMPANY LED LIGHT AND HIGH MAST LIGHT INCLUDING ELECTRICIAN AND SEMI-SKILLED WORKER/LABOUR CHARGES FOR 02 YEARS.	As Per Quoted Rate	10000.00	5000.00	24 Months
A	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	10/12/2024			
B	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	17/12/2024 up to 02:00 PM			
C	बिड खोलने की तिथि एवं समय	18/12/2024 at 03:00 P M			
D	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.			
E	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का सं0	6206457301			

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- **e-Procurement** में **Tender Fee** एवं **EMD** की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, रॉंची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रॉंची का पत्रांक 05/विविध (e-Tender) –12/2023/न0वि– 4847 (अनु.) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

प्रशासक –सह–
अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम

PR 341628 Urban Development(24-25)#D

कार्यालय, चास नगर निगम, चास (बोकारो)
आई0टी0आई0 मोड़, NH-32, चास, बोकारो, पिन–827013
E-mail:- chasmunicipalcouncil@gmail.com

–: आम सूचना :–

एतद् को सूचित किया जाता है कि चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत शहरी क्षेत्रों में पेय जल की उपलब्धता एवं भूगर्भ जल का लगातार कम होना एक गम्भीर समस्या है। इस संबंध में सभी प्राकृतिक जल स्रोत एवं तालाबों का संरक्षण के लिए W.P.(PIL) No.- 1325/2011, Court on its own motion Vs The State of Jharkhand में माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन में कार्यालय चास नगर निगम के द्वारा एक Dedicated Task Force का गठन किया गया है। जिसका कार्य प्राकृतिक जल स्रोतों एवं तालाबों के आस पास अतिक्रमण हटाने एवं प्रदूशण को रोकने का कार्य किया जाना है। प्राकृतिक जल स्रोतों एवं तालाबों की भूमि तथा इसके आस–पास की सरकारी भूमि का अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए अवैध अतिक्रमण को झारखण्ड नगरपालिका अधिनियाम 2011 एवं झारखण्ड भवन निर्माण उपविधि 2016 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को हटाया जाना है। शहरी क्षेत्र के सभी जल स्रोतों एवं तालाबों में ठोस एवं तरल अपशिष्ठ पदार्थ को प्रवाह करना एक दण्डणीय अपराध है। ऐसा करते हुए अगर आम जन पाये जाते है तो जुर्माने की राशि वसूल करते हुए नियमानुसार कार्रवाई प्रारम्भ की जायेगी।

अतः आम नागरिकों से अनुरोध है कि प्राकृतिक जल स्रोतों एवं तालाबों के क्षेत्रों में अतिक्रमण किया गया है तो उक्त अतिक्रमण/अवैध निर्माण को यथाशीघ्र स्वयं हटा लें अन्यथा निगम के अतिक्रमण अभियान के दौरान हटा दिया जायेगा। जिसकी क्षतिपूर्ति के लिए आप स्वयं जिम्मेवार होगें।

सहायक नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 341623 Urban Development(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, जामताड़ा

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या सं0–गै0यो0–03/2024–25

शुद्धि पत्र

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या सं0–गै0यो0–03/2024–25 (PRNo.-340542 Road (24-25)-D के द्वारा कार्य–पथ प्रमंडल, जामताड़ा में अवस्थित कार्यपालक अभियंता का आवास, सहायक अभियंता का आवास एवं अन्य चतुर्थवर्गीय कर्मचारी का क्वार्टर के साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2024–25 हेतु निकाली गई निविदा में परिमाण विपत्र का मूल्य रू0 5000/–के स्थान पर रू0 2500 पढ़ा जाय। शेष शर्ते यथावत रहेंगें।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

PR.NO.341659 Road(24-25):D

प्रपत्र संख्या –1

Office of the ExecutiveEngineer
Drinking Water & Sanitation Division,Jamtara

Very Short e-Procurement Notice

e-Tender reference no- DWSD/EE/JAMTARA – 12/DWSD/JMT/2024-25 Date :- 10.12.2024

1	Name of the Work	Supply of Spare parts of deep well hand pump India Mark-II Conforming to I.S: 9301-1990 with latest amendment (may be read alongwithIst amendment IS: 15500(Part 1-7) 2004 with latest amendment for spare parts of India Mark- II respectively) under D.W.& S. Division, Jamtara for the year 2024-25.
2	Estimated Cost (In lakh)	24,99,253.00
3	B.O.Q Cost (In Rs.)	5,000.00
4	Earnest Money(In Rs.)	50,000.00
5	Time of Completion	15 Days.
6	Date of publication of Tender on Web site	14.12.2024 / 04.00PM
7	Last date /Time for receipt of Bid	21.12.2024/ 04.00PM
8	Last date /Time for Online receipt of Earnest money and Cost of BOQ	21.12.2024/ 01.00PM
9	Date of opening of Tender	23.12.2024/ 01.00 PM
10	Name & address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Jamtara.
11	Contact no of E-Procurement office	Santosh kumarmahto (9955525176)

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Drinking water & Sanitation Division
Jamtara.

PR 341667 Drinking Water and Sanitation(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

शुद्धि - पत्र

इस प्रमण्डलान्तर्गत आमंत्रित ई–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RDD/SD/BOKARO/52/2024-25, जिसका पी० आर० संख्या– 341254 Rural Development (24-25)D है, में अंकित निविदा सूचना सं०– RDD/SD/BOKARO/52/2024-25 के स्थान पर ई०–अल्पकालिन निविदा सूचना सं०– RDD/SD/BOKARO/54/2024-25 पढ़ा जाय।

निविदा की शेष शर्ते यथावत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
बोकारो

PR 341661 Rural Development (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल,गिरिडीह

कार्यालय आदेश

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–931,दिनांक–26.11.2024 पी0आर 0 संख्या–340473 के द्वारा ई–निविदा प्रकाशित की गयी थी। जिसमें आंशिक सुधार की जातीहै। ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक–22.12.2024 के अपराहन 05:00 बजे थी।

दिनांक–22.12.2024 दिन रविवारीय अवकाश होने के कारण अंतिम निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक–23.12.2024 अपराहन 05:00 बजे तक एवं निविदा खोलने की तिथि दिनांक–24.12.2024 अपराहन 05:00 बजे तक की जाती है।

शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल,गिरिडीह

PR 341609 Water Resource(24-25).D

राज्यपाल के काफिले की गाड़ियां आपस में टकराई, कई घायल

लखनऊ,(ईएमएस) : राजधानी लखनऊ में मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला के काफिले के वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। यह हादसा शहीद पथ पर लुलु मॉल के पास तब हुआ जब काफिले की एक गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे पीछे चल रहे वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में कई स्टाफ सदस्य घायल हो गए, जबकि राज्यपाल की गाड़ी सुरक्षित रही। राज्यपाल मंगलवार सुबह ८ बजे फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे। आधे घंटे बाद उनका काफिला एयरपोर्ट से राजभवन के लिए रवाना हुआ। शहीद पथ पर लुलु मॉल के पास काफिले के एक वाहन के ब्रेक लगाने से अन्य वाहन असंतुलित होकर एक दूसरे से टकरा गए गए।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
बोकारो इस्पात संयंत्र
बोकारो स्टील सिटी, 827001,झारखण्ड,इंडिया

NOTICE

The Plot-holders and license shopkeepers are hereby informed that the management of SAIL/Bokaro Steel Plant, B.S. City has prepared a policy for implementation of the Change of Trade to Restricted Trade with immediate effect. All the plot-holders and license shopkeepers who are operating restricted trade from their premises are directed to apply for the Change of Trade in the office of GM (TA-LRA) within 10 days from the date of issue of this notice. Running of Restricted Trade without permission is a gross violation of Lease/License agreement which may lead to disconnection of power-supply and termination of Lease/License.

Town Administration Deptt
Bokaro Steel Plant

पंजीकृत कार्यालयः इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली 110 003
हर किसी की जिन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(जिला भू–अर्जन शाखा)
ई–मेलः–dlao-giridih@jharkhandmail.gov.in

–: आम इस्तेहार :–

सियाटांड़ (बेंगाबाद–चतरो पथ) से नवडीहा (छोटकी खरगडीहा–मिर्जागंज पथ) (कुल लम्बाई 3.705 कि0मी0 पथ परियोजना अंतर्गत **मौजा–चन्दुडीह, थाना नं0–586, अंचल–जमुआ–जिला–गिरिडीह** के निम्नांकित हितबद्ध रैयतों/अवार्डियों को भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 37(2) के अधीन निर्गत मुआवजा नोटिस हस्तगत कराया जा चुका है। तत्पश्चात पुनः अंतिम नोटिस निर्गत कर हस्तगत कराया गया। इसके बावजूद भी उनके द्वारा मुआवजा प्राप्त करने हेतु वांछित कागजात जिला भू–अर्जन कार्यालय, गिरिडीह में अब तक जमा नहीं किया गया है :–

अवार्ड सं0	खाता नं0	प्लॉट नं0	किस्म भूमि	रकवा (एकड़ में)	अवार्डी का नाम	राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	28	249/1	टांड़ दो	0.0010	सुखदेव महतो पिता स्व0 कार्तिक महतो वो महादेव सिंह पिता आतो सिंह	1848.89
2	28	249/2	टांड़ दो	0.0050	तापेश्वर तुरी वो कांग्रेस तुरी वो बहादुर तुरी वो भीम तुरी पिता स्व0 गुल्ली तुरी वो बालेश्वर तुरी पिता स्व0 लालजीत तुरी वो दशरथ तुरी पिता स्व0 अकल तुरी	9244.44
3	28	249/3	टांड़ दो	0.0030	चन्द्रिका देवी पति भुनेश्वर तुरी	5546.67
4	29	250/1	टांड़ दो	0.0060	धनेश्वर तुरी वो भुनेश्वर तुरी वो रामदेव तुरी पिता स्व0 घनश्याम तुरी	11093.33
5	29	250/2	टांड़ दो	0.0024	सहदेव सिंह पिता स्व0 आतो सिंह	4437.33
6	29	250/3	टांड़ दो	0.0028	बुलु राम पिता स्व0 दशरथ राम	5176.89
8	28	251	धानखेत तीन	0.0070	अज्ञात	12942.22
9	14	291/1	टांड़ दो	0.0014	रूका देवी पति लुटन ठाकुर	2588.44
10	14	291/2	टांड़ दो	0.0013	सावित्री देवी पति बासुदेव ठाकुर	2403.56
11	14	291/3	टांड़ दो	0.0013	अज्ञात	2403.56
12	9	293/1	टांड़ दो	0.0020	अज्ञात	3697.78
13	9	293/2	टांड़ दो	0.0020	भिखारी ठाकुर पिता स्व0 मथुरा ठाकुर	3697.78
14	14	294	टांड़ दो	0.0050	अमृत दास पिता स्व0 धनश्याम रविदास	9244.44
15	11	295	धानखेत तीन	0.0090	अज्ञात	16640.00
16	11	296/1	धानखेत तीन	0.0025	नकुल राम पिता स्व0 ठकुरी राम	4622.22
17	11	296/2	धानखेत तीन	0.0030	सिकन्दर साव पिता स्व0 बैकुण्ठ साव	5546.67
18	11	296/3	धानखेत तीन	0.0045	दिनेश राम पिता स्व0 फागु राम	8320.00
19	11	297	धानखेत तीन	0.0020	बुलु राम वो दुखन राम पिता स्व0 महाराज राम	3697.78
20	25	300/1	टांड़ दो	0.0140	अहिल्या देवी पति शत्रुधन राम वो अशोक राम पिता मूरत राम वो मुरली राम पिता स्व0 खेमलाल राम	25884.44
21	25	300/2	टांड़ दो	0.0300	देवेन्द्र सिंह वो सुरेन्द्र सिंह वो राजेन्द्र सिंह पिता स्व0 प्रहलाद सिंह वो राहुल सिंह पिता स्व0 उपेन्द्र सिंह	55466.67
22	3	304	धानखेत तीन	0.0030	देवेन्द्र सिंह वो सुरेन्द्र सिंह वो राजेन्द्र सिंह पिता स्व0 प्रहलाद सिंह वो राहुल सिंह पिता स्व0 उपेन्द्र सिंह	5546.67
23	28	307/1	धानखेत तीन	0.0096	तापेश्वर तुरी वो कांग्रेस तुरी वो बहादुर तुरी वो भीम तुरी पिता स्व0 गुल्ली तुरी वो बालेश्वर तुरी पिता स्व0 लालजीत तुरी वो दशरथ तुरी पिता स्व0 अकल तुरी	17749.33
24	28	307/2	धानखेत तीन	0.0124	मालती देवी पति चिन्तामण रविदास	22926.22
25	21	327/1	टांड़ दो	0.0067	बालचन्द रविदास वो पुरन रविदास वो लक्ष्मण रविदास वो महादेव रविदास वो डेगन रविदास वो सरयु रविदास पिता स्व0 इन्दो रविदास	12387.56
26	21	327/2	टांड़ दो	0.0077	मनोज कुमार दास वो बासुदेव रविदास वो अर्जुन रविदास वो प्रयाग रविदास वो भीमलाल रविदास पिता स्व0 रामी रविदास	14236.44
27	21	327/3	टांड़ दो	0.0156	मनोज रविदास वो गुड्डू रविदास पिता स्व0 तेजो रविदास	28842.67
28	21	327/4	टांड़ दो	0.0020	सीतो रविदास वो रेशो रविदास वो शिबू रविदास पिता स्व0 सुकर रविदास	3697.78
29	21	327/5	टांड़ दो	0.0020	चेतन रविदास पिता स्व0 मोहन चमार	3697.78
30	1	332/1	टांड़ दो	0.0004	बालचन्द रविदास वो पुरन रविदास वो लक्ष्मण रविदास वो महादेव रविदास वो डेगन रविदास वो सरयु रविदास पिता स्व0 इन्दो रविदास	739.56
31	1	332/2	टांड़ दो	0.0004	सीतो रविदास वो रेशो रविदास वो शिबू रविदास पिता स्व0 सुकर रविदास	739.56
32	1	332/3	टांड़ दो	0.0004	मनोज कुमार दास वो बासुदेव रविदास वो अर्जुन रविदास वो प्रयाग रविदास वो भीमलाल रविदास पिता स्व0 रामी रविदास	739.56
33	1	332/4	टांड़ दो	0.0004	मनोज रविदास वो गुड्डू रविदास पिता स्व0 तेजो रविदास	739.56
34	1	332/5	टांड़ दो	0.0004	चेतन रविदास पिता स्व0 मोहन चमार	739.56
35	10	344	धानखेत तीन	0.0120	अज्ञात	22186.67
36	10	345	धानखेत तीन	0.0100	अज्ञात	18488.89
37	10	346	धानखेत तीन	0.0080	अज्ञात	14791.11
38	33	347	धानखेत तीन	0.0140	अज्ञात	25884.44
39	10	476	धानखेत तीन	0.0010	चमेली देवी पति स्व0 मुरली साव वो मंजू देवी पति राम प्रसाद मोदी वो प्रकाश कुमार साव पिता स्व0 मोहन साव	1848.89
40	10	477	धानखेत तीन	0.0040	चमेली देवी पति स्व0 मुरली साव वो मंजू देवी पति राम प्रसाद मोदी वो प्रकाश कुमार साव पिता स्व0 मोहन साव	7395.56
41	24	481/1	टांड़ दो	0.0040	प्रभु साव पिता ...	7395.56
43	21	483/1	टांड़ दो	0.0115	दिलीप कुमार सिन्हा वो मधुसुदन कुमार सिन्हा वो बसन्त कुमार सिन्हा वो संजय कुमार सिन्हा पिता स्व0 ब्रजनन्दन प्रसाद	21262.22
44	21	483/2	टांड़ दो	0.0115	भोलिया देवी पति स्व0 कार्तिक महतो	21262.22
45	19	485	टांड़ दो	0.0030	तापेश्वर तुरी वो कांग्रेस तुरी वो बहादुर तुरी वो भीम तुरी पिता स्व0 गुल्ली तुरी	5546.67
46	20	505	टांड़ दो	0.0070	अज्ञात	12942.22
47	19	508	टांड़ दो	0.0050	अज्ञात	9244.44
48	16	509/1	टांड़ दो	0.0030	अज्ञात	5546.67
49	16	509/2	टांड़ दो	0.0020	अज्ञात	3697.78
50	2	513	टांड़ दो	0.0080	भोलीया देवी माता स्व0 हरखी देवी पति स्व0 कार्तिक महतो	14791.11
51	21	514	टांड़ दो	0.0050	दिलीप कुमार सिन्हा वो मधुसुदन कुमार सिन्हा वो बसन्त कुमार सिन्हा वो संजय कुमार सिन्हा पिता स्व0 ब्रजनन्दन प्रसाद	9244.44
52	24	515/1	टांड़ दो	0.0046	नित्यानन्द कुमार सिन्हा वो प्रिंस सिन्हा वो सुजीत कुमार वो ज्ञानेन्द्र प्रसाद पिता स्व0 मणी कुमार सिन्हा वो अभय कुमार पिता स्व0 राजेन्द्र प्रसाद	8504.89
53	24	515/2	टांड़ दो	0.0046	मनोज कुमार सिन्हा पिता स्व0 दामोदर प्रसाद वो शंभुनाथ सिन्हा वो भोला नाथ सिन्हा पिता स्व0 ठाकुर लाल	8504.89
54	24	515/3	टांड़ दो	0.0048	अलख प्रसाद पिता स्व0 सचिदानन्द प्रसाद वो परमानन्द प्रसाद वो सदानन्द प्रसाद वो जयनन्दन प्रसाद पिता स्व0 बाबुलाल	8874.67
55	21	516	टांड़ दो	0.0060	बन्दना सिन्हा उर्फ रूबी पति श्री अनिल कुमार सिन्हा	11093.33
56	27	517	टांड़ दो	0.0260	बिमल कुमार सिन्हा पिता राम किशोर प्रसाद	48071.11
					कुल :–	**593863.14**

उपरोक्त अवार्डियों के द्वारा मुआवजा भुगतान प्राप्त करने हेतु वांछित कागजात इस कार्यालय में जमा नहीं किये जाने के कारण मुआवजा भुगतान लंबित है। उक्त परियोजना में अधियाची विभाग द्वारा मुआवजा भुगतान पूर्ण करने हेतु बार–बार स्मारित किया जा रहा है। साथ ही मुआवजा भुगतान की प्रगति के संदर्भ में विभागीय स्तर से निरंतर समीक्षा की जाती है। ऐसी परिस्थिति में मुआवजा भुगतान शीघ्र पूर्ण किया जाना अति आवश्यक है।

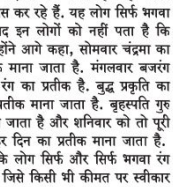

अतः सभी हितबद्ध रैयतों/अवार्डियों को आगाह किया जाता है कि वे आम सूचना प्रकाशन 10 (दस) दिनों के अंदर मुआवजा भुगतान प्राप्त करने हेतु वांछित कागजात जिला भू–अर्जन कार्यालय, गिरिडीह में अनिवार्य रूप से जमा करना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की सुसंगत धाराओं के अधीन आवश्यक कार्रवाई करते हुए अभिलेख एवं सन्निहित राशि L.A. कोर्ट, हजारीबाग अग्रसारित कर दिया जाएगा।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 341690 (Land Reforms) 24-25 (D)

मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं लालू यादव : सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी): सीएम नीतीश महिला संवाद यात्रा अभी शुरू भी नहीं हुई और उस पर राजद ने कटाक्ष करना शुरू कर दिया. दरअसल लालू यादव से पूछा गया कि सीएम नीतीश महिला संवाद यात्रा पर जा रहे हैं. इस पर लालू यादव ने कहा कि वो यात्रा पर नैन सेंकने जा रहे हैं. लालू यादव के इस बयान के बाद से सियासत गरमा गई. वहीं एनडीए ने पलटवार किया. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो लालू यादव के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बयान बताते हुए कहा कि, हमलोग समझते थे कि लालू यादव शारीरिक रुप से बीमार हैं लेकिन वो शारीरिक रुप से नहीं मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं. उन्हें कोईलवर में जाकर इलाज करवाना चाहिए.

जदयू एमएलसी नीरज कुमार ने भी लालू यादव पर जोरदार हमला बोला है. इसी कड़ी में अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू यादव पर जबरदस्त हमला बोला है. गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव ही इतनी घटिया बात बोल सकते हैं. नीतीश कुमार के बारे में ऐसी बुरी बातें केवल लालू प्रसाद ही कह सकते हैं.

महिलाओं के प्रति राजद की सोच उजागर : जयराम

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल के मुखिया लालू प्रसाद यादव द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा पर आंख सेंकने जैसा टिप्पणी करना उनकी महिला विरोधी और विकृत मानसिकता को दिखाता है. भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता जयराम विप्लव ने इस बयान की कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि यह न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि बिहार की जनता का भी.

विप्लव ने कहा कि लालू यादव की भाषा उनकी उसी सोच को दर्शाती है, जिसने चंपा विश्वास, पापड़ी पास और शिल्पी गौतम जैसे मामलों में महिलाओं को सिर्फ राजनीति का साधन बना दिया. उनके शासनकाल में महिलाओं को न्याय और सुरक्षा नहीं मिली, बल्कि अपमान और भय का सामना करना पड़ा. आज भी उनका नजरिया महिलाओं के प्रति अपमानजनक है.

बीजेपी प्रवक्ता जयराम विप्लव ने कहा कि बिहार की महिलाएं अब जागरूक हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की यात्रा जनता के संवाद और विकास का प्रतीक है.

फारूक अब्दुल्ला जैसे लोग कश्मीर की समस्याओं के लिए जिम्मेदार : विजय सिन्हा

पटना (एजेंसी): बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर जुबानी हमला बोला. उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता ही कश्मीर की वर्तमान दुर्दशा के सबसे बड़े कारण हैं और यह राजनीति का एक बड़ा अभिशाप है.

विजय कुमार सिन्हा ने फारूक अब्दुल्ला पर हमला बोलते हुए कहा कि फारूक अब्दुल्ला जैसे लोग कश्मीर की समस्याओं के जिम्मेदार हैं. ये भारत के हितैषी नहीं, बल्कि आतंकवादियों के संरक्षक माने जाते हैं. जब बिहार और उत्तर प्रदेश में कोई घटना होती है तो ये लोग छाती पीटते हैं, लेकिन जब बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार होता है तो इनकी जुबान नहीं खुलती. ये लोग मानव नहीं, बल्कि मानव के वेश में जानवर की मानसिकता रखते हैं.

विजय कुमार सिन्हा ने बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा इंडी गठबंधन को लेकर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया दी.

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन एक स्वार्थ का गठबंधन है. इसमें हर सदस्य का एक अलग छुपा हुआ एजेंडा है. यह लोग यहां सेवा के लिए नहीं, बल्कि, सत्ता में हिस्सेदारी के लिए एकत्रित हुए हैं. जो लोग तुष्टिकरण की राजनीति करके सत्ता में आने की कोशिश करेंगे, उन्हें देश के लोग कभी स्वीकार नहीं करेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव और उनके गठबंधन के साथी केवल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को साधने के लिए एक साथ आए हैं.

उन्होंने कहा कि यह गठबंधन देश की जनता को धोखा देने के लिए गठित किया गया है और यह केवल सत्ता की लालसा के चलते अस्तित्व में आया है. बता दें कि ममता बनर्जी ने बीते दिनों इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की इच्छा जताई थी, जिस पर तेजस्वी यादव ने कहा था कि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल के नेता सामूहिक रूप से निर्णय लेंगे. यह निर्णय तभी हो सकता है जब सभी नेता एक साथ बैठेंगे. उन्होंने आगे कहा था कि यदि गठबंधन के किसी वरिष्ठ नेता को यह भूमिका दी जाती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है.

क्या राजद के नेता आंख ही सेंकते रहते हैं : शाहनवाज हुसैन

पटना (ईएमएस): लालू यादव के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर आंख सेंकने वाले बयान पर भाजपा नेता और पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि क्या राजद के नेता आंख ही सेंकते है. शाहनवाज हुसैन ने कहा कि यह क्या हो गया है लालू यादव को, जिनको नीतीश कुमार अपना भाई, साथी, दोस्त कहते हैं वे क्या ऐसी सोच रखते हैं? उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री इतने वरिष्ठ हैं, बिहार के रत्न है. जिस पर देश को गर्व है.

इतने लंबे काल तक मुख्यमंत्री रहे। जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं। लालू यादव बुजुर्ग हो गए हैं। ऐसी उम्मीद नहीं थी कि वे इतनी घटिया सोच एक मुख्यमंत्री के लिए रखेंगे। उन्होंने कहा कि इस बयान के बाद अब तो राजद के लोग से आम लोग डरेंगे। इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व पर ममता बनर्जी के बयान पर लालू यादव के समर्थन के संदर्भ में शाहनवाज़ हुसैन ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस से सभी बिछड़े बारी-बारी। कांग्रेस को अब इंडी एलाइंस से भी धक्का मार के उसको गठबंधन से बाहर कर रहे हैं। राहुल गांधी की लीडरशिप कोई भी मानने को तैयार नहीं है। जॉर्ज सोरस के अलावा कोई उनके साथ नहीं खड़ा है।

शाहनवाज हुसैन ने साफतौर पर कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी जॉर्ज सोरस की एजेंट गिरी कर रहे हैं। हिंदुस्तान के अंदर और बाहर भारत विरोधी अभियान का हिस्सा बन रहे हैं, इसलिए इंडी एलायंस के लोग भी उनसे दूरी बना रहे हैं। वन नेशन और वन इलेक्शन पर शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि वन नेशन वन, इलेक्शन पर कैबिनेट नोट्स मूव हो रहा है और देश चाहता है वन नेशन वन इलेक्शन हो और इस पर एक - दो दलों को छोड़कर सभी दलों की सहमति है।

हुसैन ने कहा कि बिहार चुनाव के लिए तैयार है। सेमीफाइनल हो गया। चारों के चारों सीट हम लोग जीत गए। जब विधानसभा का चुनाव आएगा हम लोग जीतेंगे। किसानों के आंदोलन पर हुसैन ने कहा कि किसानों की चिंता एनडीए करती है और हम ही करेंगे।

19 साल की लड़की के पीछे पड़ा काला सांप, 11 बार काटा

कानपुर (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में गहरी चर्चा में है एक रहस्यमयी बौना नाग, जिसने समाज को हैरान कर दिया है. यह रहस्यमयी सांप एक युवती के जीवन को बिगाड़ने के लिए एक अजीब तरह का जादू कर रखा है. सांप के पीछे एक १९ वर्षीय युवती की जान को खतरा है, जिसे पिछले पांच वर्षों में यह सांप लगभग ११ बार डस चुका है. इस घटना ने न केवल गांव में बल्कि पूरे मुख्यालय में भी सनसनी मचा दी है। रोशनी और उसके परिवार की यह भयंकर कहानी दरअसल २०१९ में किसी खेत में शुरू हुई थी, जब एक सांप ने उसे डस लिया। परिवार का कहना है कि उसके बाद से उस सांप ने उसकी जिंदगी को हैरानी में डाल दिया है, जब उसने उससे बचने की कोशिश की। चिकित्सकों ने इस मामले को अंधविश्वास के तौर पर ठहराया है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह दी है कि उसे मानसिक मदद की आवश्यकता है। इसके बावजूद रोशनी के परिवार ने इस सांप के खौफ में जीने के लिए हर संभाव प्रयास कर रखा है।

ममता बनर्जी कई नेताओं से बेहतर हैं : कीर्ति आजाद

पटना (एजेंसी): तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने मंगलवार को कहा कि इस बात को बिल्कुल भी खारिज नहीं किया जा सकता है कि ममता बनर्जी एक सक्षम नेता हैं. उनके अंदर काबिलियत है. वह भारतीय राजनीति में कई नेताओं से बेहतर हैं. उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, यह लोग चाहते हैं कि प्रदेश में त्रिशंकु विधानसभा जैसी स्थिति पैदा हो जाए, ताकि वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सके. उन्होंने कहा, भाजपा के लोग देश पर अपनी मानसिकता थोपने का प्रयास कर रहे हैं. यह लोग खानपान और कपड़ों से लोगों की पहचान कर रहे हैं. ऐसे में आप लोग इस पार्टी से जुड़े नेताओं की मानसिकता के बारे में सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं. यह जबरन अपनी विचारधारा थोपने का प्रयास कर रहे हैं. यह लोग सिर्फ भगवा की बात करते हैं. लेकिन, शायद इन लोगों को नहीं पता है कि सनातन धर्म में अनेकों रंग हैं.उन्होंने आगे कहा, सोमवार चंद्रमा का है, तो यह सफेद रंग का प्रतीक माना जाता है. मंगलवार बजरंग बली का दिन है, तो यह लाल रंग का प्रतीक है. बुद्ध प्रकृति का प्रतीक है, तो यह हरा रंग का प्रतीक माना जाता है. बृहस्पति गुरु है, तो पीला रंग का प्रतीक माना जाता है और शनिवार को तो पूरी दुनिया जानती है. रविवार को हर दिन का प्रतीक माना जाता है.

उन्होंने आगे कहा, भाजपा के लोग सिर्फ और सिर्फ भगवा रंग को थोपने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है. उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे पास आएं. मैं उनसे सनातन धर्म पर बात करने के लिए तैयार हूं. मैं चाहता हूं कि वह मेरे साथ आएं. मैं उनसे सनातन धर्म पर चर्चा करना चाहता हूं.

जन सुराज के कई नेताओं ने थामा जदयू का दामन

पटना (एजेंसी): बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन अभी से दल बदलने का दौर शुरू हो चुका है. दरअसल प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को छोड़कर कई नेताओं ने जदयू का दामन थाम लिया.

जदयू कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधान परिषद में मुख्य सचेतक संजय गांधी, बिहार सरकार के मंत्री जमा खान, बिहार नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव और पार्टी के प्रदेश महासचिव छोटू सिंह की उपस्थिति में भोजपुर के दिनेश ओझा, जमुई से सुनील कुमार व बेतिया से संतोष जायसवाल ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की. इस मौके पर दिनेश ओझा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों से प्रेरित होकर जन सुराज छोड़कर जदयू में आए हैं. जमुई के सुनील कुमार सरकारी कार्यों से सेवानिवृत होकर अब समाजसेवा भाव से पार्टी में शामिल हुए हैं.

कार्यालय :–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदरअस्पताल, जामताड़ा

कार्यालय :–असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, जामताड़ा

सूचना सं0– 04 (2024–25)

अति आवश्यक सूचना

अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचना संख्या– 01 (2024–25) एवं PR No- 338163 के द्वारा सदर अस्पताल, जामताड़ा के प्रयोजनार्थ दवा (Group-A)/मशीन (Group-B)/उपकरण (Group-C)/रसायन (Group-D) आपूर्ति हेतु निबंधित निर्माणकर्ता/प्रतिष्ठानों/प्राधिकृत एजेन्सियों से निर्धारित शर्तों के अधीन दिनांक 21.10.24 के अपराह्न 02:00 बजे तक मुहरबंद अल्पकालीन निविदा आमंत्रित किया गया था। अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के सूचना संख्या– 02 (2024–25)द्वारा निविदा खोलने की तिथी अपरिहार्य कारण वश स्थगित की गई थी।

अतः एतथ द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त निविदा दिनांक 14.12.2024 को आपराहण 12:00बजे सिविल सर्जन कार्यालय जामाताड़ा के सभाकक्ष में क्रय समिति के सदस्यों के समक्ष खेला जायेगा। उक्त समय पर नितिदा दाता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

PR 341692 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)#D

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, जामताड़ा

कार्यालय,
धनबाद नगर निगम, धनबाद।
दूरभाष :18008904160 ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

——:: आम सूचना ::——

बिनोद बिहारी चौक के समीप श्री प्रमोद कुमार सिंह के द्वारा कराए जा रहे निर्माण की जाँच कराई गई। जाँचोपरान्त निर्माणाधीन भवन का स्वीकृत नक्शा उपलब्ध कराने का कई बार नोटिस तामिला कराया गया परन्तु उक्त भवन की स्वीकृति के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नही कराई गई और ना ही कोई साक्ष्य उपलब्ध कराया गया। श्री प्रमोद कुमार सिंह के निवास स्थान सेन्ट्रल हास्पिटल रोड, नूतनडीह रॉय कॉलोनी, धनबाद के पते पर पत्र तामिला हेतु पत्रवाहक एवं भारतीय निबंधित डाक से भेजा गया परन्तु पत्र लेने से इन्कार किया गया।

अतः सूचना निर्गत होने की तिथि से 15 दिनो तक यदि किसी प्रकार का निर्माण के स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज कार्यालय को उपलब्ध नही होता है तो उक्त भवन को अवैध निर्माण घोषित किया जाएगा एवं अवैध निर्माण मानते हुए तोडने की प्रक्रिया की जाएगी।

प्रशासक,
–सह– नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम,
धनबाद।

PR 341675 (Urban Development) 24-25 (D)

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद
दूरभाष :18008904160
ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com,

--:: आम सूचना ::--

8 लेन सड़क के विपरित (गेल गैस स्टेशन) में श्री अभय यादव के द्वारा कराए जा रहे भवन निर्माण की जाँच कराई गई। जाँचोपरान्त निर्माणाधीन भवन का स्वीकृत नक्शा उपलब्ध कराने का कई बार नोटिस तामिला कराया गया परन्तु उक्त भवन की स्वीकृति के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नही कराई गई और ना ही कोई साक्ष्य उपलब्ध कराया गया।

अतः सूचना निर्गत होने की तिथि से 15 दिनो तक यदि किसी प्रकार का निर्माण के स्वीकृति के संबंध में दस्तावेज कार्यालय को उपलब्ध नही होता है तो उक्त भवन को अवैध निर्माण घोषित किया जाएगा एवं अवैध निर्माण मानते हुए तोडने / सील करने की प्रक्रिया की जाएगी।

प्रशासक,
–सह– नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम, धनबाद

PR 341678 Urban Development(24-25)#D

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/पूर्व मध्य रेल/महेंद्रुघाट/पटना निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–निविदा के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं:

ई–निविदा संख्याः एस एण्ड टी–सी–डीएचएन–22R

1. कार्य का नामः एस एंड टी उपयोगिता पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद डिवीजन में इंजीनियरिंग निर्माण कार्य के संबंध में गोमोह–पीकेए, जीएमओ–सीआरपी–जेएनएन, पीटीआरयू– टीकेएस, कुजू–आरआरएमई, पीकेए– पीईएच या उप सीएसटीई/कॉन/डीएचएन के अधीन किसी अन्य स्थान पर सिग्नलिंग केबल, लोकेशन बॉक्स, क्वाड, ओएफसी आदि का स्थानांतरण। **2. अनुमानित लागतः** रुपया 5,49,39,568.72 **3. अमानत राशिः** रु. 4,24,700.00 **4. निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य **5. कार्य निस्पादित करने का समयः** 24 महिना **6. ई निविदा ऑनलाइन जमा करने का अंतिम दिन एवं समयः** 30.12.2024 को 15:00 बजे तक। विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखने के लिए उपलब्ध है।

उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण
पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद

पीआर/01668/सीडीएचएन/एसएण्डटी/टी/24–25/32

डीसी ने किया कांके प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण, अनुपस्थित पाये गये सीओ को शो-कॉज व वेतन रोकने का निर्देश

रांची (एजेंसी): डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को कांके प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. शाम करीब ०४:३० प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय पहुंचते ही डीसी ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस मंगवाकर सभी की उपस्थिति की जांच की. प्रखण्ड कार्यालय में बारी-बारी से सभी कर्मियों की उपस्थिति जांचते हुए उन्होंने बीडीओ को अनाधिकृत रुप से उपस्थित रहनेवाले कर्मियों पर नियमसंगत कार्रवाई करने के निर्देश दिये.

अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी जय कुमार अनुपस्थित पाये गये. डीसी ने अंचल अधिकारी को शो-कॉज करने और वेतन रोकने का निर्देश दिया गया. कांके अंचल के अमीन रामलाल महतो के ९ एवं १० दिसंबर को हेहल अंचल में कार्य किये जाने को सत्यापित करवाने का भी निर्देश डीसी ने दिया.

डीसी ने कहा कि सभी पदाधिकारी व कर्मी ससमय कार्यालय आयें और पूरी कार्यावधि के दौरान तन्मयता से कार्य करते हुए आमजनों की समस्याओं का निष्पादन करें.

डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने प्रखण्ड तथा अंचल के लॉग बुक, आगत-निर्गत पंजी, रोकड़ पंजी, संचिका, जनशिकायत, पेंशन तथा अन्य की जांच की. मौजूदा एवं पिछले वित्तीय वर्ष में अबुआ आवास का लक्ष्य और कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने त्वरित गति से आवास पूर्ण करवाने के निर्देश दिये. उपायुक्त द्वारा किस्त के भुगतान में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया. अंचल अन्तर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में म्यूटेशन के लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने यथाशीघ्र मामलों का निष्पादन करने को कहा. उन्होंने कहा कि सभी यह सुनिनिश्चत करें कि आमजनों को बेवजह कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े.

बढ़ती ठंड के मद्देनजर उपायुक्त द्वारा कांके प्रखण्ड के प्रमुख स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने कहा कि इस बात भी ध्यान रखें कि ठंड में रात्रि में कोई भी खुले जगह में न रहे. साथ ही प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर का भ्रमण करते हुए डीसी ने बीडीओ से पानी, बिजली, शौचालय, सोलर सिस्टम आदि व्यवस्था की जानकारी ली. उन्होंने प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर अवस्थित सीडीपीओ, बीएसओ, बीपीओ, सीएससी सहित अन्य पदाधिकारियों/कर्मियों के कार्यस्थल का निरीक्षण करते हुए समुचित साफ-सफाई के निर्देश दिये.

डीसी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कांके का भी निरीक्षण किया. उन्होंने सभी पालियों में चिकित्सकों/कर्मियों की उपस्थिति की जांच करते हुए सभी को ससमय उपस्थित रहने का निर्देश दिया.

स्वास्थ्य केन्द्र के एंबुलेंस में पर्याप्त ऑक्सीजन की उपलब्धता एवं साफ-सफाई का निर्देश दिया गया. उन्होंने सभी वार्डों में पानी, साफ-सफाई, जेनरेटर, सोलर सिस्टम एवं अन्य व्यवस्था दुरुस्त करने को भी कहा.

पंचम विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष पर फंसा था पेंच, इस बार भी सस्पेंस बरकरार

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा के विशेष सत्र के दौरान मंत्रियों और विधायकों के शपथ की प्रक्रिया पहले दिन ही पूरी कर ली गई. दूसरे दिन स्पीकर भी चुन लिए गए. लेकिन सदन में नेता प्रतिपक्ष को लेकर अब तक सस्पेंस बना ही हुआ है. पंचम विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष को लेकर पेंच फंसा था. उस समय भी बाबूलाल मरांडी की जगह अमर कुमार बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था. अब षष्टम विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष को लेकर सस्पेंस बरकरार है. विशेष सत्र बिना नेता प्रतिपक्ष के लिए निकल जाएगा.

नेता प्रतिपक्ष को लेकर हो रहा मंथन

भाजपा के अंदर नेता प्रतिपक्ष को लेकर मंथन जारी है. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कहा है कि १२ दिसंबर के बाद नेता प्रतिपक्ष का नाम तय हो जाएगा. वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीजेपी जल्दी ही विधायक दल के नेता का चयन कर लेगी. बीजेपी विधायकों के साथ बैठक होने के बाद ही विधायक दल के नेता के नाम तय हो पाएगा. उन्होंने बीजेपी की सदन में भूमिका के बारे में कहा कि पार्टी अपनी पूरी ताकत के साथ सदन में आवाज उठाएगी. बीजेपी के पास कुल २१ विधायक हैं और वह सदन में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है.

नेता प्रतिपक्ष की रेस में कई नेता शामिल हैं

जानकारी के अनुसार, सदन में नेता प्रतिपक्ष के लिए बाबूलाल मरांडी, चंपाई सोरेन, सीपी सिंह, शशिभूषण मेहता का नाम सामने आ रहा है. चर्चा यह भी है कि सामाजिक और राजनीतिक समीकरण को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष का चयन किया जाएगा. बताते चलें कि सदन में बीजेपी ही सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है और बीजेपी का विधायक दल का नेता ही सदन में नेता प्रतिपक्ष बनेगा.

राज्य के सभी जेलों में हेल्थ कैंप लगाकर बंदियों का करायें समुचित इलाज : हाईकोर्ट

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए झालसा (झारखंड लीगल सर्विस अथारिटी) एवं डालसा (डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथारिटी)? को राज्य के सभी जेलों में हेल्थ कैंप लगाकर बंदियों का समुचित इलाज कराने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एवं जस्टिस नवनीत कुमार के कोर्ट ने यह आदेश दिया है. अदालत ने कहा है कि मेडिकल जांच में मोतियाबिंद, डाइबीटीज, ब्लड प्रेशर तथा अन्य बीमारियों की चिकित्सीय जांच कराकर समुचित इलाज की व्यवस्था की जाये। बेंच ने यह भी आदेश दिया है कि जेल अदालत के दिन झालसा यह सुनिश्चित करेगा कि मेडिकल जांच कैंप लगे तथा कोई भी जागरूकता कार्यक्रम जो कारागृह में झालसा एवं डालसा के द्वारा आयोजित किया जायेगा, तो उसमें सभी वृद्ध एवं बीमारियों से ग्रसित बंदियों के लिए निश्चित रूप से मेडिकल जांच कैंप भी आयोजित किया जायेगा. झालसा ने सभी कारागृह से रिपोर्ट मंगायी है. ७० वर्ष से अधिक उम्र के बंदियों की संख्या १६४ है, तथा गंभीर बीमारी से ग्रसित बंदियों की संख्या ११ है. झालसा ने सभी डालसा को दिशा निर्देश दिया है कि उनकी मेडिकल जांच सुनिश्चित करें तथा उन्हें तत्काल आवश्यकतानुसार चिकित्सीय सहायता प्रदान करें.

जेएसएससी सीजीएल पर छात्रों का आरोप, 21 की परीक्षा में सिर्फ 82 व 22 की परीक्षा में 2178 अभ्यर्थी हुए पास

रांची (एजेंसी): सीजीएल रिजल्ट के खिलाफ छात्रों में काफी आक्रोश है. मंगलवार को रिजल्ट के खिलाफ हजारीबाग में बंद बुलाया था. हजारीबाग में इसका असर भी दिखा. छात्रों ने एनएच-३३ को जाम भी कर दिया. छात्रों का कहना है कि २१सितंबर को ली गई परीक्षा में सिर्फ ८२ अभ्यर्थी ही सफल रहे. जबकि २२ सितंबर को ली गई परीक्षा में २१७८ पास हुए. इसमें काफी अनियमितता बरती गई है. बताते चलें कि सीजीएल की परीक्षा दो दिन ली गई थी.

परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं अभ्यर्थी

सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थी परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा पूरी तरह से विवादास्पद रही है. इसके पेपर भी लीक हुए. परिणाम में भी गड़बड़झाला है. बताते चलें सीजीएल परीक्षा के जरीए २०२५ सीटों को भरा जाना है.

इसके लिए झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने १६ से २० दिसंबर तक दस्तावेज सत्यापन की तिथि निर्धारित की है.

राज्य सरकार के जनविरोधी कार्यों का विरोध करेगी पार्टी : बाबूलाल

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में भाजपा विधायकदल की बैठक हुई.

बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित विधायकगण शामिल हुए. बैठक के उपरांत मीडिया से बात करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी के विधायक राज्य की जनभावनाओं के अनुरूप सदन में अपनी बात रखेंगे. सदन में अनुपूरक बजट की बात हो या फिर राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा पार्टी सरकार की जनविरोधी नीतियों कार्यक्रमों का विरोध करेगी.

उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के अतिरिक्त पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन महापर्व पर भी बैठक में विधायकगण से विस्तृत चर्चा हुई तथा सभी की भागीदारी इसमें बढ़ाने की का निर्णय हुआ. उन्होंने कहा कि भाजपा को विधानसभा चुनाव में ५९ लाख वोट प्राप्त हुए है. पार्टी के कार्यकर्ता इससे अधिक सदस्यता का रिकॉर्ड प्रदेश में बनायेंगे. उन्होंने कहा कि मजबूत भाजपा और संघर्षशील भाजपा प्रदेश की मांग है.

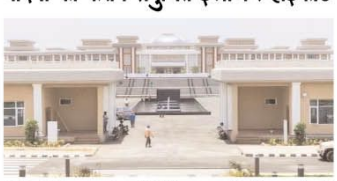

सदन में जयराम महतो ने सीजीएल का मुद्दा उठाया, कहा- छात्र आंदोलन से बनायी है पहचान

रांची (एजेंसी): विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो ने बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी. उन्होंने सीजीएल का मुद्दा उटाते हुए कहा कि मैं यहां छात्र आंदोलन से पहचान बनाकर आया हूं. स्पीकर से आग्रह किया कि जिस दृष्टि से सत्ता पक्ष और विपक्ष को देखें, उसी दृष्टि से मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर दिया. अपनी बात रखते हुए जयराम ने कहा कि राज्य के लाखों अभ्यर्थी सड़क पर हैं. सीएम से आग्रह किया कि वे उन अभ्यर्थियों से मिलें वो आपके ही बच्चे हैं.

21 तक चलेगा पुरुष नसबंदी अभियान

रांची (एजेंसी): परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी अभियान २-२१ दिसंबर २०२४ तक चलाया जा रहा है. इसके अंतर्गत मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार से जागरूकता रथ अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार के द्वारा रवाना किया गया. ताकि पुरुष नसबंदी की संख्या में बढ़ोतरी हो सके. इस वर्ष पुरुष नसबंदी के तहत कुल २५०० एनएसवी का लक्ष्य रांची जिला को दिया गया है.

सीएम हेमंत ने कर्नाटक के पूर्व सीएम के निधन पर जताया शोक

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कर्नाटक के पूर्व सीएम, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और पूर्व विदेश मंत्री एसएम कृष्णा के निधन पर शोक जताया है. उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि एसएम कृष्णा जी के निधन की दुखद सूचना मिली. परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति दे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झामुमो की वरिष्ठ नेत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ मांझी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी है. उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि मरांग बुरु आपको हमेशा उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें, यही कामना करता हूं.

सदन के कस्टोडियन होने के नाते सभी को अवसर दें : बाबूलाल

रांची (एजेंसी): भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी ने रवींद्रनाथ महतो को स्पीकर चुने जाने पर शुभकामनाएं दी. उन्होंने स्पीकर से अपील करते हुए कहा कि विपक्षी सदस्यों को थोड़ा अधिक अवसर दें. नवनिर्वाचित सदस्यों को भी सदन में भरपूर अवसर दें. इससे राज्य की ज्वलंत समस्याओं की पहचान और समाधान में सरकार को भी मदद मिलेगी. कोई भी विधायक सदन में मामला उठाये तो उसका समाधान हो. सदन के कस्टोडियन के नाते सभी को अवसर दें. इससे नये विधायकों में आत्मविश्वास पैदा होगा.

संसदीय व्यवस्था में दिखेगी शुचिता : राधाकृष्ण

रांची (एजेंसी): संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रवींद्रनाथ महतो को स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि आपकी अध्यक्षता में मिलकर काम करेंगे. संसदीय व्यवस्था की शुचिता दिखेगी. कहा कि आपके जैसे व्यक्तित्व को आसन पर बैठता देख सदन के सभी सदस्य गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पिछले कार्यकाल में मैं सदन का सदस्य नहीं था, पर मैं अपकी भूमिका से प्रभावित था. विकास की जिन ऊंचाईयों को छूने की परिकल्पना हेमंत सोरेन ने की है, उसे आपकी अध्यक्षता में मिलकर पूरा करेंगे.

पृष्ठ एक का शेषांश

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री----

राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के विकास और आईटी क्षेत्र के विस्तार में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। एसएम कृष्णा का जन्म १ मई, १९३२ को कर्नाटक के मांड्या जिले के सोमनहल्ली में हुआ था। उन्होंने १९६२ में मद्दुर विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखा। शुरुआती दिनों में वह प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से जुड़े, लेकिन बाद में कांग्रेस का हिस्सा बन गए। मार्च २०१७ में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। कृष्णा का राजनीतिक सफर कई उपलब्धियों से भरा रहा। १९९९ से २००४ तक उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की सेवा की। उनके कार्यकाल में बेंगलुरु ने वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बनाई और इसे भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाने लगा। उन्होंने २००९ से २०१२ तक विदेश मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई। कृष्णा ने विधि की शिक्षा अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से प्राप्त की और फुलब्राइट स्कॉलर के रूप में अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री, और महाराष्ट्र के राज्यपाल जैसे विभिन्न पदों पर भी जिम्मेदारी निभाई। उनके नेतृत्व में कर्नाटक में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र का विस्तार हुआ, जिससे राज्य को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूती मिली। उनके निधन के साथ भारतीय राजनीति ने एक दूरदर्शी नेता को खो दिया है।

विपक्ष के नेताओं का---

इसकी प्रतिष्ठा एवं मर्यादा है। उन्होंने कहा कि इस भवन में हमने आजादी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, संसद में देश की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को पूरा किया जाता है, सहमति, असहमति हमारे लोकतंत्र की परंपरा है। जो संविधान बनते समय भी हमने अभिव्यक्त किया। बिरला ने बिना नाम लिए कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं का आचरण सही नहीं है। गौरतलब है कि राहुल गांधी अडानी मुद्दे को लेकर लगातार पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार को घेर रहे हैं। वहीं, सत्ता पक्ष ने जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर सोनिया गांधी पर निशाना साध रखा है। ऐसे में नाराज ओम बिरला ने मंगलवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष से सदन चलाने का आग्रह किया।

गगनयान के लिए इसरो ने---

संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को ठीक करना है। इसरो ने कहा कि गगनयान के लिए चल रही तैयारियों के तहत रिकवरी ट्रायल जारी रहेंगे। इसरो और नौसेना ने मई, २०२३ में कोच्चि के वाटर सर्वाइवल ट्रेनिंग फैसिलिटी आईएनएस गरुड़ में गगनयान रिकवरी ट्रेनिंग प्लान जारी किया था।

विचारों को लेकर हम एक-दूसरे ---

शांत रहिए, स्वस्थ रहिए और दिमाग में शांति बनाए रखिए। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार को जवाब देते हुए कहा कि हम जितना जरूरी है उतना सक्रिय और संवेदनशील हैं, लेकिन हम अपनी धैर्य की परीक्षा लेते हैं क्योंकि हमने इसे रवींद्रनाथ टैगोर से सीखा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल पहला राज्य हैं जहां हर समुदाय के लोगों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम और दूसरे अन्य सभी धर्मों के लोगों की नसों में एक ही खून बहता है। हमें एक हैं और किसी भी बाहरी ताकत के खिलाफ एकसाथ खड़े होते हैं। सीएम ममता ने राजनीति और वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कहा कि उन पर अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण का आरोप लगता है, लेकिन ममता ने अपने बयान से बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को उनकी औकात दिखा दी है। उन्होंने कहा है कि भारत में लोग कैसे रहते हैं। हम भारतीय विचारों के स्तर पर भले ही एक दूसरे का विरोध करते हैं लेकिन जब राष्ट्र की बात आती है तो हम सब एकजुट हैं। प्रो यूनुस भारत के बारे में दिमाग में कोई गलत ख्याल लाने से पहले एक हजार बार सोचिएगा। यह १४० करोड़ भारतीयों का दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां पीएम मोदी और ममता बनर्जी की पार्टी भले ही अलग है लेकिन वे एक दूसरे का बेहद सम्मान करते हैं। वे एक दूसरे को तोहफे भेजते हैं और राष्ट्र पर आंच की बात आते ही एकजुट हो जाते हैं।

ओडिशा के राज्यपाल से मिला वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से उनके धुर्वा स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया.

साथ ही उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की. वैश्य मोर्चा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए दास ने कहा कि पूरे प्रदेश में दौरा करें और समाज हित में काम करते रहें. मेरी शुभकामनाएं हमेशा साथ रहेंगी. प्रतिनिधिमंडल में शामिल केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु, वरीय उपाध्यक्ष संजीव चौधरी, प्रधान महासचिव इंदु भूषण गुप्ता, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद एवं छात्र मोर्चा के अध्यक्ष युवराज साहु ने वैश्य मोर्चा के गतिविधियों की जानकारी दी और उन्हें भरोसा दिलाया कि वैश्य मोर्चा उनका व समाज का कभी विश्वास टूटने नहीं देंगे. प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु अमेत अन्य मौजूद थे.

तैयार हो रहा झारखंड के विकास का रोड मैप, जल्द होगी समीक्षा

रांची (एजेंसी): हेमंत सरकार झारखंड के चहुंमुखी विकास का रोड मैप तैयार कर रही है. जल्द ही इसकी समीक्षा की जायेगी. इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी विभागों से पूरा ब्यौरा मांगा है. मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से कहा गया है कि सभी विभागों के योजना बजट के विरूद्ध निर्गत की गयी स्वीकृत्यादेश, आवंटन आदेश व खर्च की स्थिति का ब्यौरा उपलब्ध कराया जाये. साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभागों द्वारा तैयार किये जा रहे योजनाओं की भी रिर्पोट मांगी गयी है. कोशिश की जा रही है कि ३१ मार्च के पहले बजट उपबंध की राशि खर्च की जाये. मुख्य सचिव जल्द ही इसकी समीक्षा भी करेंगी.

पंच प्रण थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव 14 से, तैयारियां पूरी

रांची (एजेंसी): झारखंड खेल एवं युवा कार्य विभाग की ओर से आगामी १४ दिसंबर से पंच प्रण थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. महोत्सव की तैयारियों पूरी कर ली गयी है. रांची के ऑड्रे हाउस में १४ दिसंबर को जिला स्तरीय और १६ दिसंबर को प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा. इस महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिनमें सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, चित्रकला, भाषण, विज्ञान मेला (एकल), कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला (सामूहिक), फोटोग्राफी शामिल हैं. राष्ट्रीय युवा महोत्सव में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को १२ दिसंबर तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराना होगा. इसके अलावा प्रतिभागियों को हीींिः//ूलहरीरीं.सीं.ळप चू इहरीरीं झींरिश्र पर भी पंजीकृत कराना होगा. प्रतिभागी की उम्र कम से कम १५ और अधिकत्तम २९ वर्ष होनी चाहिए. जिला स्तर पर चयनित विजेता प्रमंडल स्तर पर भाग ले सकते हैं.

युवाओं में कला, संस्कृति व राष्ट्रीय भावना जागृत करना महोत्सव का उद्देश्य

बता दें कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव रांची में एक नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है. यह महोत्सव युवाओं को एक मंच प्रदान करता है. जहां वे अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को दिखा सकते हैं. यह महोत्सव न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय भावना से भी जोड़ता है. इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं में कला, संस्कृति और राष्ट्रीय भावना को जागृत करना है.

बता दें कि प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा. साथ ही सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेंगे. महोत्सव की थीम पंच प्रण पर आधारित होगी. यह थीम युवाओं को देश के प्रति समर्पित होने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है.

- बड़ा संकल्प लेकर चलना होगा.
- हमारे मन के भीतर गुलामी का एक भी अंश है तो उसे बचने नहीं देना है.
- हमें हमारी विरासत पर गर्व होना चाहिए.
- एकता और एकजुटता.
- नागरिकों का कर्त्तव्य.

सामूहिक लोकगीत और लोकनृत्य :
- प्रथम : ७,००० रुपये
- द्वितीय : ५,००० रुपये
- तृतीय : ३,००० रुपये

अन्य प्रतियोगिताएं :
- प्रथम : २,५०० रुपये
- द्वितीय : १,५०० रुपये
- तृतीय : १,००० रुपये

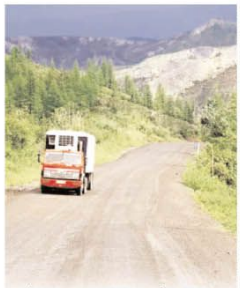

रोड ऑफ बोन्स के नाम से जाना जाता है रूस का कोलयमा हाइवे

दुनिया में ऐसी बहुत सी सड़कें हैं, जो किसी न किसी वजह से खास हैं। जैसे- कोई दुनिया की सबसे लंबी सड़क है, तो कोई दुनिया की सबसे छोटी, तो कोई सबसे चौड़ी। वैसे आमतौर पर सड़क बनाने में ईंट, पत्थर से लेकर सीमेंट और डामर का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में एक ऐसी भी सड़क है, जिसे बनाने में इन चीजों के अलावा इंसानी हड्डियों का भी इस्तेमाल किया गया है? यह जानकर यकीनन आपको हैरानी तो हो रही होगी, लेकिन ये बिल्कुल सच है और इसी वजह से इस सड़क को रोड ऑफ बोन्स यानी हड्डियों की सड़क के नाम से जाना जाता है।

असल में यह सड़क एक हाइवे है, जो रूस के सुदूरवर्ती पूर्वी इलाके में स्थित है। इसका असली नाम कोलयमा हाइवे है, जो 2,025 किलोमीटर लंबा है। इस हाइवे पर अक्सर इंसानी हड्डियां और कंकाल मिलते रहते हैं। दरअसल, रोड ऑफ बोन्स के नाम से मशहूर इस हाइवे की कहानी दिल दहला देने वाली है। चूंकि ठंड के मौसम में इस इलाके में काफी बर्फ गिरती है, जिससे सड़कें भी ढक जाती हैं। कहा जाता है कि बर्फ की वजह से गाड़ियां सड़क पर न फिसलें, इसलिए सड़क निर्माण में बालू के साथ इंसानी हड्डियों को भी मिलाया गया था। कोलयमा हाइवे को बनाने में ढाई से दस लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसके पीछे की कहानी कुछ इस तरह है कि 1930 के दशक में इस हाइवे का निर्माण शुरू हुआ और इस काम में बंधुआ मजदूरों और कैदियों को लगाया गया। उन्हें कोलयमा कैंप में कैदी बनाकर रखा गया था। कोलयमा कैंप में अगर कोई कैदी एक बार चला जाता था, तो उसका वहां से वापस लौटना नामुमकिन सा हो जाता था। जो लोग यहां से भागने की कोशिश करते थे, वो ज्यादा दिन तक जिंदा नहीं रह पाते थे, क्योंकि या तो वो भालुओं का शिकार हो जाते थे या भयंकर ठंड से मर जाते थे या फिर भूख से। कहते हैं कि जो कैदी मर जाते थे, उन्हें वहीं सड़क के अंदर ही दफन कर दिया जाता था। इस हाइवे का निर्माण सोवियत संघ के तानाशाह कहे जाने वाले जोसेफ स्टालिन के समय में किया गया था।

एक श्राप ने कर दिया किराडू मंदिर को वीरान

किराडू मंदिर को लेकर मान्यता है कि शाम होते ही यहां भूतों का साया हो जाता है। वहीं जो मंदिर इस वक्त खंडहर बन चुके हैं वहां कदम रखते ही लोग हमेशा के लिए पत्थर बन जाते हैं कई लोग कहते हैं कि यहां श्राप है, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि जादू टोना है, कुछ लोग इसे भगवान का चमत्कार भी मानते हैं लेकिन भूतों या श्राप वाले इस जगह की हकीकत कोई नहीं जानता ना ही आज तक किसी ने ही शाम को रोकने की हिम्मत जताई है। न किसी ने जानने की कोशिश की जिससे इस रहस्य का सच पता लगाया जा सके और इसी वजह से आज तक किराडू मंदिर का रहस्य बरकरार है।

सरकार भी नही देती ध्यान

हिंदुस्तान में किराडू मंदिर जैसी न जाने कितने धर्म स्थल व किले हैं जहां ऐसी मान्यताएं या लोगों का विश्वास अंधविश्वास है। इन सभी जगहों के रहस्य का पताप नहीं लगाया जाता। वहीं इतना ही सरकार इन पर ध्यान भी नही देती है कि जिससे इन बातों का सच पता लगाया जा सके। इसी वजह से इतिहास के पन्नों में मौजूद इन धार्मिक व पौराणिक जगहों को हम खंडार बनते हुए देखते हैं।

किराडू में एक समय बसता था शहर

किराडू मंदिर के लिए मान्यता है कि एक समय यहां भी हर तरह की सुख सुविधा हुआ करती थी। एक समय ऐसा था जब किराडू शहर में भी चहल-पहल थी। एक समय यहां पर लोग खुशहाली का जीवन जी रहे थे, लेकिन एक दिन अचानक ऐसा आया कि सबकी किस्मत बदल गई। हंसता मुस्कुराता हुआ शहर थम सा गया, जो लोग अपना जीवन यहां जी रहे थे। उनका जीवन रुक गया। किराडू मंदिर के पीछे जो इतिहास है उसके बारे में आपको जानकारी दें तो बताया जाता है कि एक समय यहां किसी सिद्ध पुरुष ने शहर में डेरा डाला था। एक दिन वह संत अपनी तीर्थ स्थानों पर भ्रमण यात्रा करने के लिए चला गया। उसने एक गांव वालों को कहा कि गांव वाले उस संत के साथियों का ख्याल रखें। उसने गांव वालों से कहा कि कृपया मेरे साथियों के खाने-पीने व सभी चीजों का प्रबंध मेरे जाने के बाद कर दीजिएगा। कहते हैं कि उसके जाने के बाद संत के साथ ही बीमार पड़ गए और गांव में से किसी भी व्यक्ति ने उसके साथियों की मदद नहीं की, लेकिन गांव की एक औरत जो कुम्हार जाति की थी उसने उन लोगों की मदद की थी। बाकी सभी लोगों ने संत के साथियों पर कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब सिद्ध पुरुष संत भ्रमण करके वापस लौटे तब उन्होंने देखा कि उनके साथ ही बीमार पड़ गए है। एक कुम्हार जाति की महिला के अलावा किसी ने भी उनकी सहायता नहीं की है, जिसके बाद वह संत क्रोधित हो गए और उन्होंने श्राप देते हुए इस शहर के बारे में कहा कि जिस शहर में साधुओं के प्रति दया भाव नहीं वहां अन्य लोगों के लिए क्या होगा। इस शहर में मानवता को रहना ही नहीं चाहिए और उन्होंने श्राप देते हुए कहा कि शाम होते-होते यहां सब पत्थर हो जाएगा।

कुम्हारिन को बचाया लेकिन वह भी बनी पत्थर

जिस साधु ने किराडू शहर को श्राप दिया था उसने उस कुम्हारी जाति की महिला को कहा था कि वह शाम होते-होते शहर को छोड़ दे। सिद्ध पुरुष ने कहा कि कृपया करके आप पीछे मुड़कर मत देखना नहीं तो आप भी पत्थर बन जाएंगी। लेकिन जब वह महिला गांव छोड़कर जाने लगी तो थोड़ी दूर जाकर उसने पीछे मुड़ कर देख लिया और वह भी पत्थर बन गई। तभी से मान्यता है कि जो भी व्यक्ति शाम के बाद इस शहर में रुकता है वह भी पत्थर बन जाता है।

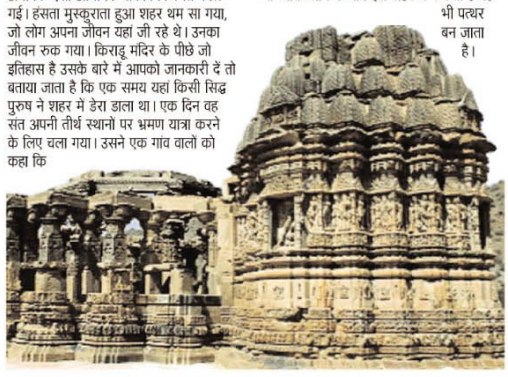

हिंदुस्तान आस्था और चमत्कारों का देश है। हमारे भारत में हर मंदिर हर मजार हर गुरुद्वारे हर धर्म स्थल का कोई ना कोई इतिहास है। कई लोग इन इतिहास को चमत्कारों के रूप में भी मानते हैं। वहीं कुछ लोगों इसे अंधविश्वास का रूप भी मानते है। ऐसा ही एक गांव और एक मंदिर है जहां लोग मानते हैं कि वहां जाने से रात में लोग पत्थर के बन जाते हैं। यह मंदिर है राजस्थान के बाड़मेर जिले के किराडू शहर में, किराडू मंदिर में मान्यता है कि जो भी लोग रात को यहां रुकते है वह सुबह तक पत्थर बन जाते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यहां भूत का साया है वहीं कुछ लोग मानते हैं कि यहां श्राप है, जिसका असर देखने को मिलता है।

श्रापित गांव जहाँ लोग श्राप से मूर्ति बन गए

राजस्थान के मंदिर विश्व प्रसिद्ध है जिनकी राजस्थान की मंदिरों की वास्तु शैली और वास्तुकला विश्व प्रसिद्ध है जो देश विदेश के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। शान की ऐतिहासिक धरोहर किराडू मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। ऐतिहासिक स्थलों में से एक किराडू मंदिर की शिल्प कला देखने योग्य है। किराडू मंदिर का रहस्य में इतिहास विश्व प्रसिद्ध है। एक जमाने में किराडू मंदिर में लोगों की भीड़ जमा रहती थी लेकिन एक श्राप ने किराडू मंदिर को वीरान कर दिया। राजस्थान सबसे अधिक किले और स्मारक और मंदिर वाला राज्य है जो भारत के पर्यटकों को की पहली पसंद है। राजस्थान का गौरवशाली इतिहास यहां के किलो और पर्यटन स्थलों से जुड़ा हुआ है। बाड़मेर जिले के नजदीक राजस्थान के बाड़मेर जिले में बना किराडू मंदिर कई साल पुराना मंदिर है। किराडू मंदिर बाड़मेर के किराड गांव में स्थित है जो बाड़मेर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। किराडू मंदिर बाड़मेर का सर्वश्रेष्ठ और रहस्यमई मंदिर है। किसी जमाने में किराडू मंदिर में अनेक देवी देवताओं के मंदिर थे लेकिन आज सब कुछ एक खंडहर मात्र है बस यहां के 2 मंदिर ही हैं जिसमें से एक भगवान शिव और दूसरा विष्णु जी का मंदिर है। राजस्थान का किराडू मंदिर अपनी शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। किराडू मंदिर का इतिहास यहाँ की हस्तकला को भी दर्शाता है। किराडू किले के लिए की सुंदरता के कारण मुगल शासकों ने भी इस किले पर आक्रमण किया था। परमार शासकों ने 11वीं शताब्दी में किराडू मंदिर बनवाया था लेकिन मरम्मत के अभाव में आज किराडू मंदिर एक खंडहर बन चुका है। किराडू किला निर्माण में अनेक हस्तशिल्प प्रतिमाएं बनाई गई है जिनको देखने पर हकीकत में होने का आभास कराती है।

नॉर्वे स्थित लॉन्गइयरबेन सिटी में पिछले 70 सालों से नहीं हुई है किसी भी इंसान की मौत

ये दुनिया भी बहुत अजीब है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि नॉर्वे के एक छोटे से शहर लॉन्गइयरबेन के बारे में पूरी दुनिया कह रही है. हर इंसान को ज़िंदगी में कभी न कभी मौत का सामना करना पड़ता है, लेकिन नार्वे के इस शहर ने मानों मौत पर विजय पा ली है! ये सुनने के बाद आपको एक पल के लिए हैरानी तो ज़रूर होगी, लेकिन ये सौ फीसदी सच है.

कहते हैं कि 'जन्म और मृत्यु' पर किसी का वश नहीं है, लेकिन नॉर्वे के में स्थित लॉन्गइयरबेन सिटी ने लोगों के मरने पर ही 'बैन' लगा दिया है. बताया जाता है कि दुनिया के इस अनोखा शहर में पिछले 70 सालों से किसी भी इंसान की मौत नहीं हुई है. लेकिन इसके पीछे की वजह जानकर आप हैरान रह जायेंगे. दरअसल, नॉर्वे के लॉन्गइयरबेन सिटी में साल भर मौसम बेहद ठंडा बना रहता है. ठंड के मौसम में तापमान इतना कम हो जाता है कि इंसान का ज़िंदा रह पाना भी मुश्किल हो जाता है, अगर किसी की मौत हो भी जाती है तो ठंड के चलते डेड बॉडी कई सालों तक ऐसी की ऐसी पड़ी रहती है. कड़ाके की ठंड की वजह से न तो वो गलती है और न ही सड़ती है. इस वजह से शवों को नष्ट करने में सालों लग जाते हैं. कड़ाके की ठंड की वजह से लंबे समय तक शव नष्ट नहीं होने की वजह से लॉन्गइयरबेन सिटी प्रशासन को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. शव सालों साल इसी तरह पड़े रहने से शहर में कोई खतरनाक बीमारी न फैले इस वजह से यहां लोगों के मरने की इजाज़त नहीं है. अगर कोई इंसान गंभीर रूप से बीमार पड़ता भी है तो उसे दूसरे शहर में शिफ्ट होने को कह दिया जाता है. दरअसल, वैज्ञानिकों ने कुछ साल पहले जब एक बॉडी पर शोध किया तो पाया कि साल 1917 में जिस शख्स की मौत इनफ्लुएंजा की वजह से हुई थी, उसके शरीर में इनफ्लुएंजा के वायरस जस के तस पड़े रहने से लोगों पर बिमारी का खतरा मंडराने लगा था. इसके बाद प्रशासन ने शहर में मौत पर पाबंदी लगा दी थी. आज अगर इस शहर में कोई व्यक्ति मरने की स्टेज पर होता है या किसी को कोई मेडिकल इमरजेंसी आती है तो उस व्यक्ति को हेलिकॉप्टर की मदद से देश के दूसरे शहर ले जाया जाता है. इस दौरान अगर उसकी मौत हो जाती है उसी शहर में उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया जाता है. करीब 2000 लोगों की आबादी वाले इस शहर में अगर कोई व्यक्ति बीमार भी पड़ता है, तो उसे प्लेन या हेलीकॉप्टर से तुरंत दूसरी जगह पर पहुंचा दिया जाता है.

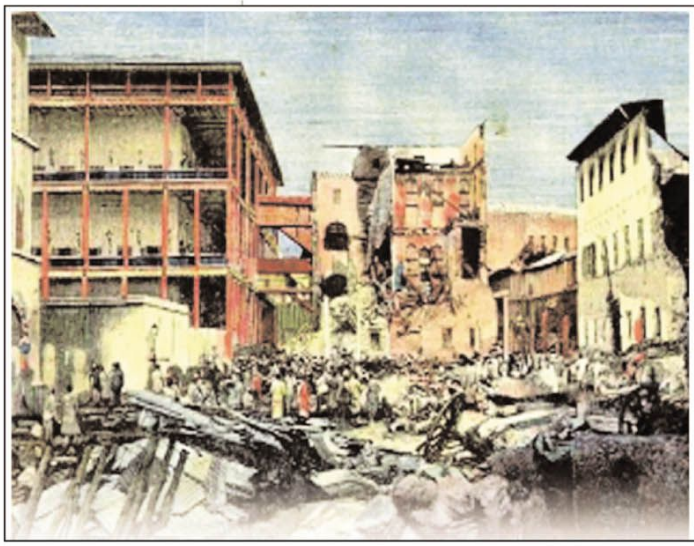

महज 38 घंटों में खत्म हो गया था इंग्लैंड और जांजीबार युद्ध

बात 1890 की है जब जांजीबार ने ब्रिटेन और जर्मनी के बीच हुई एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस संधि की वजह से जांजीबार पर ब्रिटेन का अधिकार हो गया, जबकि तंजानिया का अधिकाश हिस्सा जर्मनी के हिस्से में चला गया। संधि के बाद ब्रिटेन ने जांजीबार की देखभाल का जिम्मा हमद बिन थुवैनी के हाथों में सौंप दिया, जिसके बाद थुवैनी ने खुद को वहां का सुल्तान घोषित कर दिया। हमद बिन थुवैनी ने 1893 से 1896 यानी तीन साल तक शांति और जिम्मेदारी से जांजीबार पर अपना शासन चलाया, लेकिन 25 अगस्त 1896 को उनकी मौत हो गई, जिसके बाद थुवैनी के भतीजे खालिद बिन बर्घाश ने खुद को जांजीबार का सुल्तान घोषित कर दिया और जांजीबार की सत्ता हथिया ली। कहते हैं कि सत्ता हथियाने के लिए खालिद ने ही हमद बिन थुवैनी को जहर देकर मार दिया था। अब चूंकि जांजीबार पर ब्रिटेन का अधिकार था, ऐसे में बिना उनकी इजाजत के खालिद बिन बर्घाश द्वारा जांजीबार की सत्ता हथिया लेना उन्हें नागवार गुजरा, जिसके बाद ब्रिटेन ने खालिद को सुल्तान पद से हटने का आदेश दिया, लेकिन खालिद ने उनके इस आदेश को अनसुना कर दिया। ऊपर से उसने अपनी और महल की सुरक्षा के लिए चारों तरफ करीब तीन हजार सैनिकों को तैनात कर दिया। यह बात जब ब्रिटेन को पता चली तो उसने एक बार फिर खालिद से सुल्तान पद छोड़ने को कहा, लेकिन खालिद ने ऐसा करने से मना कर दिया। जांजीबार को फिर से अपने अधिकार में लेने के लिए ब्रिटेन के पास बस एक ही रास्ता बचा था और वो था युद्ध। लिहाजा ब्रिटेन ने पूरी तैयारी और रणनीति के साथ जांजीबार पर आक्रमण के लिए अपनी नौसेना भेजी। 27 अगस्त 1896 की सुबह ब्रिटिश नौसेना ने अपने जहाजों से जांजीबार के महल पर बमबारी शुरू कर दी और उसे नष्ट कर दिया। महज 38 मिनट में ही एक संघर्ष विराम की घोषणा हुई और युद्ध समाप्त हो गया। इसे ही इतिहास का सबसे छोटा युद्ध माना जाता है। दिसंबर 1963 में जांजीबार ब्रिटेन से आजाद हो गया था, लेकिन इसके एक महीने बाद ही यहां एक खूनी क्रांति हुई। कहते हैं कि इस क्रांति में हजारों अरबी और भारतीय मारे गए और हजारों को जांजीबार से निकाल दिया गया। इसके बाद जांजीबार और पेम्बा गणतंत्र की स्थापना हुई। इसके कुछ ही महीने बाद इस गणराज्य को तन्गानिका में शामिल कर लिया गया और फिर बाद में तन्गानिका और जांजीबार के संयुक्त गणराज्य को यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया नाम दिया गया। हालांकि जांजीबार अभी भी तंजानिया का एक अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। यहां की अलग सरकार है, जिसे रिवॉल्यूशनरी गवर्नमेंट ऑफ जांजीबार के नाम से जाना जाता है।

करियर में कैसे पाएं सफलता?

आज के दौर में हर फील्ड में प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में करियर में सफलता मिलना आसान नहीं है। लेकिन अगर आप सही दिशा में काम करें तो आपके सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। ऐसे में आइए हम आपको यहां पर कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिनका पालन करके आप करियर में सफल हो सकते हैं।

हर कोई सफलता को अलग-अलग तरीके से परिभाषित करता है। कई लोग करियर की सफलता को इस आधार पर परिभाषित करते हैं कि उन्हें काम में मजा आ रहा है? वहीं, कुछ लोगों के करियर में सफलता का मतलब, अच्छी सैलरी, कम काम आदि है। हर व्यक्ति में अपने करियर में कामयाब होना चाहता है। कुछ को करियर में सफलता जल्दी नसीब हो जाती है। जबकि कुछ को देर में या फिर सफलता नसीब होने के बजाय जीवनभर संघर्ष ही करना पड़ता है।

सही करियर का चुनाव

चाहे आप अभी-अभी वर्कफोर्स में प्रवेश कर रहे हों या आप पहले से ही अपने करियर में स्थापित हो चुके हों। लेकिन पहले आप सुनिश्चित करें कि आपने सही पेशा चुना है? विचार करें कि क्या आप स्वयं को प्रतिदिन अपना कार्य करते हुए देख सकते हैं। आपका काम आपके व्यक्तित्व, आपकी रुचियों और आपके मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। अगर आपने ऐसा करियर चुन लिया है, जिसमें आपका मन नहीं लग रहा है तो आप अपने करियर में कभी सफल नहीं हो सकेंगे।

खुद की पसंद से करें करियर का चुनाव

जब आपके करियर की बात आती है तो आपके परिवार और दोस्तों की बहुत सारी राय हो सकती है। लेकिन आप उनके इनपुट के आधार पर ऐसा करियर चुने, जिसमें आपको मजा आता हो। अगर आप दूसरों के दबाव में करियर चुनाव करेंगे तो आप कभी-कभी उसमें अच्छा नहीं कर पाएंगे।

खुद से पूछे कि आप किस तरह की सफलता चाहते हैं?

जब सफलता की बात आती है तो हर किसी की एक अलग परिभाषा होती है। उदाहरण के लिए कुछ लोग इसे सैलरी से परिभाषित करते हैं। जबकि कुछ लोग काम घंटों, सैलरी सहित अन्य पैमानों के आधार पर सफलता को परिभाषित करते हैं। ऐसे में सही होगा कि आप खुद ही सफलता के पैमाने का निर्धारण करें।

अपनी गलतियों को ठीक करें और सीखें

आपका अनुभव चाहे जो भी हो, आप गलतियां करने के लिए बाध्य हैं, भले ही आप उनसे बचने की कोशिश करें। जब आप कोई गलती करते हैं तो अपनी गलती स्वीकार करना और उसे ठीक करने के तरीके पर काम करना महत्वपूर्ण है। समय पर ठीक करें।

लोगों से लें मदद

जैसे-जैसे आप अपने करियर में आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे आपको किसी अन्य की मदद की भी जरूरत होती है। ऐसे में आप अपने से ज्यादा जानकारी वाले लोगों के संपर्क में रहें और समय-समय पर उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। यदि आपने अभी तक अपनी पसंद के क्षेत्र में प्रवेश नहीं किया है, तो किसी गुरु से आप जिस व्यवसाय पर विचार कर रहे हैं उसके बारे में और जानें। मार्गदर्शन प्राप्त करने से आपको अपने लक्ष्यों को अधिक कुशलता से प्राप्त करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित हो सकता है कि आप सही करियर पथ पर हैं।

अपनी सफलता के लिए खुद से करें प्रयास

अपनी सफलता के लिए खुद भी प्रयास करें। अपनी पिछली उपलब्धियों पर विचार करें व अपनी सफलताओं पर किसी के बधाई देने की प्रतीक्षा करने के बजाय, उन्हें स्वयं पहचानें और अपने करियर में अब तक जो कुछ भी हासिल किया है उस पर गर्व करें। ऐसा करने से आपको अपनी अगली उपलब्धि या लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में मदद मिल सकती है।

पॉजिटिव रहने की करें कोशिश

भले ही आपको लगने लगे कि आप अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए अच्छे नहीं हैं, फिर भी पॉजिटिव मानसिकता बनाए रखें। ऐसे किसी भी विचार को त्याग दें जो आपके आत्मसम्मान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता हो। इसके बजाय, आप जिस चीज में अच्छे हैं उस पर ध्यान केंद्रित करें। यदि आपके पास स्किल नहीं है और आपको लगता है कि आपको उन्हें सुधारने की जरूरत है तो उसपर काम करें।

दमदार साउंड वाला छोटू स्पीकर लाया सोनी, लगातार 25 घंटे सुनाएगा गाने

इस साल की शुरुआत में सोनी ने ग्लोबल मार्केट में LinkBuds ब्लूटूथ स्पीकर लॉन्च किया था। यह स्पीकर अब चीन में लॉन्च कर दिया है। स्पीकर बेहद कॉम्पैक्ट साइज में आता है और इसे आसानी से बैग में रखकर कहीं भी ले जाया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि 10 मिनट की चार्जिंग में यह 70 मिनट तक गाने सुना सकता है। यह 50वें वॉल्यूम पर लगातार 25 घंटे तक गाने सुना सकता है। कितनी है कीमत और क्या है इस स्पीकर में खास, चलिए डिटेल में बताते हैं सबकुछ...

Sony LinkBuds Speaker के बेसिक स्पेसिफिकेशन

सोनी ने लिंकबड्स ब्लूटूथ स्पीकर के वाइनीज वेरिएंट को खासतौर से वाइनीज म्यूजिक से हिसाब से ट्यून किया है। कंपनी का कहना है कि यह 50% वॉल्यूम पर 25 घंटे तक का प्लेबैक टाइम प्रदान करता है, यानी एक बार चार्ज कर इसमें लंबे समय तक गाने सुने जा सकते हैं। इतना ही नहीं, स्पीकर क्विक चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है, जो केवल 10 मिनट के चार्जिंग में 70 मिनट का प्लेटाइम प्रदान करता है।

साउंड भी दमदार

इसमें डुअल-स्पीकर सिस्टम लगा हुआ है। इसमें 10W पावर आउटपुट वाला 16 एमएम हाई-फ्रीक्वेंसी ड्राइवर और 12W पावर आउटपुट वाला 48×56 एमएम मिड-लो फ्रीक्वेंसी ड्राइवर लगे हुए हैं। इसके अलावा, इसमें दो पैसिव रेडिएटर भी लगे हैं, जो बास रिस्पॉन्स और ओवरऑल साउंड क्वालिटी को बढ़ाते हैं। यह एक बिल्ट-इन एम-मास्टर एम्पलीफायर के साथ आता है, जो क्रिस्प और इमर्सिव ऑडियो परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है।

मल्टी-डिवाइस पेयरिंग भी

यह स्पीकर सहज कनेक्टिविटी और मल्टी-पॉइंट पेयरिंग के लिए ब्लूटूथ 5.2 को सपोर्ट करता है, जिससे यह एक साथ दो डिवाइस से कनेक्ट हो सकता है। इसमें ऑटो स्विच फंक्शनलिटी है, जिससे कम्पैटिबल सोनी हेडफोन और स्पीकर के बीच म्यूजिक आसानी से प्ले होता है। यह फीचर WH-1000XMz, WF-1000XMz, लिंकबड्स फिट, लिंकबड्स ओपन और लिंकबड्स एस जैसे मॉडल्स के साथ कम्पैटिबल है, जिन्हें अपडेट और कॉन्फिगरेशन के लिए सोनी साउंड कनेक्ट ऐप की आवश्यकता होती है।

क्विक एक्सेस बटन, वायरलेस चार्जिंग

इसमें क्विक एक्सेस बटन भी है, जिससे यूजर QQ म्यूजिक या एंडेल जैसे ऐप से अपना पसंदीदा गाना तुरंत चला सकते हैं। इसके अलावा, यह स्टीरियो पेयरिंग को सपोर्ट करता है, जिससे दो स्पीकर एक सराउंड साउंड एक्सपीरियंस प्रदान करते हैं। इस स्पीकर में कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल डिजाइन है, जिसमें एक डेडिकेटेड वायरलेस चार्जिंग डॉक और सुविधा के लिए एक बिल्ट-इन हैंडल है। धूल और पानी से सुरक्षित रहने के लिए इसे IPX4 रेटिंग दी गई है।

सोनी साउंड कनेक्ट ऐप कई तरह के फीचर्स भी प्रदान करता है, जिसमें इक्वलाइजर, ऑटो प्ले और बेहतर उपयोगिता के लिए कस्टम सेटिंग्स शामिल हैं। इसका डाइमेंशन 84×110×90 एमएम है, और इसका वजन लगभग 520 ग्राम है।

स्पीकर की कीमत और उपलब्धता

सोनी लिंकबड्स ब्लूटूथ स्पीकर 1,299 यूआन (करीब 15,000 रुपये) में उपलब्ध है। इसे ब्लैक और लाइट ग्रे कलर ऑप्शन में खरीदा जा सकता है। यह स्पीकर सोनी के ऑफिशियल चैनल्स और अथॉराइज्ड रिटेलर्स के माध्यम से चीन में खरीदने के लिए उपलब्ध है।

जीजाबाई का सपना

माँ जीजाबाई अपने छोटे से बेटे को रोज कहानियाँ सुनाती थी। वे कहानियाँ ध्रुव, प्रह्लाद और अभिमन्यु की थीं।भारत के उन महान वीरों और रणबाँकुरों की भी, जिनके शौर्य और वीरता ने एक नया इतिहास रचा। वह बालक भी उन्हें सुनता है और माँ से कहता है, माँ, मैं भी बड़े होकर बड़े-बड़े काम करूँगा। बड़ी-बड़ी लड़ाइयाँ लड़कर देश को स्वाधीन करूँगा।

शाबाश बेटे। माँ के होंठों से निकलता है और आँखों से अपने नन्हे से पुत्र के लिए ममता बरसने लगती है।

माँ, क्या तुम्हें मुझ पर यकीन नहीं है? नन्हा सा बेटा पूछता है।

पूरा यकीन है बेटे, इसीलिए तो तुझे मैं रोज देश के महान गौरव की कथाएँ सुनाती हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि तू एक दिन भारत भूमि को स्वाधीन करके इसके गौरव की रक्षा करेगा। महाराष्ट्र में शिवनेरी के पहाड़ी किले में जन्मा था यह वीर बालक। माँ जीजाबाई ने शिवा भवानी से बेटे की कामना की थी, इसलिए बेटे का नाम शिवा रखा गया। शिवाजी के पिता शहाजी ने तुकाबाई मोहते के साथ दूसरा विवाह कर लिया था और उसके साथ वे नई जागीर में रहने लगे थे। जीजाबाई अपने बेटे शिवा को लेकर पूना के निकट एक छोटी सी जागीर में रहने के लिए आ गईं। शहाजी ने दादाजी कोंडदेव को इस जागीर के प्रबंध का जिम्मा सौंपा। दादाजी बड़े वीर और बुद्धिमान थे। उन्होंने पूना में जीजाबाई के रहने के लिए लालमहल बनवाया और कुशलता से जागीर का प्रबंध सँभालने लगे।

दादा जी ने ही मुगलों के खिलाफ लड़ने का अपार साहस भरा। उन्होंने ही शिवा को व्यूह-रचना सिखाई और छापामार लड़ाई से दुश्मन को ध्वस्त करने की रणनीति भी। अब तो शिवा के भीतर नया जोश जाग गया। देश और जननी के लिए कुछ करने की आकांक्षा करवट लेने लगी। जैसे-जैसे शिवाजी बड़े हुए उनके भीतर यह संकल्प और भी मजबूत होता गया कि अपना तन-मन-धन सब कुछ समर्पित करके, हमें इस महान देश की स्वतंत्रता, गौरव और स्वाभिमान की रक्षा करनी होगी। देश की रक्षा के लिए जीवन भर लड़ने और अपना सब कुछ बलिदान कर देने वाले वीरों की सेना बनाकर अपना अभियान शुरू करना होगा।

और जल्दी ही उन्होंने ऐसे तरुणों को इकट्ठा कर लिया, जिनकी रग-रग में देश के स्वाभिमान की लहर हिलोरें लेती थी और वह निरंतर उन्हें देश पर मर मिटने की प्रेरणा देती थी।

जल्दी ही शिवाजी ने अपनी छोटी सी लेकिन बड़ी ही लड़ाकू सेना बना ली। उन्होंने समझ लिया था कि भारतीय जनता को हीनता से उबारकर उसमें आत्मबल का संचार करने और उसे ऊँचे आदर्शों की राह पर ले जाने के लिए एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना बहुत जरूरी है। बस, अब वे प्राण-प्रण से इसी योजना में जुट गए और जल्दी ही सामरिक महत्व के कुछ छोटे पहाड़ी किले उन्होंने जीत लिए।

इससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ गया था। माता जीजाबाई का आशीर्वाद उनके साथ था। बड़े वीर और जुझारू साथी उन्हें मिल गए थे। मन में नई हिलोरें थीं। फिर भला उन्हें आगे बढ़ने से कौन रोक सकता था?

फिर दादा कोंडदेव का बड़ा ही कुशल मार्गनिर्देशन पग-पग पर मिलता था। दादाजी कोंडदेव पिता के समान ही प्यार से उन्हें युद्ध और राजनीति की शिक्षा देते थे। इससे शिवाजी के भीतर साहस और सूझ-बूझ पैदा हुई। उन्होंने युद्ध लड़कर अपना स्वतंत्र राज्य स्थापित करने का निश्चय कर लिया। पूना जिले में तब कोली लोग रहते थे, जो लूटपाट और डकैती करते थे। दादाजी ने धीरे-धीरे इन्हें युद्ध और देशभक्ति की शिक्षा दी और यही लोग पहले-पहल शिवाजी के सैनिक बने।

शिवाजी ने मावले लोगों की ऐसी वीर सेना बना ली जो हर खतरे से लड़ सकती थी। वे दुश्मन के किले में घुसकर ऐसी मारकाट मचाते कि वे भौचक्के होकर भाग खड़े होते और दुर्ग पर शिवाजी का झंडा लहराने लगता। लोग कहते, शिवाजी से जीतना आसान नहीं है। उन्हें तो सचमुच शिवजी का आशीर्वाद प्राप्त है और वही उनकी रक्षा करते हैं। शिवाजी अपने सैनिकों से बहुत प्रेम करते थे और उनके हर सुख-दुख की परवाह करते थे। इसलिए सैनिक शिवाजी पर जान छिड़कते थे। विजयपुर राज्य की हालत बिगड़ने पर शिवाजी ने अपने वीर सैनिकों की मदद से तोरणा किला जीता और उसका नाम राजगढ़ रखा। कुछ समय बाद दादा जी का देहांत हो गया। उन्होंने मरते समय शिवा को आशीर्वाद दिया, भवानी ने जो तुम्हें मार्ग दिखाया है, उसी पर चलो। तुम्हारा मनोरथ पूरा होगा।

इसके बाद शिवाजी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने कोंढाना किला जीता और उसका नाम बदलकर सिंहगढ़ रख दिया। बाद में बीजापुर के सुल्तान ने शिवाजी के पिता शाहजी को कैद कर लिया, तो शिवा को उन्हें छुड़ाने के लिए बीजापुर सुल्तान के साथ संधि करनी पड़ी। बदले में उन्होंने बंगलुरु, कोंढाना और कंदपी के किले सुल्तान को सौंप दिए।

पर कुछ समय शांत रहने के बाद शिवा दूने जोश से अपने अभियान में जुट गए। एक-एक कर अनेकों महत्त्वपूर्ण किले उन्होंने जीते और अपने राज्य का दूर-दूर तक विकास कर लिया। बीजापुर सुल्तान ने अफजल खाँ को उन्हें परास्त करने भेजा। अफजल खाँ के पास बड़ी विशाल सेना थी। पर शिवाजी जरा भी नहीं डरे। उनकी सेना का एक-एक वीर सैनिक शेर था, जो सैकड़ों पर भारी था। दुष्ट और धोखेबाज सरदार अफजल खाँ भी यह बात जानता था कि शिवाजी को युद्ध में हराना उसके बस की बात नहीं है। लिहाजा वह छल और कूटनीति से उन्हें मारना चाहता था। उसने संधि और बातचीत की पेशकश की।

शिवाजी अच्छी तरह जानते थे कि अफजल खाँ के मन में क्या है?

वह धोखे से उनका वध करना चाहता था। पर शिवाजी भी पूरी तरह सतर्क थे। वे बघनखा पहनकर गए थे। जैसे ही उन्हें अफजल खाँ के बुरे इरादे का पता चला, उन्होंने बघनखे से उनका पेट फाड़ दिया और चतुराई से बचकर निकल आए। इससे शिवाजी की चतुराई और कूटनीतिक कुशलता की कीर्ति दूर-दूर तक फैल गई। हर ओर शिवाजी की वीरता और साहस की कहानियाँ फैल गईं।

शिवाजी में भारतीय संस्कृति की रक्षा करने और मातृभूमि को स्वतंत्र करने का भाव जगाने वाले समर्थ गुरु रामदास की प्रेरणा और आशीर्वाद शिवाजी के लिए मानो रक्षा-कवच बन गया था। उन्होंने शिवाजी को आशीर्वाद देते हुए कहा था, तुम देश की रक्षा के लिए युद्ध कर रहे हो। इसलिए माँ भवानी का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है। वे तुम्हारा बाल बाँका नहीं होने देंगी। और सचमुच बड़े से बड़े खतरों से बचकर वे सकुशल बाहर निकल आए।

हालाँकि शुरू में समर्थ गुरु रामदास उन्हें बड़ी मुश्किलों से मिले। शिवाजी ने समर्थ गुरु रामदास की तेजस्विता के बारे में सुना, तो उनसे मिलने के लिए विकल हो उठे। पर स्वामी रामदास भी उनकी परीक्षा ले रहे थे। वे उनके सामने आते ही न थे। तब शिवाजी ने प्रतिज्ञा की, जब तक समर्थ गुरु रामदास के दर्शन न कर लूँगा, तब तक मैं भोजन ग्रहण न करूँगा।

आखिर शिवा की विकलता जानकर गुरु रामदास ने उन्हें दर्शन दिए। शिवा अपना सब कुछ त्यागकर गुरु जी की सेवा करना चाहते थे। तब गुरु रामदास ने उन्हें प्यार से फटकारते हुए कहा, तो क्या इसीलिए तुम मेरे पास आए हो? तुम क्षत्रिय हो। तुम्हारा काम देश और प्रजा की रक्षा करना है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया था, उसे याद करो और अपना कर्तव्य पूरा करो।

इससे शिवाजी के मन में नया जोश पैदा हुआ और उन्हें अपना कर्तव्य दिखाई देने लगा।

एक बार समर्थ गुरु रामदास ने शिवाजी से कहा, शिवा, आज तुमसे भिक्षा माँगता हूँ। दे, तू मुझे जो भी दे सकता है?

शिवाजी बोले, गुरुदेव, मैं तो अकिंचन हूँ। मेरे पास जो कुछ भी है, वह तो आपका दिया हुआ ही है। स्वराज्य का सपना भी आपने ही मुझे दिखाया। एक छोटा सा राज्य मेरे पास है। इसी को मेरी तुच्छ भेंट या भिक्षा समझ लें।

इतना कहकर शिवा ने अपना सारा राज्य ही एक कागज पर लिखकर उनके दान-पात्र में डाल दिया।

इस पर गुरु रामदास ने मुसकराकर कहा, ठीक है शिवा, आज से यह राज्य मेरा हुआ। तुम मेरे प्रतिनिधि बनकर इसका प्रबंध सँभालो।

शिवाजी ने तभी से अपने झंडे का गेरुआ कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि यह राज्य गुरु रामदास का है और मैं तो उनका एक सेवक मात्र हूँ।

औरंगजेब ने शिवाजी की शक्ति को निरंतर बढ़ते हुए देखा, तो महाराज जयसिंह को उन्हें पराजित करने के लिए भेजा। जयसिंह के समझाने पर शिवाजी अपने बेटे के साथ औरंगजेब से मिलने आगरा गए। पर औरंगजेब ने उनका अपमान किया और एक कोठरी में बंद करवा दिया।

पर इस महान शेर को पिंजरे में कैद करना आसान न था। शिवाजी ने बीमार होने का बहाना बनाया। फिर धीरे-धीरे समाचार आने लगे कि शिवाजी अब स्वस्थ हो रहे हैं। इस खुशी में उन्होंने फलों के टोकरे बाहर भिजवाए। उन्हीं बड़े-बड़े टोकरों में छिपकर वे बेटे समेत किले से निकल आए। फिर घोड़े पर बैठकर बिजली की सी तेजी से अपने राज्य में जा पहुँचे। मुगल सम्राट औरंगजेब हक्का-बक्का रह गया।

जिस समय शिवाजी हिंदू रीति से राजगद्दी पर बैठे, उन्होंने दल-बल के साथ रायगढ़ में जुलूस निकाला। आगे-आगे हाथी पर भगवा झंडा था। यह वास्तव में समर्थ गुरु रामदास के वस्त्र का ही एक टुकड़ा था। शिवाजी ने इसी को प्रतीक रूप में अपना ध्वज बनाया।

कुछ वर्ष बाद ही इस महान देशभक्त योद्धा का निधन हुआ। पर उन्होंने एक शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य की स्थापना करके भारत के गौरव को फिर से ऊँचा उठाने का जो संकल्प किया था, उसे बहुत कुछ अपने सामने पूरा होते देख लिया। उनका स्मरण करते ही मन में वीरता की लहर पैदा हो जाती है। अगर शिवाजी की तरह ही देश के लिए कुछ करने का भाव हो, तो हमारा देश फिर से अपने पुराने गौरव और वैभव को हासिल कर सकता है, जब कि सारी दुनिया इसे सोने की चिड़िया कहकर पुकारती थी।

अगर आप भी हैं इन बड़े बैंक के ग्राहक तो हो जाएं सावधान! हैकर्स कर सकते हैं अकाउंट खाली

Zscaler ThreatLabz की रिपोर्ट के अनुसार इन बैंक के मोबाइल ग्राहकों के ऊपर फिशिंग अटैक्स का खतरा काफी बढ़ गया है। जालसाज बैंक की असली वेबसाइट की तरफ दिखने वाली फेक वेबसाइट भी बना कर यूजर्स को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसके अलावा ये स्कैमर यूजर्स को ऐसे ईमेल भी भेजते हैं जो दिखने में बिल्कुल बैंक से आए ईमेल की तरफ लगते हैं।

अगर आपका भी बैंक अकाउंट आईसीसी, एक्सेस बैंक, एचडीएफसी में है तो आप पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

Zscaler ThreatLabz की रिपोर्ट के अनुसार इन बैंक के मोबाइल ग्राहकों के ऊपर फिशिंग अटैक्स का खतरा काफी बढ़ गया है। जालसाज बैंक की असली वेबसाइट की तरफ दिखने वाली फेक वेबसाइट भी बना कर यूजर्स को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इसके अलावा ये स्कैमर यूजर्स को ऐसे ईमेल भी भेजते हैं जो दिखने में बिल्कुल बैंक से आए ईमेल की तरफ लगते हैं। इनके पास कुछ ऐसे ट्रिक हैं जो यूजर के स्मार्टफोन में मैलवेयर की एंट्री करा देते हैं जिससे उन्हें डिवाइस का पूरा एक्सेस मिल जाता है।

फेक वेबसाइट्स और ईमेल्स के जाल में यूजर आसानी से फंस जाते हैं और अनजाने में साइबर क्रिमिनल्स को पर्सनल के साथ अपनी बैंकिंग डिटेल्स भी दे देते हैं। हैकर इन डिटेल्स का फायदा उठाते हैं और आपक पूरा बैंक अकाउंट खाली कर सकते हैं। ICICI, HDFC ¥ôÚU A&is Bank भारत में सबसे बड़े बैंकों में से एक हैं। इसलिए इन बैंक के ग्राहक साइबर क्रिमिनल्स की पहली पंसद बने हुए हैं। बड़ा कस्टमर बेस होने के कारण जालसाजों को एक बड़ा फिशिंग अटैक से बड़ा फायदा होने की उम्मीद रहती है। इसी कारण ये इन बैक के ग्राहकों को अपने जाल में फंसाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं।

इन कुछ तरीकों से आप रहे सकते हैं सेफ

फेक ईमेल और अनजान नंबर से आए एसएमएस को तुरंत डिलीट कर दें। इन मैसेज में दिए गए लिंक्स पर गलती से भी क्लिक न करें।

वेबसाइट के एड्रेस को कम से कम दो बार जरूर देख लें। लॉगिन डिटेल एंटर करने से पहले ये जरूर कन्फर्म कर लें कि आप बैंक की असली वेबसाइट पर ही हैं।

पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल करते समय अपने पर्सनल डीटेल को एंटर करने से बचें।

लुभावने ऑफर के लालच में न पड़े। कई बार साइबर क्रिमिनल यूजर्स को जाल में फंसाने के लिए आकर्षक डील और ऑफर देते हैं। इनका मेन टारगेट फिशिंग अटैक का होता है। यकीन न होने वाले ऑफर्स पर कभी भी भरोसा न करें।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में बढ़ा बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों का विरोध, शिकागो में भारतीय अमेरिकियों ने किया प्रदर्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल ही में हुए हमलों के खिलाफ शिकागो और उसके उपनगरों में रह रहे भारतीय मूल के अमेरिकियों ने एक सभा की और अमेरिका से उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। रविवार को शिकागो के एक उपनगर में सामुदायिक केंद्र में आयोजित बैठक में एक वीडियो संदेश में अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि वह इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश विभाग के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं हिंदुओं को उनके धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता के लिए लड़ना जारी रखूंगा, जिस तरह से वे चाहते हैं। 'हिंदू स्वयंसेवक संघ यूएसए के सिद्धेश शेवड़े ने हिंदू अमेरिकियों से अपने स्थानीय और संघीय प्रतिनिधियों से संपर्क करने और इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया। वकील लक्ष्मी सारथी ने कहा कि समुदाय को बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए निर्वाचित प्राधिकारियों से कार्रवाई की मांग करनी चाहिए।

ट्रंप की टीम में एक और भारतीय, हरमीत ढिल्लों को नियुक्त किया नागरिक अधिकार मामले की सहायक अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन, एजेंसी। पांच नवंबर को हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को भारी जीत मिली। इसी के साथ वह अमेरिका के नए राष्ट्रपति चुने गए। अब ट्रंप अगले साल 20 जनवरी को शपथ लेंगे। मगर, इससे पहले वह अपनी टीम का गठन करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया है। इसमें चंडीगढ़ से नाता रखने वाली भारतीय मूल की हरमीत के. ढिल्लों का नाम भी शामिल है। उन्हें न्याय विभाग में नागरिक अधिकार मामलों की सहायक अटॉर्नी जनरल के तौर पर चुना है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में हरमीत के. ढिल्लों को चुनते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, अपने पूरे करियर के दौरान हरमीत ने हमारी बहुमूल्य नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाई है, जिसमें हमारी मुक्त अभिव्यक्ति को सेंसर करने के लिए बड़ी तकनीक का सामना करना, उन ईसाइयों का प्रतिनिधित्व करना जिन्हें कोविड के दौरान एक साथ प्रार्थना करने से रोका गया था और उन निगमों पर मुकदमा करना जो अपने श्रमिकों के खिलाफ भेदभाव करने के लिए जागरूकता नीतियों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ढिल्लों देश के शीर्ष चुनाव वकीलों में से एक है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही हैं कि सभी, और केवल, कानूनी वोटों की गिनती हो। वह डार्टमाउथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया लॉ स्कूल से स्नातक हैं और यूएस फोर्थ सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में क्लर्क हैं। हरमीत सिख धार्मिक समुदाय की एक सम्मानित सदस्य हैं। न्याय विभाग में अपनी नई भूमिका में, हरमीत हमारे संवैधानिक अधिकारों का एक अथक रक्षक होंगी और हमारे नागरिक अधिकारों तथा चुनाव कानूनों को निष्पक्ष व दृढ़ता से लागू करेंगी। ढिल्लों ने इस साल जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में अरदास का पाठ किया था, जिसके बाद उन पर नस्लीय हमले हुए थे। पिछले साल वह रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए असफल रहीं। चंडीगढ़ में जन्मी 54 वर्षीय ढिल्लों बचपन में माता-पिता के साथ अमेरिका चली गई थीं। 2016 में, वह क्लीवलैंड में जीओपी कन्वेंशन के मंच पर दिखाई देने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी थीं।

भारतीय मूल की ब्रिटिश छात्रा अनुष्का काले ऐतिहासिक कैम्ब्रिज यूनियन की अध्यक्ष चुनी गई

लंदन , एजेंसी। भारतीय मूल की ब्रिटिश छात्रा को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक कैम्ब्रिज यूनियन सोसाइटी का अध्यक्ष चुना गया है। यह सोसाइटी विश्व की सबसे पुरानी वाद-विवाद समितियों में से एक है, जो 1815 से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्षधर के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। हाल में संपन्न चुनाव में अनुष्का काले ने 126 मत प्राप्त कर अगले ईस्टर 2025 के कार्यकाल के लिए निर्विरोध निर्वाचित होने का गौरव प्राप्त किया।

काले ने कहा, 'ईस्टर 2025 के लिए कैम्ब्रिज यूनियन सोसाइटी का अध्यक्ष चुने जाने पर मैं अत्यंत प्रसन्न और सम्मानित महसूस कर रही हूं तथा सदस्यों के समर्थन के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा, ''अपने कार्यकाल के दौरान मैं विश्वविद्यालय के इंडिया सोसाइटी जैसे सांस्कृतिक समूहों के साथ अधिक सहयोग के माध्यम से यूनियन में विविधता और पहुंच का विस्तार करने का प्रयास करूंगी। मैं अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं और वैश्विक वाद-विवाद प्रस्तावों की मेजबानी जारी रखने के लिए भी विशेष रूप से उत्साहित हूं, जैसा कि मैंने सोसाइटी के वाद-विवाद अधिकारी के रूप में किया था।

कैम्ब्रिज यूनियन सोसाइटी के पूर्व अध्यक्षों और अधिकारियों में प्रसिद्ध अंग्रेज अर्थशास्त्री और दार्शनिक जॉन मेनार्ड कीन्स, उपन्यासकार रॉबर्ट हैरिस और हाल के वर्षों में ब्रिटिश भारतीय सहकर्मी और कोबरा बीयर के संस्थापक करण बिलिमोरिया शामिल हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की ऑक्सफोर्ड यूनियन सोसाइटी की तरह, कैम्ब्रिज यूनियन की भी अपने कक्ष में सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों की मेजबानी करने की एक लंबी परंपरा रही है।

इनमें अमेरिकी राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट और रोनाल्ड रीगन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों विंस्टन चर्चिल, मार्गरेट थैचर और जॉन मेजर से लेकर स्टीफन हॉकिंग, बिल गेट्स और दलाई लामा तक शामिल हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सिडनी ससेक्स कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य की 20 वर्षीय छात्रा अनुष्का काले, इस प्रतिष्ठित पद को संभालने वाली कुछ दक्षिण एशियाई विरासत वाली महिला सदस्यों में से एक हैं।

इजरायली सेना ने असद के भागते ही सीरिया में मचाई तबाही; गोलान हाइट्स पर किया कब्जा

भड़क गए मुस्लिम देश

दश्मिक, एजेंसी। इजरायल और सीरिया के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। 50 साल बाद इजरायली सेना ने सीरिया के अंदर घुसपैठ की है और गोलान हाइट्स पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। इजरायली टैंक अब सीरिया की राजधानी दमिश्क के नजदीक देखे जा रहे हैं। इस कदम ने पूरे मुस्लिम विश्व को भड़का दिया है, और सऊदी अरब, कतर, और इराक जैसे देशों ने इजरायल की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। इजरायल का यह कदम मध्य पूर्व में बड़े तनाव का कारण बन सकता है। मुस्लिम देश इस कार्रवाई के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर हालात और बिगड़ सकते हैं।

ईरान और रूस के प्रभाव वाले सीरिया में अलकायदा से जुड़े सुन्नी विद्रोही गुट एचटीएस ने नियंत्रण स्थापित कर लिया है। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद रूस भाग गए हैं। इस बीच, अमेरिकी बॉम्बर्स ने इजरायल के साथ मिलकर सीरिया के सैन्य ठिकानों और रासायनिक हथियारों की फैक्ट्रियों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं, जिससे वे पूरी तरह नष्ट हो गए। अमेरिका और इजरायल को आशंका थी कि ये हथियार विद्रोहियों के हाथ लग सकते हैं। इजरायली सेना ने भी जमीन पर कार्रवाई करते हुए पहली बार 1974 की संधि के बाद सीरिया में प्रवेश किया है। उन्होंने गोलान हाइट्स के पास 10 किलोमीटर अंदर सीरियाई क्षेत्र में कब्जा कर एक बफर जोन बना लिया है। इजरायल का कहना है कि यह कदम अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अस्थायी रूप से उठाया गया है। रविवार को इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स के क्षेत्र में एक बफर जोन स्थापित किया है।इस घटनाक्रम से असद शासन और ईरान के प्रभाव का अंत हो गया है। इससे इजरायल को एक रणनीतिक लाभ मिला है, क्योंकि अब ईरान सीरिया के रास्ते लेबनान में हिजबुल्लाह को हथियार नहीं भेज सकेगा।

इजरायली सेना ने 50 साल बाद गोलान हाइट्स को सीरिया से अलग कर दिया। इसके बाद मुस्लिम देशों सऊदी अरब, कतर और इराक ने इस कदम को खतरनाक बताते हुए इसकी निंदा की है। बता दें कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भाग जाने के बाद तुर्की समर्थित विद्रोहियों ने देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स पर कब्जा करने के साथ-साथ सीरिया की राजधानी दमिश्क के करीब तक अपने टैंक तैनात कर दिए हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे रणनीतिक सुरक्षा कदम बताया और गोलान हाइट्स को अनंत काल तक इजरायल के नियंत्रण में रहने वाला क्षेत्र घोषित किया।

कतर: कतर ने इजरायल के इस कदम को सीरिया की संप्रभुता पर खुला हमला और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। कतर ने चेतावनी दी कि यह कदम क्षेत्र में हिंसा और तनाव को और बढ़ाएगा। सऊदी अरब ने इजरायल पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के लगातार उल्लंघन का आरोप लगाया। सऊदी अरब ने गोलान हाइट्स को अरब क्षेत्र बताते हुए विश्व समुदाय से इजरायली कदम की निंदा करने की मांग की। इराक ने इजरायल की इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय नियमों का बड़ा उल्लंघन बताया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हस्तक्षेप करने की अपील की।

1967 का युद्ध: इजरायल ने गोलान हाइट्स पर कब्जा किया।

1974 का समझौता: इजरायल और सीरिया के बीच संघर्षविराम हुआ और बफर जोन बना।

अब की स्थिति: बशर अल-असद के हटने के बाद इजरायल ने इस क्षेत्र को सीरिया से पूरी तरह काटकर अपने नियंत्रण में ले लिया।

चीन ने नाबालिगों के वीडियो गेम खेलने पर लगाए सख्त प्रतिबंध, बच्चों ने बचने के खोज लिए उपाय

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने पर सख्त पाबंदियां लागू की हैं, लेकिन बच्चे इन प्रतिबंधों से बचने के लिए नई-नई तरकीबें खोज लेते हैं। यह स्थिति ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के लिए भी महत्वपूर्ण सबक है, जहां सोशल मीडिया और गेमिंग के उपयोग पर नियंत्रण बढ़ाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। चीन ने 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए वीडियो गेम खेलने के समय को बेहद सीमित कर दिया है।

चीनी सरकार और टेक कंपनियां नियमों के अनुपालन के लिए तकनीकी समाधान लागू कर रही हैं कि खिलाड़ियों को अपना वास्तविक नाम और पहचान पत्र प्रस्तुत करना होता है। कुछ गेम प्लेटफॉर्म में चेहरे की पहचान के जरिए आयु सत्यापित की जाती है। इसके अलावा मोबाइल डिवाइस निर्माता और ऐप स्टोर ने माइनर मोड लॉन्च किया, जो नाबालिगों के गेमिंग समय को सीमित करता है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर पाबंदी लगाने का विधेयक पारित किया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि चीन के अनुभव से सीख लेते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपने उपायों को अधिक व्यावहारिक और सुरक्षित बनाना चाहिए। चीन के अनुभव से पता चलता है कि नाबालिगों के ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी तरह पाबंदी लगाना न केवल अप्रभावी हो सकता है, बल्कि इससे नए जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों को इनसे बचने के लिए समग्र और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

नोबेल विजेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री के लिए ट्रंप की पसंद आरएफके जू. का किया विरोध, सीनेट को लिखी चिट्ठी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर के 77 नोबेल विजेताओं ने सोमवार को अमेरिकी सीनेट को चिट्ठी लिखकर रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर (आरएफके जू.) की स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर नियुक्ति का विरोध किया। गौरतलब है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनाव जीतने के कुछ घंटों बाद ही जिन नेताओं को मंत्री बनाने का एलान किया था, उनमें आरएफके जू. का नाम सबसे ऊपर था।

नोबेल विजेताओं ने अपनी चिट्ठी में कहा, कैनेडी जू. के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाने से जनता के लिए मुहैया होने वाली स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। इस चिट्ठी में आरएफके जू. के अनुभव और विश्वसनीयता की कमी का मुद्दा उठाया गया है। पत्र में हस्ताक्षर करने वालों में चिकित्सा, रसायन, भौतिकी और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पाने वालों के नाम शामिल हैं। जिन लोगों ने कैनेडी जूनियर के खिलाफ पत्र में हस्ताक्षर किए हैं, उनमें ड्यू वीजमैन का नाम भी शामिल है, जिन्होंने 2023 में कोविड के खिलाफ लड़ाई के लिए एमआरएनए टीका तैयार करने में मदद की थी। उन्हें इसके लिए चिकित्सा का नोबेल मिला था। गौरतलब है कि रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी जू. के भतीजे हैं। इस साल हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर दावेदारी पेश की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना नाम वापस लेते हुए ट्रंप को समर्थन दे दिया था। इसके बदले चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने उन्हें अपना स्वास्थ्य मंत्री बनाने का एलान किया। हालांकि, इस पद पर नियुक्ति के लिए उन्हें अभी अमेरिकी संसद के उच्च सदन- सीनेट की मंजूरी लेनी होगी।

कनाडा में भारतीय छात्र की हत्या के मामले में 2 गिरफ्तार, हरियाणा का रहने वाला था मृतक युवक

वैंकूवर , एजेंसी। कनाडा में हरियाणा के अंबाला से संबंध रखने वाले छात्र हर्षदीप सिंह अटल की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एडमोंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 30 वर्षीय इवान रेन और 30 वर्षीय जुडिथ सौलटॉक्स को शुक्रवार को हुई इस घटना में गिरफ्तार किया गया है। यह हत्या एडमोंटन शहर में 6 दिसंबर को रात करीब 12:30 बजे हुई।

हर्षदीप, जो एक अपार्टमेंट परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहे थे, को एक सीढ़ी में गोली मार दी गई। पुलिस के अनुसार, मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने उन्हें अचेत पाया और प्राथमिक चिकित्सा दी। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि हत्या में और किसी के शामिल होने का शक नहीं है और गिरफ्तारियों के दौरान एक हथियार भी बरामद किया गया। मामले की जांच के लिए सोमवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा।

भारत के वैंकूवर स्थित वाणिज्य दूतावास ने हर्षदीप की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया। एक पोस्ट में कहा गया, "हम भारतीय नागरिक हर्षदीप सिंह की दुखद मौत से बेहद व्यथित हैं। उन्हें 6 दिसंबर को एडमोंटन में गोली मार दी गई। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रथम श्रेणी हत्या का आरोप लगाया गया है। हम स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे।

हर्षदीप सिंह करीब डेढ़ साल पहले छात्र वीजा पर कनाडा आए थे। एक ऑनलाइन फंडरेजर में उन्हें दयालु और मेहनती युवक बताया गया है। इस घटना ने उनके परिवार, दोस्तों और प्रियजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। वह अपने माता-पिता और एक बहन के साथ हरियाणा के पिंड मटेहरी जट्टां, अंबाला में रहते थे। इस दुखद घटना के बाद समुदाय ने उनके परिवार की सहायता के लिए फंडरेजर शुरू किया, जिसमें रविवार शाम तक 1,20,000 कनाडाई डॉलर (करीब 75 लाख) जमा हो चुके थे।

आरोपियों का आपराधिक इतिहासब्र गिरफ्तार आरोपियों में से एक, इवान रेन, पर पहले भी हिंसक अपराध के आरोप लग चुके हैं। स्थानीय मीडिया वेस्टर्न स्टैंडर्ड ने बताया कि रेन का आपराधिक इतिहास कनाडा की न्याय प्रणाली और उनकी रिहाई पर सवाल उठाता है।

रूस ने भारत को सौंपा गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस-तुशिल

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज और हाई रेंज मिसाइलों से लैस

मॉस्को, एजेंसी। आधुनिक मल्टी-रोल स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह युद्धपोत रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में भारत को डिलीवर किया गया। आईएनएस तुशिल कई उन्नत हथियारों से लैस है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली हाई रेंज मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट गन शामिल हैं। इसके अलावा इस युद्धपोत में कंट्रोल्ड क्लोज-रेंज रैपिड फायर गन सिस्टम, सबमरीन का खात्मा करने वाले टॉरपीडो समेत कई एडवांस रॉकेट भी हैं। युद्धपोत का डिजाइन इसे रडार से बचने की क्षमता और बेहतर स्थिरता प्रदान करता है भारत और रूस के बीच 2016 में 4 स्टील्थ फ्रिगेट को लेकर 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपए) की डील हुई थी। इसमें से 2 युद्धपोत का निर्माण रूस (यंतर शिपयार्ड) में और 2 का निर्माण (गोवा शिपयार्ड) में होना है। तुशिल की डिलीवरी करने के बाद रूस भारत को जून-जुलाई 2025 में तमाल सौंपेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि आईएनएस तुशिल से भारत की समुद्री ताकत में इजाफा होगा। उन्होंने इसे रूसी और भारतीय उद्योगों की सफल साझेदारी और दोनों देशों की बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में मील का पत्थर बताया। रक्षा मंत्री ने जहाजों में मेड इन इंडिया कंटेंट बढ़ने पर भी खुशी जताई। विदेशी जहाजों में मेड इन इंडिया सामग्री में इजाफा भारतीय नौसेना के विशेषज्ञ इंजीनियरों और रूसी शिप डिजाइन कंपनी सेवरनॉय डिजाइन ब्यूरो के मदद से, आईएनएस तुशिल में स्वदेशी सामग्री को 26 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इससे विदेशी जहाजों में भारत निर्मित सिस्टम्स की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो पहले की तुलना में दोगुनी से अधिक है। इस जहाज के निर्माण में प्रमुख भारतीय कंपनियां ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केल्ट्रॉन, नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम, एल्कॉम मरीन, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया और कई दूसरी ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर के रूप में शामिल थीं। गौरतलब है कि भारत में नौसेना में इस्तेमाल होने वाले अधिकतर पोतों में लगी गैस टर्बाइन का उत्पादन यूक्रेन की कंपनी जोरया-माशप्रोएक्त करती है। इसे वैश्विक स्तर पर जलीय गैस टर्बाइन के उत्पादन के लिए जाना जाता है। इस पूरे ऑर्डर की सबसे बड़ी बात यह है कि युद्ध के बावजूद रूस और यूक्रेन की मदद से भारत को यह पोत मिल गया है। आईएनएस तुशिल पर 18 अधिकारियों समेत 180 कर्मियों का दल तैनात हो सकता है। जहाज पर 8 ब्रह्मोस वर्टिकल लॉन्च की जाने वाली एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें, 24 मध्यम दूरी की और 8 छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 100 मिमी की तोप और आने वाली मिसाइलों से बचाव के लिए दो क्लोज-इन हथियार होंगे। तुशिल क्रोवाक-3 कैटगिरी का युद्धपोत है।

आईसीसी ने भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के लिए सनी ढिल्लों पर लगाया 6 साल का प्रतिबंध

दुबई (एजेंसी)। भ्रष्टाचार निरोधक न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों पर 6 साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। ढिल्लों उन 8 लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ये आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के लिए ईसीबी की संहिता के लिए नामित भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी (डीएसीओ) द्वारा बाधित किया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलीलों के बाद न्यायाधिकरण ने ढिल्लों को दोषी पाया। प्रतिबंध 13 सितंबर, 2023 से लागू होगा, जब ढिल्लों को अनंतिम रूप से निलंबित किया गया था।

- **अनुच्छेद 2.1.1** - अबू धाबी टी10 2021 में मैचों या मैचों के पहलुओं को ठीक करने, साजिश रचने या अनुचित तरीके से प्रभावित करने के प्रयास में भागीदार होना।
- **अनुच्छेद 2.4.4** - संहिता के तहत भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए प्राप्त किसी भी संपर्क या निमंत्रण के बारे में डीएसीओ को पूरी जानकारी देने में विफल होना।
- **अनुच्छेद 2.4.6** - संहिता के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण के संबंध में डीएसीओ द्वारा की गई किसी भी जांच में सहयोग करने में, बिना किसी ठोस कारण के, विफल होना या मना करना।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले जोनाथन ट्रॉट का अनुबंध बढ़ा, अफगानिस्तान पहली बार टूर्नामेंट में लेगा हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है और इस तरह से वह 2025 में भी अपनी इस भूमिका को निभाएंगे। यह घोषणा अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ महीने पहले की गई है। अफगानिस्तान पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। इंग्लैंड के 43 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट ने जुलाई 2022 में अफगानिस्तान के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रगति की है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ट्रॉट को अफगानिस्तान की टीम के साथ अगले साल के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता है। वह अफगानिस्तान क्रिकेट को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। ट्रॉट की नियुक्ति के बाद से अफगानिस्तान ने 34 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिनमें से 14 में उसने जीत हासिल की है। इस दौरान अफगानिस्तान ने जो 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले उनमें से 20 में उसे जीत मिली। अफगानिस्तान की टीम अभी जिंबाब्वे का दौरा कर रही है जहां वह तीन टी20, तीन वनडे और जो टेस्ट मैच खेलेगी। ट्रॉट वनडे श्रृंखला के लिए ही अपनी सेवाएं दे पाएंगे। वह व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के कारण टी20 और टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बयान में कहा गया है कि ट्रॉट की अनुपस्थिति में हामिद हसन मुख्य कोच और नवरोज मंगल सहायक मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे।

हरभजन सिंह ने रोहित को नंबर 6 पर रखने का समर्थन किया, ब्रिसबेन टेस्ट में बदलाव की भविष्यवाणी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया की रणनीति पर अपने विचार साझा किए और विश्वास जताया कि कप्तान रोहित शर्मा एडिलेड में अपने खराब प्रदर्शन के बावजूद नंबर 6 पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे, जहां भारत को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित पर्थ में शुरुआती टेस्ट से चूक गए थे, हालांकि एडिलेड टेस्ट में वह प्रभाव छोड़ने के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए दोनों पारियों में सिर्फ 9 रन बनाए।

हरभजन को लगता है कि कप्तान के फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की कोई जरूरत नहीं है। हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव होगा। हमने कल चर्चा की कि शायद रोहित शर्मा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। यहां तक ??कि (सुनील) गावस्कर साहब ने भी इसका सुझाव दिया था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि टीम प्रबंधन इस तरह से सोचेगा। रोहित अभी शानदार फॉर्म में नहीं हैं, तो आप उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर क्यों भेजेंगे? मुझे लगता है कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल को ओपनिंग जारी रखनी चाहिए, जबकि रोहित मध्य क्रम में बल्लेबाजी करें।

बल्लेबाजी क्रम में निरंतरता की वकालत करते हुए हरभजन ने भारत के गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की भविष्यवाणी की। उन्होंने रविचंदन अश्विन की जगह पर वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने का सुझाव दिया जिन्होंने पर्थ में अपनी ऑलराउंड क्षमताओं से प्रभावित किया। उन्होंने कहा, वाशिंगटन सुंदर ब्रिसबेन टेस्ट के लिए वापस आ सकते हैं। अश्विन ने एडिलेड में ज्यादा गेंदबाजी नहीं की और उनका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। दूसरी ओर, सुंदर बल्ले से बेहतर प्रदर्शन करते हैं और पर्थ में उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। मुझे लगता है कि उन्हें मौका मिलेगा।

इसके अलावा उन्होंने पेस डिपार्टमेंट में बदलाव की बात कही। एडिलेड में संघर्ष करने वाले हर्षित राणा की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मौका देने की बात की है। उन्होंने कहा, ब्रिसबेन की उछाल भरी पिच पर प्रसिद्ध कृष्णा काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। उनकी लंबाई और उछाल हासिल करने की क्षमता उन्हें हर्षित राणा की जगह लेने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार बनाती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिसबेन क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाला है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर बोले

सिराज को समय से पहले जश्न मनाने से रोके भारत

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना ??है कि मोहम्मद सिराज में अंपायर के फैसले का इंतजार किए बिना समय से पहले विकेट लेने का जश्न मनाने की प्रवृत्ति है और भारतीय टीम में उनके सीनियर साथियों को इस मुद्दे पर इस तेज गेंदबाज से बात करनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना बुरा लगता है। टेलर ने कहा कि सिराज को जब लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला का सवाल है तो मैं चाहूंगा कि उनकी टीम के सीनियर साथी उनसे बात करें। ट्रैविस हेड के साथ जो हुआ उसके बारे में इतना नहीं, बल्कि इस चीज को लेकर उनसे बात की जानी चाहिए कि जब उन्हें लगता है कि उन्होंने बल्लेबाज को आउट कर दिया है तो वह अंपायर का फैसला देखने के लिए पलटते नहीं हैं और जश्न मनाना शुरू कर देते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके और खेल के लिए अच्छा नजारा नहीं होता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे उसका जोश पसंद है, मुझे उसका प्रतिस्पर्धी स्वभाव पसंद है, मुझे यह तथ्य पसंद है कि हमारे पास वास्तव में एक अच्छी श्रृंखला चल रही है, लेकिन खेल का सम्मान भी है जिसे बनाए रखने की जरूरत है। मुझे लगता है कि सीनियर साथियों के साथ बात करने से उसे इस चीज को समझने में मदद मिलेगी। एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में हेड से संक्षिप्त बहस करने के बाद सिराज चर्चा का विषय बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 10 विकेट से जीतकर पांच मैच की श्रृंखला 1-3 से बराबर की। सिराज पर इसके लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज साइमन कैटिच का मानना है कि सिराज के दिमाग ने कुछ देर के लिए काम नहीं किया और इस बाद में इसका पछतावा भी हुआ। कैटिच ने एसईएन रेडियो से कहा, 'यह शर्मनाक है कि सिराज ने तब दिमाग से काम नहीं लिया। खेल में इस तरह के व्यवहार की कोई जरूरत नहीं है।

'वह बेहतरीन थे', गिलक्रिस्ट ने एडिलेड टेस्ट में पैट कमिंस के प्रदर्शन की तारीफ की

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)(एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने मंगलवार को भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के एडिलेड टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट

कमिंस की तारीफ की। रविवार को रोहित शर्मा की कामनी वाली भारत को प्रतिष्ठित बीजीटी सीरीज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हराया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है।

कमिंस हाल ही में संपन्न एडिलेड टेस्ट में असाधारण प्रदर्शन करते हुए 7 विकेट लिए और मेजबान टीम को बीजीटी में भारत पर 10 विकेट से जीत दिलाने में मदद की। द फॉलो-ऑन पॉडकास्ट पर बोलते हुए गिलक्रिस्ट ने कहा, कमिंस बेहतरीन थे, ऐसा लग रहा था कि पर्थ के बाद ग्रीस और तेल बदलने और ट्यून-अप की जरूरत है, लेकिन मैच के अंत में वे बहुत अच्छा खेल रहे थे, इसलिए यह देखना शानदार था।

गिलक्रिस्ट ने कहा कि कमिंस हर विकेट लेने के बाद अपने जश्न में अधिक आक्रामक दिखे। उन्होंने कहा, आप उनके जश्न से देख सकते हैं कि... हर विकेट लेने के बाद वे अपने जश्न में अधिक आक्रामक दिखे। नियंत्रण खोने की हद तक नहीं, लेकिन आप यह स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनके प्रदर्शन (पर्थ में) के बाद उन्हें थोड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था और वे पर्थ में जिस तरह से खेले, उससे वे अंदर से बहुत निराश हुए होंगे। उन्होंने आगे कहा, इसलिए यह (एडिलेड का जश्न) आपको दिखाता है कि यह उनके लिए क्या मायने रखता है और उन्हें पता था कि वे उस स्तर पर वापस आ गए हैं जिस पर वे अपना क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला-2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

अबुधाबी(एजेंसी)। भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की

सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

बॉक्सिंग डे टेस्ट को लेकर फैंस में भारी उत्साह, पहले दिन के टिकट बिके

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले चौथे टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। यह प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में लोगों की गहरी दिलचस्पी को दर्शाता है। मेजबान ऑस्ट्रेलिया द्वारा एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर करने के कुछ दिनों बाद टिकटों की भारी मांग देखने को मिली है।

दोनों प्रतिद्वंद्वी टीमें शनिवार से ब्रिसबेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के बाद 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए एमसीजी का रुख करेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किया, 'बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन के सभी उपलब्ध सार्वजनिक टिकट बिक चुके हैं।' सीए ने कहा, गैर-सदस्यों को टिकट के लिए 24 दिसंबर को कुछ सार्वजनिक टिकटों की अंतिम रिलीज की संभावना है।

एडिलेड में खेले गए गुलाबी गेंद के टेस्ट में तीन दिनों में 135,012 दर्शकों ने हिस्सा लिया, जिसने दोनों टीमों के बीच खेले गए पांच दिवसीय मैच में दर्शकों की संख्या का रिकॉर्ड बनाया। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन एडिलेड ओवल में 36,225 दर्शक आए, जो भारत के खिलाफ टेस्ट के लिए 113,009 दर्शकों के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया, जो 2014-15 में 5 दिनों में बनाया गया था।

भारत के खिलाफ एडिलेड में टेस्ट के लिए एक

दिन की उपस्थिति का रिकॉर्ड भी शुरुआती दो दिनों में टूट गया, जब 50,000 से अधिक प्रशंसक खेल में शामिल हुए। पहले टेस्ट के लिए पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भी रिकॉर्ड संख्या में प्रशंसक आए थे जिसे मेहमान टीम (भारत) ने 295 रनों से जीतकर ऑस्ट्रेलिया की धरती पर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

पुजारा ने तीसरे टेस्ट के लिए दिया सुझाव, भारतीय टीम में करें एक बदलाव

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में एक बदलाव का सुझाव दिया है। गौरतलब है कि भारत ने एडिलेड में दूसरा टेस्ट दस विकेट से गंवा दिया था जिससे ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। हार के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम सीरीज में वापसी करने के लिए बेताब है और ब्रिसबेन में होने वाले आगामी टेस्ट को जीतने के लिए बेताब होगी।

एडिलेड में हार के बाद पुजारा ने प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव का सुझाव दिया है जिसमें रविचंद्रन अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया जाना शामिल है। अश्विन ने एडिलेड में सुंदर की जगह ली थी और 18 ओवर में मिशेल मार्श को आउट करते हुए 1/53 का आंकड़ा दर्ज किया था।

पुजारा ने कहा, मुझे लगता है कि केवल एक बदलाव हो सकता है। चूंकि बल्लेबाजी अच्छी नहीं थी, इसलिए आर अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया जा सकता है। क्या हर्षित राणा की जगह किसी और को शामिल किया जाना चाहिए? मेरी राय में, नहीं। आपने उनका समर्थन किया और उन्होंने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया।

पुजारा ने आगे बोलते हुए कहा कि एडिलेड में उनके प्रदर्शन के आधार पर तीसरे

टेस्ट में भी हर्षित राणा को चुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वह एक अच्छा गेंदबाज है। आप उसे सिर्फ इसलिए नहीं हटा सकते क्योंकि एक मैच खराब रहा। अगर टीम को लगता है कि बल्लेबाजी लाइनअप को मजबूत करने की जरूरत है, तो शायद मेरे लिए एकमात्र बदलाव अश्विन की जगह सुंदर को लेना होगा।

एडिलेड टेस्ट में राणा का प्रदर्शन यादगार नहीं रहा और उन्होंने 16 ओवर में 86 रन दिए। हालांकि 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पर्थ में शानदार शुरुआत की थी, जहां उन्होंने पहली पारी में 15.2 ओवर में 3/48 विकेट लिए, जिसमें ट्रैविस हेड का बड़ा विकेट भी शामिल है।

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

सेंट पीटर्सबर्ग (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन

को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

वह मुंबई का बल्लेबाज है, यह न भूलें

रोहित की खराब फार्म पर बोले राष्ट्रीय चयनकर्ता परांजपे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 विकेट की हार में रोहित शर्मा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कोसों दूर रहे। उन्हें अब भी भरोसा है कि भारतीय कप्तान सीरीज के बाकी 3 मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित एडिलेड ओवल में दोनों पारियों में केवल 9 रन बना सके। इससे उनके पिछले 6 टेस्ट की औसत 11.83 हो गई है। रोहित को कप्तान के रूप में अपने गेंदबाजों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं करने के चलते आलोचना का सामना करना पड़ा।

परांजपे ने कहा कि मुझे पता है कि पिछली कुछ टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि फॉर्म अस्थायी है और क्लास स्थायी है। मुझे रोहित शर्मा के अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर बहुत-बहुत अच्छा लग रहा है, क्योंकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह मुंबई के

खिलाड़ी हैं। जब चीजें कठिन होती हैं तो वे आपके खिलाफ जीत हासिल करने के लिए जाने जाते हैं। मुझे लगा कि एडिलेड में इस टेस्ट मैच में वह थोड़ा खराब थे, लेकिन मुझे यकीन है कि वह वापसी करेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कुछ भी गलत नहीं है, बस उन्हें मैदान पर एक या दो घंटे बिताने की जरूरत है।

परांजपे बोले- रोहित को 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करनी चाहिए। सलामी बल्लेबाज के स्थान पर वापस आना उनके लिए एक आसमदायक क्षेत्र है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह शीर्ष स्थान पर वापस आएंगे। जयसवाल के साथ ओपनिंग करना और केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करानी, मैंने यह भी सोचा कि पहले कुछ दिनों में वह अपनी कप्तानी में थोड़ा कमजोर थे और मुझे यकीन है कि वह आने वाले तीन मैचों में इसे बदल देंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के असाधारण नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए परांजपे ने कहा कि पिछले 3-4 वर्षों में वह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ कप्तान हैं और उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर यह जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली और कुछ ऐसी गेंदबाजी की जो खेलने लायक नहीं थी। मुझे विश्वास था कि पहले टेस्ट मैच के बाद कमिंस अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम को ऊपर उठाने की जरूरत थी और उसने ऐसा किया, मुझे लगा कि एडिलेड में वह उनके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी था।